सुप्रभात
रांची, सोमवार
05.05.2025
* * नगर संस्करण | पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | बैशाख, शुक्ल पक्ष, अष्टमी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 12 | अंक : 288

12 देश जैसा चाहता है, वैसा ही दिया जायेगा जवाब

न्यूज डायरी

घाटी में बड़ा हादसा, सैन्य वाहन गिरा, तीन शहीद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बैटरी चश्मा के पास सेना का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया है जिसमें 3 सैनिकों के शहीद होने की खबर है। जानकारी के अनुसार सेना का एक ट्रक 600 फीट गहरी खाई में लुढ़क गया। शहीद सैनिकों की पहचान अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है।

तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत

रांची। खूंटी शहर के आजाद रोड के रहने वाले दो मासूम बच्चों की रविवार को तालाब में डूबने से मौत हो गयी। मृतकों में 11 वर्षीय अब्दुल समद और नौ वर्षीय हमजा अंसारी शामिल हैं। एक साथ दो मासूमों की इस तरह की मौत ने सभी की आंखों को नम कर दिया। अब्दुल समद, रांची के टेंडर हर्ट स्कूल में कक्षा चार का छात्र था। हमजा अंसारी, आईडियल स्कूल में पढ़ता था और सब्बन अंसारी का इकलौता पुत्र था।

एमइएस का इंजीनियर घूस लेते गिरफ्तार

रांची। सीबीआई ने मिलिटरी इंजीनियर सर्विस (एमइएस) के सिविल असिस्टेंट इंजीनियर कौशलेश कुमार को 50 हजार रुपये घूस लेते रंगे हाथ गिरफ़्तार किया है। साथ ही इंजीनियर के घर पर छापेमारी के दौरान मिले आठ लाख नकद और बैंक खाते में जमा 63 लाख रुपये जब्त किये हैं। गिरफ़्तार इंजीनियर एयरफोर्स स्टेशन दरभंगा में पदस्थापित है। दिल्ली की एक कंपनी ने सीबीआई से इस इंजीनियर के खिलाफ घूस मांगने की शिकायत दर्ज करायी थी।

जासूसी के आरोप में पंजाब में दो गिरफ्तार

जालंधर। पंजाब पुलिस ने अमृतसर में सैन्य छावनी क्षेत्रों और वायुसेना अड्डों की संवेदनशील जानकारी और तस्वीरें लीक करने में कथित भूमिका को लेकर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार लोगों के नाम पलक शेर मसीह और सूरज मसीह है। प्रारंभिक जांच में उनके जेल में बंद हरप्रीत सिंह के जरिये पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों से संबंध होने का पता चला।

छह बांग्लादेशी महिलाएं हिरासत में

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर बिना वैध दस्तावेजों के राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न इलाकों में रह रहीं छह बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त के अनुसार, मंडावली पुलिस थाने को मिली सूचना के बाद यह कार्रवाई शुरू की गयी। सभी को हिरासत में ले कर जेल भेज दिया गया है।

पहलगाम का बदला: भारत ने पाकिस्तान को हर मोर्चे पर घेरा, एक और कड़ा फैसला

चिनाब का पानी रोका, अब झेलम की बारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। भारत ने चिनाब नदी पर बने बागलीहार बांध से पाकिस्तान की ओर पानी का बहाव रोक दिया है। इतना ही नहीं, भारत झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध पर भी ऐसा ही कदम उठाने की योजना बन रहा है। यह कदम भारत ने तब उठाया है, जब पहलगाम हमले के बाद 1960 में हुई सिंधु जल समझौते को निलंबित करने का फैसला लिया गया। भारत का यह कदम पाकिस्तान को सख्त संदेश देने की कोशिश है। बागलीहार बांध के स्लुइस स्पिलवे के गेट बंद कर दिया गया, ताकि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पानी का बहाव कम हो। भारत, पाकिस्तान के खिलाफ हर मोर्चे पर जवाब देने को तैयार है। पाकिस्तान सिंधु जल समझौते को रद्द करने के फैसले को युद्ध की कार्रवाई करार दिया था । इसे कूटनीतिक तौर पर पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत की ओर से उठाया गया सबसे बड़ा कदम माना जा रहा है।

लंबे समय से था बांधों का विवाद : सिंधु जल समझौते के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी का बंटवारा होता है।

(शेष पेज 11 पर)

एयरमार्शल ने पीएम को दी तैयारियों की जानकारी

नयी दिल्ली। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। वायुसेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री मोदी को सुरक्षा की तैयारियों को लेकर जानकारी दी है। दोनों की यह मुलाकात रविवार को पीएम आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से तनाव के बीच पीएम मोदी लगातार सेना प्रमुखों के साथ मीटिंग कर रहे हैं। शनिवार को उन्होंने नेवी चीफ के साथ मीटिंग की थी। कुछ दिन पहले ही उन्होंने तीनों सेना प्रमुखों के साथ मीटिंग की थी। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी शामिल हुए थे। बैठक में पीएम ने सेनाओं को एक्शन लेने की खुली छूट दे दी। पीएम मोदी ने अंगोला के राष्ट्रपति के साथ मुलाकात के बाद एक बार फिर मीडिया के सामने दोहराया कि पहलगाम में आतंकवादी हमले को अंजाम देने वालों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

पानी को तरसाने और डुबाने की तैयारी

पानी जिंदगी का दूसरा नाम है और बूंद-बूंद पानी को तरस जायें तो तबाही। पानी बेहिसाब बरसने या बहने लगे तो तबाही। पहलगाम आतंकी हमले में 26 सैलानियों की मौत के बाद भारत ने सबसे पहला और सबसे बड़ा फैसला ये किया कि पाकिस्तान के साथ सिंधु नदी समझौता स्थगित कर दिया। जल प्रहार से भारत, पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर करने और अचानक पानी और मिट्टी छोड़ कर पाकिस्तान को जल प्रलय से तबाह करने की तैयारी में हैं।

हीर-रांझा की कहानी में भी चिनाब का जिक्र

चेनाब भारत और पाकिस्तान की एक प्रमुख नदी है, जो हिमालय पर्वत श्रृंखला से निकलती है और पाकिस्तान में सिंधु नदी में मिल जाती है। नदी की कुल लंबाई लगभग 960 किलोमीटर है। चंद्र और भागा नदियां हिमाचल प्रदेश के तांदी नामक स्थान पर मिलकर चेनाब बनाती हैं। यह नदी सिंधु जल संधि (1960) के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच बांटी गयी नदियों में से एक है। भारत में चेनाब नदी पर बगलीहार बांध (जम्मू-कश्मीर) जैसे कई पनबिजली और सिंचाई परियोजनाएं बनी हैं। यह नदी कई लोक कथाओं का हिस्सा रही है, विशेष रूप से हीर-रांझा की प्रेम कहानी में इसका जिक्र आता है।

हजारीबाग में विशेष व्यवस्था, पिछले साल यहीं से लीक हुआ था पेपर

कड़ी सुरक्षा के बीच नीट यूजी की परीक्षा संपन्न

राजधानी के 22 परीक्षा केंद्रों पर हुई परीक्षा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट यूजी 2025) परीक्षा रविवार झारखंड समेत पूरे देश में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गयी। रांची में 22 परीक्षा केंद्रों पर करीब 10 हजार छात्रों ने परीक्षा दिया। वहीं हजारीबाग में इस साल परीक्षा को लेकर अति सावधानी बरती गयी थी। साल 2024 में हजारीबाग से ही प्रश्न पत्र लीक हुआ था। जिसकी जांच अब भी जारी है। इसी कारण पूरे देश की नजर इस परीक्षा को लेकर हजारीबाग में टिकी थी। स्ट्रॉन्ग रूम से प्रश्न पत्र विभिन्न केंद्र में कड़ी सुरक्षा के बीच में पहुंचाया गया। परीक्षा के बाद उसी तरह उत्तर पुस्तिका स्ट्रांग रूम लाया गया।

इस बार कई बदलाव : इस साल परीक्षा में कई बदलाव किये गये थे। परीक्षा में 180 सवाल पूछे गये।

(शेष पेज 11 पर)

अफवाह फैलानेवालों पर कार्रवाई

देशभर में रविवार को नीट-यूजी की परीक्षा का आयोजन देश के 5,453 केंद्रों और विदेश के 13 शहरों में किया गया। दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चली। इस बार 22.7 लाख से ज्यादा छात्रों ने परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने बताया कि कुछ लोग परीक्षा से पहले छात्रों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। इन लोगों ने टेलीग्राम और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फर्जी दावे किये कि वे पैसे लेकर अच्छे मार्क्स दिलवा सकते हैं। इस तरह की भ्रामक जानकारी फैलाने वाले 165 से ज्यादा टेलीग्राम चैनल और 32 इंस्टाग्राम अकाउंट्स के खिलाफ कार्रवाई की गयी है। यह कार्रवाई गृह मंत्रालय के साइबर अपराध विभाग की मदद से की गयी।

इसीआइ की बड़ी पहल- अब एकल ऐप में मिलेगी सभी सेवाएं

चुनावी सेवाएं सुगम बनेंगी, डेटा प्रबंधन में आसानी होगी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। एक बड़ी पहल के तहत चुनाव आयोग (इसीआइ) मतदाताओं और चुनाव अधिकारियों, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज जैसे अन्य हितधारकों के लिए एक नया उपयोगकर्ता-अनुकूल डिजिटल इंटरफेस विकसित कर रहा है। इस डिजिटलीकरण के तहत चुनाव अधिकारी से लेकर वोटर, राजनीतिक दल और सामाजिक संगठन सभी को सुविधा के लिए आयोग एक वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म इसीआईनेट लॉन्च करने की तैयारी में है। यह एक ऐसा ऐप होगा, जिसमें आयोग के 40 से ज्यादा मौजूदा मोबाइल ऐप्स होंगे। इसीआइ-नेट में एक सुंदर यूजर इंटरफेस (यूआइ) और एक सरलीकृत यूजर एक्सपीरियंस (यूएक्स) होगा, जो चुनाव-संबंधित सभी गतिविधियों के लिए एक एकल प्लेटफॉर्म उपलब्ध करायेगा। यह प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं को कई ऐप डाउनलोड करने और नेविगेट करने तथा अलग-अलग लॉगिन याद रखने के बोझ को कम करने के लिए भी डिजाइन किया गया है। इसकी परिकल्पना मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधु और निर्वाचन आयुक्त डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में मार्च 2025 में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान की थी। ईसीआईएनईटी उपयोगकर्ताओं को अपने डेस्कटॉप या स्मार्टफोन पर प्रासंगिक चुनावी डेटा तक पहुंचने में सक्षम बनायेगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि डेटा यथासंभव सटीक है। ईसीआईएनईटी पर डेटा केवल अधिकृत ईसीआई अधिकारी द्वारा दर्ज किया जाएगा। किसी भी संघर्ष की स्थिति में, वैधानिक प्रपत्रों में विधिवत भरा गया प्राथमिक डेटा मान्य होगा।

(शेष पेज 11 पर)

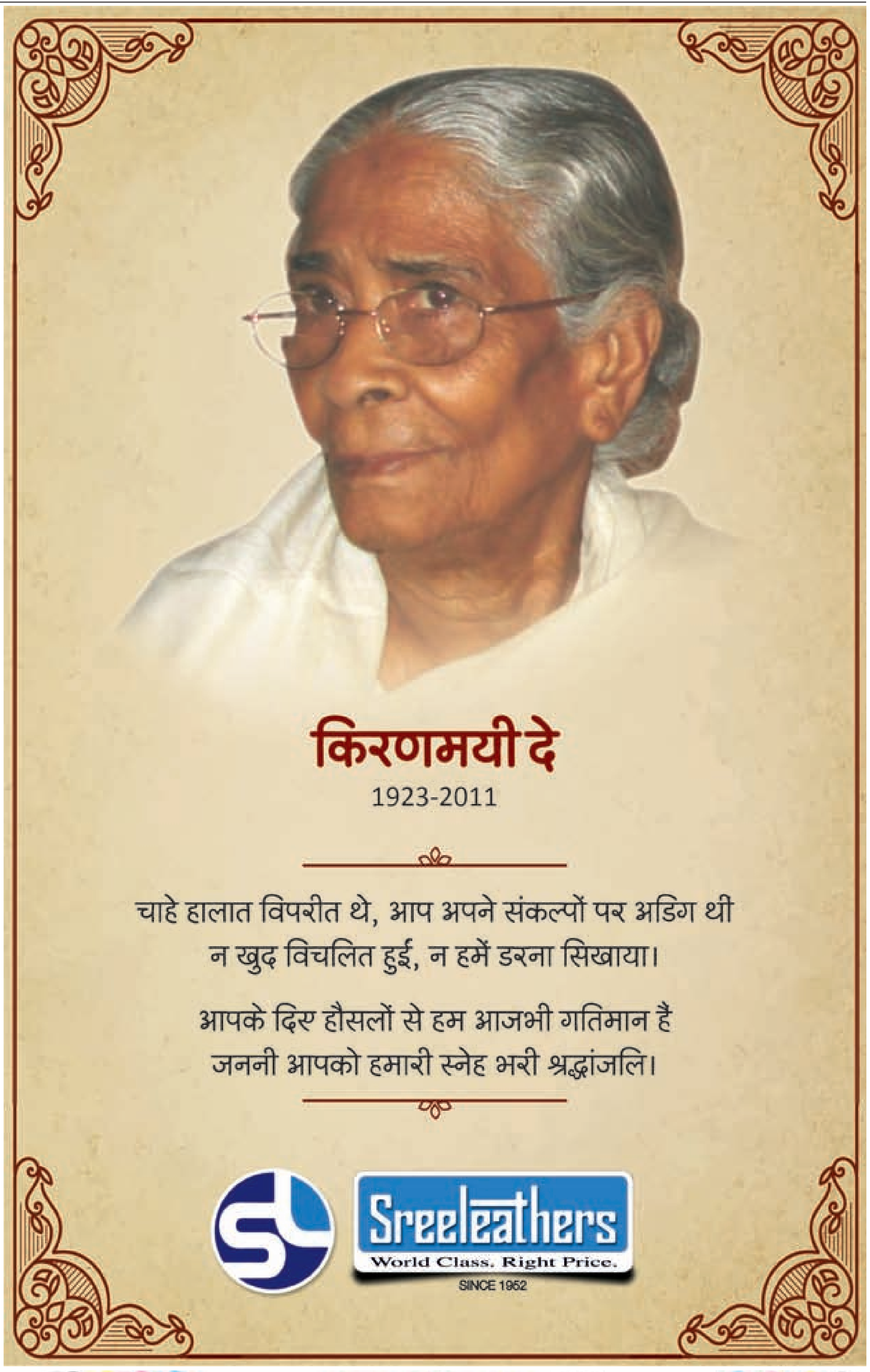

मोदी के भाषण में छा गया बिहार का लाल वैभव

पटना। बिहार में आयोजित 'खेलो इंडिया यूथ गेम्स' के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो संदेश के जरिये खिलाड़ियों और आयोजकों को बधाइ दी। उन्होंने भोजपुरी में अपने संबोधन की शुरूआत की। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने आईपीएल के सबसे छोटे (उम्र) खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की। पटना में रविवार शाम को सीएम नीतीश कुमार ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स का विधिवत उद्घाटन किया और मोदी का वीडियो संदेश लोगों को सुनाया। पीएम मोदी ने कहा कि यह मंच आपकी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को सामने लायेगा और सच्ची खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देगा।

उन्होंने क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी की तारीफ में कहा, इतनी कम उम्र में एक बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। इसका मतलब है कि जो जितना खेलेगा, वो उतना ही खिलेगा। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में बिहारी व्यंजनों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जो खिलाड़ी बिहार के बाहर से आये हैं, वे बिहार में लिट्टी-चोखा का स्वाद जरूर लें। साथ ही, वहां का मखाना भी खाना नहीं भूलें। पीएम मोदी ने कहा कि देश में खेलों के विकास के लिए इस साल के 4,000 करोड़ रुपए के बजट में से एक बड़े हिस्से का उपयोग खेलों के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए किया जा रहा है।

नक्सली व स्प्लिंटर ग्रुप के खौफ से लातेहार अशांत

खौफ में कारोबारी व कर्मचारी

विवेक राज

रांची। झारखंड के लातेहार में नक्सलियों ने अपनी खौफ की एक बार फिर दस्तक देनी शुरू कर दी है। चार दिनों के अंदर दो बड़ी वारदातों को अंजाम देकर नक्सलियों ने पुलिस के सामने खुली चुनौती दी है। नक्सली संगठन बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम देकर दहशत फैलाने की कोशिश कर रहा है। बहुत कम बार ऐसा होता था जिसमें आगजनी के दौरान नक्सलियों ने किसी व्यक्ति की हत्या की हो, पर महुआटांड़ में गुरुवार को हुए नक्सली हमले में कंस्ट्रक्शन कंपनी के मुंशी की गोली मारकर हत्या कर दी।

शनिवार की रात एक सरकारी प्रतिष्ठान के साइट पर हमला किया गया, जिसमें छह वाहनों को आग के हवाले किया गया। लातेहार में केंद्र और राज्य सरकार के बड़े-बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जिसमें बड़ी संख्या में प्राइवेट के साथ-साथ सरकारी कर्मचारी भी काम कर रहे हैं। चार दिन के भीतर दो बड़ी नक्सली वारदात की वजह से लातेहार में काम करने वाले कर्मचारी दहशत में हैं। यह चिंता की बड़ी बात है।

दोनों ग्रुप हावी होने के प्रयास में : लंबे समय बाद लातेहार में एक बार फिर से स्प्लिंटर ग्रुप और माओवादी दोनों ही हावी होने की कोशिश कर रहे हैं। गुरुवार से शनिवार तीन दिन के भीतर इन वारदातों से यह आशंका बढ़ गयी है। पिछले महीने बोकारो में आठ नक्सलियों को मार गिराने के बाद झारखंड पुलिस टॉप गेयर में चल रही थी, लेकिन लातेहार में हुई दो लगातार वारदातों ने अभियान पर सवाल उत्पन्न कर दिया है।

गत साल के अंतिम माह से बढ़ी वारदात : 2024 में भी नक्सली और स्प्लिंटर ग्रुप ने लातेहार में जमकर उत्पात मचाया गया था। तब एसपी कुमार गौरव की कार्रवाई से चार महीने तक लातेहार शांत रहा। इधर अचानक एक बार फिर दहशत कायम हो गया है। पिछले साल एक महीने में ही आगजनी और गोलाबारी की 10 घटनाएं सामने आयी थी। जांच में यह बात सामने आयी कि फायरिंग और आगजनी करने वाले उग्रवादी संगठन स्प्लिंटर ग्रुप के हैं। ये सिर्फ और सिर्फ पैसे वसूलने के लिए घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। पर इस बार लातेहार में हुई दो वारदातों में नक्सलियों के शामिल होने की बात सामने आ रही है।

नक्सलियों का उत्पात, आठ वाहन फूंके

लातेहार। नक्सलियों ने सीएमपीडीआई के साइडिंग पर हमला बोलते हुए दो ड्रिलिंग मशीन समेत 8 गाड़ियों में आग लगा दी। नक्सलियों ने शनिवार की रात जमकर उत्पात मचाया। चंदवा थाना क्षेत्र के तोरीसोत गांव के पास खनिज सर्वे करने वाली कंपनी सीएमपीडीआई के साइड पर धावा बोला और वहां खड़ी दो ड्रिलिंग मशीन समेत 8 गाड़ियों में आग लगा दी। इस दौरान फायरिंग भी की। एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर बालूमाथ डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन आरंभ कर दी है।

कल्याण मंत्री ने किया बुंडु स्थित आदिवासी कॉलेज छात्रावास का औचक निरीक्षण

आदिवासी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को प्रतिबद्ध है झारखंड सरकार : चमरा लिंडा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने बुंडु स्थित आदिवासी कॉलेज छात्रावास का रविवार को औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वहां की मूलभूत सुविधाओं, प्रबंधन व्यवस्था और विद्यार्थियों की स्थिति का गहराई से मूल्यांकन किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री चमरा ने छात्रावास में रह रहे छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और सुझावों को गंभीरता से सुना। छात्रों ने भोजन, पढ़ाई, स्वास्थ्य और सफाई व्यवस्था से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें सामने रखीं, जिन पर मंत्री ने त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर तमाड़ विधायक विकास मुंडा, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, प्रबंधन समिति के सदस्य और कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सभी आदिवासी छात्रावास में हो समुचित व्यवस्था : श्री लिंडा ने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी इस राज्य का भविष्य हैं। हमारी सरकार आपकी शिक्षा, सुरक्षा और सुविधा के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। मेरी प्राथमिकता है कि सभी छात्रावास में समुचित खानपान, पढ़ाई, पुस्तकालय, स्वच्छता और देखरेख की व्यवस्था सुनिश्चित हो।

आदिवासी छात्रावास को जल्द मिलेगा कुक, लाइब्रेरियन, वार्डन और सफाईकर्मी : मंत्री ने कहा कि जल्द ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से विशेष बैठक कर आदिवासी छात्रावासों की स्थिति में व्यापक सुधार के लिए योजनाओं पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आने वाले समय में राज्य के हर आदिवासी छात्रावास में कुक, लाइब्रेरियन, वार्डन और सफाईकर्मी की स्थायी नियुक्ति की जाएगी। बच्चों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण भोजन भी उपलब्ध कराया जाएगा।

संघर्ष की प्रेरणादायक बातों से छात्रों को किया उत्साहित

कल्याण मंत्री ने अपने संघर्षों की कहानी साझा करते हुए छात्रों से कहा कि मैं भी आप लोगों की तरह एक साधारण आदिवासी परिवार से आया हूं। जो कुछ भी आज हासिल किया है, वह माता-पिता के त्याग और अपनी मेहनत का परिणाम है। आप सबको आगे बढ़ने के लिए सिर्फ अवसर चाहिये और वह अवसर सरकार उपलब्ध करा रही है। अब बारी आपकी है, कि आप मेहनत से अपने और अपने समाज का भविष्य संवारें।

भवन निर्माण में अनियमितता पर सख्ती : निरीक्षण के दौरान श्री लिंडा ने छात्रावास के नए भवन निर्माण कार्य में पाई जा रही अनियमितताओं पर नाराजगी जताई। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्य की गुणवत्ता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कोयला एवं खान राज्यमंत्री ने सीसीएल की समीक्षा की

सीसीएल को निर्धारित समय सीमा में परियोजनाओं को पूरा करने के निर्देश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रविवार को सीसीएल की समीक्षा की। इस बैठक में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान मंत्री ने गत वित्तीय वर्ष के प्रदर्शन की गहन समीक्षा की। उन्होंने कंपनी की उपलब्धियों, उत्पादन, सुरक्षा मानकों और गतिविधियों का विश्लेषण किया। वर्तमान वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना और भविष्य की रणनीतिक पहलों का भी निरीक्षण किया।

मंत्री ने कंपनी को ऊर्जा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सीसीएल और सीएमपीडीआई जैसे सार्वजनिक उपक्रमों की भूमिका भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में सशक्त बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

बैठक में सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह, निदेशक (वित्त) पवन कुमार मिश्रा, निदेशक (मानव संसाधन) हर्षनाथ मिश्र, निदेशक (तकनीकी-संचालन) चंद्र शेखर तिवारी, निदेशक (परियोजना एवं योजना) शंकर नागाचारी भी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान श्री दुबे ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजनाओं को पूर्ण करें। तकनीकी नवाचारों को अपनाएं। स्थायी एवं पर्यावरणीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता दें। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि गुणवत्ता, सुरक्षा और पारदर्शिता के साथ-साथ राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा एवं प्रगति को सुनिश्चित करना है।

मनरेगा में बिना कार्य निर्गत नहीं किया जायेगा मस्टर रोल

रांची। मनरेगा आयुक्त मृत्यूजंय कुमार बरनवाल ने जिला व प्रखंड स्तर के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि बिना कार्य के किसी भी हाल में मस्टर रॉल जारी न हो। पहले काम प्रारंभ करा देने के बाद ही मस्टर रॉल की प्रक्रिया शुरू की जायेगी। मनरेगा आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से बन रहे आवास का विंडो सिल तक पूर्ण होने के बाद तथा अबुआ अवास योजना में प्लींथ लेबल तक कार्य होने के उपरांत उसमें मनरेगा से मस्टर रॉल प्रावधाननुसार ही निकालने को कहा है।

शपथ पत्र

मैं धृतपाल बड़ाईक पिता स्वर्गीय बीरबल बड़ाईक उम्र 70 वर्ष, ग्राम-ईचा, पोस्ट-ईचा, थाना- घाघरा, जिला-गुमला, झारखंड शपथ पूर्वक बयान करता हूं कि:- यह है कि मैं उपरोक्त पते का स्थाई निवासी हूं।यह है कि आधार कार्ड नंबर 421863233356 में मेरा नाम धृतपाल बड़ाईक, पिता स्वर्गीय बीरबल बड़ाईक दर्ज है तथा जन्म तिथि 1/1/1955 दर्ज है। जो सही है। यह है कि FUTURE GENERALI INSURANCE कंपनी में पॉलिसी नंबर 01096296, कस्टमर आई.डी. 22782889 है। जिसमें मेरा नाम GHRITAPAL BARAIK दर्ज है। जिसमें मेरा जन्म तिथि 1/1/1965 दर्ज है। जो गलत है। यह है कि GHRITAPAL BARAIK और DHRITAPAL BARAIK दोनों नाम मेरा ही है। मैं ही दोनों नाम से जाना जाता हूं।

शपथ पत्र संख्या 1565/2025

AFFIDAVIT

Series No. 23-24/U1.. 12485

I, Vidhi Jalan, W/o Kunal Jalan, Resident of 101, 1st Floor, Jalan Niwas, Harmu Road Bylane, Opp. Indian Oil Petrol Pump, Poddar Bagan, Garikhana Chowk, P.O. G.P.O., District-Ranchi (Jharkhand) - 834001 do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

(1) THAT I am a law abiding Indian Citizen by birth and residing at above mentioned address.

(2) THAT my name as mentioned in my AADHAR CARD is VIDHI JALAN.

(3) THAT my name as mentioned in my passport bearing number-W2543759 is VIDHI AGARWAL.

(4) THAT both the names i.e. VIDHI JALAN and VIDHI AGARWAL are of ONE AND SAME PERSON, namely myself.

(5) THAT the statement furnished above is true and correct to my knowledge and belief.

Ref No.119

Date. 3 MAY 2025

AFFIDAVIT

Series No. 23-24/T1.. 29797

I **APARNA KUMARI**, D/o Late Uma Shankar Prasad, Wife of Md. Arshi, Resident of House No-08, Judge Colony, Nepal House, P.O+P.S-Doranda, Dist Ranchi, Jharkhand-834002 and permanent resident of C-20, 2nd Phase, Adityapur Industrial Area, Near Jusco Substation Phase-2, P.S-Adityapur, Dist Seraikela Kharsawan, Jharkhand 832109, do here by solemnly affirm and state as follows:-

1. That I am an Indian Citizen by birth.
2. That I have performed Nikah with MD. ARSHI on dated 23-03-2021 in presence of witnesses (i) Sri Rakesh Ranjan (S.D.P.O Seraikela Kharsawan) (ii) Vandana Kumari @ Vandana Singh and after that my name became change as BAITULLA
3. That from the date of this affidavit I will be known as "BAITULLA" in place of "APARNA KUMARI"
4. That above mentioned affidavit have been sworn on for the purpose of to correct my name in my Aadhar Card bearing no 3606 3829 5421.
5. That above mentioned statements are true and binding upon me.

संविधान बचाओ रैली को ऐतिहासिक बनाने में जुटी कांग्रेस

राजधानी में जबरदस्त तैयारी, खड़गे, वेणुगोपाल और के राजू करेंगे नेतृत्व

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची में 6 मई को आयोजित होने वाली संविधान बचाओ रैली को ऐतिहासिक और जन-सैलाब से भरा बनाने के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में गठित समितियां दिन-रात तैयारी में जुटी हैं। रैली को लेकर हर स्तर पर गंभीरता और संकल्प दिख रहा है। चाहे वह राजधानी के मोहल्लों की बैठकें हों या सुदूर प्रखंडों में आमजन से सीधा संवाद। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से लेकर शहर के हर चौक-चौराहे तक, रैली को लेकर जनजागरूकता फैलाई जा रही है। जातिगत जनगणना के लिए जननायक राहुल गांधी आभार, जय बापू, जय भीम, जय संविधान, और झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए जैसे नारे वाले होर्डिंग्स पूरे रांची में लगाए जा रहे हैं, जो न सिर्फ कार्यक्रम का संदेश दे रहे हैं, बल्कि जनता को भावनात्मक रूप से जोड़ने का कार्य भी कर रहे हैं।

रैली की तैयारियों का जमीनी जायजा लेने के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं झारखंड प्रभारी डॉ बेला प्रसाद स्वयं रांची में मौजूद हैं और पल-पल की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। रविवार की सुबह 6:30 बजे ही उन्होंने पुराना विधानसभा मैदान का निरीक्षण किया। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, प्रदेश महासचिव आलोक कुमार दुबे, वरिष्ठ नेता शशिभूषण राय, हिमांशु, संजय प्रसाद और मेहुल दुबे भी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने मंच निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था, कार्यकताओं की बैठने की व्यवस्था, मीडिया एरिया, मेडिकल सहायता केंद्र समेत हर पहलू की बारीकी से समीक्षा की। रैली के बाद होटल बीएनआर में पॉलीटिकल अफेयर्स कमिटी, जिला कांग्रेस अध्यक्षों और प्रदेश कार्यकारिणी की अलग-अलग महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और झारखंड प्रभारी के। राजू की उपस्थिति तय है। वे सभी नेताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित करेंगे और आगामी रणनीति पर गहन विमर्श करेंगे।

इस बीच कांग्रेस भवन में एक और महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें जिला अध्यक्षों एवं नोडल ऑफिसरों के साथ संवाद कर यह सुनिश्चित किया गया कि राज्य के हर कोने से कार्यकताओं की भागीदारी हो। बैठक में आलोक कुमार दुबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, सूर्यकांत शुक्ला,डॉ राजेश गुप्ता,सुंदरी तिर्की, अख्तर अली, प्रभात कुमार, जितेंद्र त्रिवेदी, निरंजन पासवान, जगदीश साहू, फिरोज रिजवी मुन्ना और कामेश्वर गिरी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। तैयारी की समीक्षा के उपरांत मीडिया कर्मियों से बात करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में क्लीन चिट दिए जाने के बावजूद, अहमदाबाद अधिवेशन में देश भर से जुटे कांग्रेसजनों की हुंकार से घबरा कर प्रधानमंत्री ने ईडी के माध्यम से सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर आरोप गठित किए।

कांग्रेस पार्टी का संविधान बचाओ रैली एक नौटंकी : बाबूलाल मरांडी

तुष्टीकरण केलिये कांग्रेस ने 79बार किया संविधान में संशोधन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस के संविधान बचाओ रैली पर बड़ा निशाना साधा है। श्री मरांडी रविवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान की मयार्दाओं पर जितना प्रहार किया, वो देश के इतिहास में काले पन्ने के रूप में दर्ज है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता केलिये संविधान की मूल भावना को भी बदल दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने 60 वर्षों के शासन में 79 बार संविधान में संशोधन किये। कांग्रेस ने संविधान को तुष्टीकरण का घोषणापत्र बना दिया। उन्होंने कहा कि प्रथम संविधान संशोधन अभिव्यक्ति की आजादी पर पहला प्रहार पंडित नेहरू ने किया। संविधान लागू करने के कुछ ही समय बाद नेहरू द्वारा इसमें संशोधन दिखता है की नेहरू सविंधान की कितनी इज्जत किया करते थे।

उन्होंने कहा कि चुनी हुई राज्य सरकारों को गिराना कांग्रेस की फितरत रही है। गैर.कांग्रेसी सरकारों को बार-बार गिराने के लिये राष्ट्रपति शासन का दुरुपयोग किया गया। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करने का यह गंभीर उदाहरण था। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में हस्तक्षेप करते हुए इंदिरा गांधी ने 25 अप्रैल 1973 को तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों को दरकिनार कर एएन रे को सीजेआई नियुक्त किया। उन्होंने कहा कि 42वां संविधान संशोधन इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल के दौरान पारित यह संशोधन इतना व्यापक था कि इसे मिनी संविधान कहा गया।यह न्यायपालिका, संसद और मूल अधिकारों को कमजोर करने की साज़िश थी। कांग्रेस सरकार ने आपातकाल के दौरान समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और राष्ट्रीय अखंडता जैसे शब्द जोड़े।यह कार्य बिना आम सहमति या जनमत के किया गया और इसे मुस्लिम तुष्टिकरण से प्रेरित माना गया। आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला दिन माना जाता है। इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, मनमोहन सिंह के समय तो किचन कैबिनेट सोनिया गांधी के घर में शिफ्ट हो गया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मुस्लिम महिला को गुजारा भत्ता देने का फैसला दिया गया।राजीव गांधी सरकार ने एक विशेष कानून बना कर यह फैसला पलट दिया।यह संविधान के अनुच्छेद 14 ;समानता का अधिकार का खुला उल्लंघन था। उन्होंने कहा कि संसद की गरिमा का अपमान द्द राहुल गांधी द्वारा कैबिनेट पेपर फाड़ना संवैधानिक संस्थाओं का बड़ा अपमान है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व के नेताओं द्वारा खुलेआम ऐसे बयान दिये गये, जिनमें शरीयत को संविधान से ऊपर बताया गया। संविधान की सर्वोच्चता पर सीधा प्रश्न खड़ा हुआ। वक़्फ कानून पर हो रहे हिंसक विरोध और कांग्रेस को इसका समर्थन इसका सीधा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने कृत्यों केलिये जनता से माफी मांगे। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज एवं योगेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित थे।

पाकिस्तानियों भारत छोड़ो नारे के साथ भाजपा का प्रदर्शन आज

रांची। भाजपा ने कहा है कि पहलगाम आतंकी घटना के बाद केंद्र सरकार पीएम के नेतृत्व में लगातार पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठा रही है। देश की जनता प्रधानमंत्री के साथ आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में एकजुट होकर खड़ी है। भारत सरकार ने आतंकवाद का पोषक पाकिस्तान को सबक सिखाने केलिये अनेक कठोर निर्णय लिये हैं। इसी क्रम में गृह मंत्रालय भारत सरकार ने विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 3,1 के तहत प्रदत शक्तियों का उपयोग करते हुये वीजा को निलंबित किया है। भाजपा भारत सरकार के समर्थन में पाकिस्तानियों भारत छोड़ो आंदोलन के तहत सभी जिलों में प्रदर्शन करते हुये जिला में डीसी को ज्ञापन सौंपेगी।

संविधान को चुहें जैसा कुतर रहें है मोदी : बंधु

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। वक्फ अमेंडमेंट एक्ट के खिलाफ रविवार को विरोध सभा का आयोजन झारखंड मुस्लिम युवा मंच एवं मुस्लिम समाजिक संगठनों के द्वारा किया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि जिन लोगों का देश की आजादी और संविधान के निर्माण में कोई भूमिका नहीं है। वो सत्ता का दुरुपयोग कर संविधान को चूहें की तरह कुतर रहें है। अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष ज्योति सिंह माथरू ने कहा कि वक्फ की जमीन अल्लाह की है जिसे किसी भी रूप छीनने नही दिया जा सकता। अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि मोदी सरकार बहुमत का दुरुपयोग कर काला कानून बनाया है। आमया संगठन के अध्यक्ष एस अली ने कहा भारत में हर समुदाय और संस्थाओं को अपने धार्मिक मान्यता के अनुसार सम्पत्तियों का प्रबंध करने का अधिकार है। सभा की अध्यक्षता शाहिद अय्यूबी ने किया। सभा को राजद नेता कैलाश यादव, डां मजीद आलम, अधिवक्ता ए. आल्लाम, ए के राशीदी, भुनेश्वर केवट, प्रवीर पीटर, कांग्रेस नेता मंजूर अंसारी, खालीद खलील, दरगाह कमिटि के अध्यक्ष अयूब गद्दी, मौलान तलहा, अकील्लुर रहमान, जेएमएम नेता फरीद खान, कांग्रेस नेता हुसैन खान,मौलान आबिद, अधिवक्ता अजहर खान, जुल्फिकार अली भुप्तो, मो रिजवान , पप्पू गद्दी, , सदाब खान, सैफ गद्दी, अनीस गद्दी आदि ने भी सम्बोधित किया।

संविधान बचाओ रैली में जातिगत जनगणना की सच्चाई बतायेगी कांग्रेस

रांची। राजधानी में 6 मई को प्रदेश कांग्रेस की ओर से संविधान बचाओ रैली आयोजित की जा रही है। इसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे सहित अन्य लीडर भी शामिल होंगे। इसके लिए पुराना विधानसभा स्थित ग्राउंड में तैयारी जारी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के मुताबिक, रैली के दौरान कांग्रेस जातिगत जनगणना की सच्चाई से कांग्रेस कार्यकताओं को अवगत करायेगी ताकि आम लोगों तक पूरा सच सामने आ सके। जातिगत जनगणना की मांग का मोदी सरकार लंबे समय से मजाक उड़ाती रही और इसके विरोध में बातें करती थी लेकिन कांग्रेस के निरंतर दबाव और राहुल गांधी द्वारा मुखर होकर जातिगत जनगणना को सामाजिक न्याय के लिए आवश्यक बताकर लगातार संघर्ष करने के कारण केंद्र सरकार इस मांग को मानने को बाध्य हो गई और जातिगत जनगणना करने की घोषणा की। इन मांगों में प्रमुख रूप से संविधान के अनुच्छेद 15 (5) को तत्काल लागू करना शामिल है ताकि दलित, आदिवासी, ओबीसी समुदाय को निजी शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण मिल सके। जातिगत जनगणना में देरी नहीं होनी चाहिए। श्री कमलेश ने कहा कि संविधान बचाओ रैली में जातिगत जनगणना के संदर्भ में इन मुद्दों को जोरदार ढंग से उठाया जाएगा। खासकर अनुच्छेद 15 (5) के अविलंब क्रियान्वयन की मांग को लेकर रैली में आने वाले लोगों को भाजपा के बहुजन विरोधी सोच जातिगत जनगणना के विरोध और सामाजिक न्याय को दबाने के प्रयासों को विस्तार से बताया जाएगा ताकि पंचायत स्तर तक के ग्रामीणों तक यह बात पहुंचे कि किस तरह भाजपा उनके संवैधानिक अधिकारों को लगातार कुचल रही है।

कोयला मंत्री ने की सीएमपीडीआई के परफॉर्मेंस की समीक्षा

रांची। कोयला एवं खान राज्यमंत्री सतीश चंद्र दुबे ने रविवार को रांची में सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इन्स्टीच्यूट (सीएमपीडीआई) के प्रदर्शन (परफॉर्मेंस) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार, निदेशक (तकनीक/सीआरडी) शंकर नागाचारी, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी/आरडीएंडटी) अजय कुमार, महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण तथा संस्थान के वरीय अधिकारी भी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान वर्ष 2024-25 के दौरान गवेषण, रिपोर्ट की तैयारी, पूंजीगत व्यय, अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं, सौर परियोजनाएं, सीएसआर पहल जैसे संचालित विभिन्न क्षेत्रों में सीएमपीडीआई के प्रदर्शन (परफॉर्मेंस) के साथ-साथ वर्ष 2025-26 के लक्ष्य भी प्रस्तुत किए गए। इस मौके पर मंत्री श्री दुबे ने सीएमपीडीआई के प्रदर्शन (परफॉर्मेंस) की सराहना की और कोयला धुलाई में नई प्रौद्योगिकियों की शुरूआत करने, महत्वपूर्ण खनिजों की खोज व कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के महत्व पर बल दिया।

वैश्य मोर्चा का प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन 14 मई से

वैश्य मोर्चा की केंद्रीय समिति की बैठक आयोजित, आरक्षण बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन तेज करने का निर्णय

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की केंद्रीय समिति की बैठक रविवार को रेडियम रोड़ स्थित आलोका सभागार मेंआयोजित की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु एवं संचालन उप-प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता ने किया। यह बैठक राजभवन के समक्ष हुए वैश्य अधिकार महाधरना की समीक्षा, आगामी कार्यक्रमों की तैयारी, रणनीति, सांगठनिक सुदृढ़ीकरण एवं सदस्यता अभियान के मुद्दे पर रखी गयी थी। बैठक में महाधरना की समीक्षा करते हुए कहा गया कि लोकतंत्र में धरना-प्रदर्शन जनविरोध का एक तरीका है और सरकार को इसका आदर करते हुए मांगों पर विचार करना चाहिए,फिर भी सत्ता में बैठे लोग अगर चुप्पी साध जाते हैं तो यह लोकतंत्र के समाप्ति का प्रतीक है। लेकिन वैश्य मोर्चा हार मानने वाली नहीं है। ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण, वैश्य आयोग का गठन, जाति आधारित जनगणना, छोटे दुकानदारों के 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, वैश्य समाज की लूटी गयी जमीन वापसी, वैश्यों पर हो रहे अत्याचार आदि मुद्दों को लेकर आंदोलन जारी रखा जायेगा।

बैठक में तय किया गया कि पांचों प्रमंडल में फिर कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित करके अपनी मांगों को उठाया जायेगा। इसकी शुरूआत 14 मई को उत्तरी छोटानागपुर के रामगढ़ में सम्मेलन करके किया जायेगा। जबकि 19 मई को देवघर में तथा 25 मई को रांची में प्रमंडलीय सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। वहीं बैठक में ही केंद्रीय पदाधिकारियों को रसीद का वितरण किया गया और अपने-अपने क्षेत्र में सदस्यता अभियान जारी रखने का निर्णय लिया गया. साथ ही दुलमी के नंदकिशोर भगत को केंद्रीय समिति का सदस्य बनाया गया। इस बैठक में दो प्रस्ताव भी पारित किए गए. पहले प्रस्ताव में केन्द्र सरकार द्वारा जाति आधारित जनगणना कराने के निर्णय का स्वागत किया गया और यथाशीघ्र शुरू करने की मांग की गई। जबकि दूसरे प्रस्ताव में कहा गया कि बिहार सहित कई राज्यों में पिछड़ा वर्ग मंत्रालय है, इसलिए झारखंड में भी पिछड़ा वर्ग विकास मंत्रालय का गठन किया जाए और उसके लिए अलग से बजट का प्रावधान किया जाये।

इस बैठक में मुख्य रूप से कार्यकारी अध्यक्ष रेखा मंडल (धनबाद), हीरानाथ साहु (कांके), मोहन साव (गोमिया), वरीय उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार साहु, सुरेश साहु अधिवक्ता रामसेवक प्रसाद, केंद्रीय उपाध्यक्ष अधिवक्ता सहदेव चौधरी, लक्ष्मण साहु, उप-प्रधान महासचिव अशोक गुप्ता, केंद्रीय महासचिव दिलीप प्रसाद, कपिल प्रसाद साहु, रामाशंकर राजन, संगठन महासचिव कृष्णा प्रसाद साहु, अनिल वैश्य, जगदीश साहु, केंद्रीय सचिव गुड्डु साहा, केंद्रीय संगठन सचिव लखन अग्रवाल, राजेन्द्र साहु, आर.डी. साहु, केंद्रीय सदस्य नरेश साहु, विजय प्रसाद, महिला मोर्चा की अध्यक्ष रेणू देवी, कार्यकारी अध्यक्ष दीपारानी कुंज, युवा मोर्चा के अध्यक्ष हलधर साहु, सचिव आदित्य पोद्दार आदि उपस्थित थे।

सिरमटोली फ्लाई ओवर लोड की पूरी जांच के बाद वाहनों को चलने की मिलेगी अनुमति

- इस माह के अंत तक फ्लाई ओवर का काम पूरा होने की संभावना

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सिरमटोली-मेकॉन फ्लाई ओवर का काम अंतिम चरण में है। अगले 15-20 दिनों में इसे चालू करने की उम्मीद है, लेकिन इससे पहले इस फ्लाईओवर का पूरा लोड टेस्ट होगा। वाहनों का कितना भार यह फ्लाईओवर सह सकता है इसे जांचा-परखा जायेगा। पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत काम कर रही एलएंडटी कंपनी ने रेलवे से इस संबंध में ब्लॉक भी मांगा है।

सूत्रों के अनुसार रेलवे ने लोड टेस्टिंग के लिए अपनी अनुमति भी प्रदान कर दी है। ऐसे में जल्द ही फ्लाई ओवर का लोड टेस्ट होगा।

इंजीनियरों ने बताया कि इस केबल स्टैंड फ्लाईओवर के बन जाने के बाद यह राज्य का पहला सबसे बेहतरीन फ्लाईओवर होगा जो कई दृष्टि में अनोखा भी होगा। इंजीनियरों ने बताया कि लोड की जांच लगातार होती रहेगी, पुल के चालू हो जाने के बाद भी यह काम चलता रहेगा।

फ्लाई ओवर पर दिखेगी बेहतरीन लाइटिंग

सिरमटोली फ्लाई ओवर में सुरक्षा की भी पूरी व्यवस्था होगी। आकर्षक लाइटिंग, साज-सज्जा व स्थानीय महत्व से जुड़ी चित्रकारी भी होगी। कांटाटोली फ्लाई ओवर में जिस तरह से फुलों के गमले उखाड़ कर कुछ लोगों द्वारा ले जाया गया, उस तरह की घटना दोबारा न हो इसे ध्यान में रखते हुए सिरमटोली में गमला को फिक्स रखने या अन्य कोई ठोस व्यवस्था की जायेगी जिससे गमले की चोरी न हो।

श्रीलेदर्स ने रांची के लालपुर में खोला अपना नया शोरूम

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। फुटवियर ब्रांड श्रीलेदर्स ने रविवार को रांची के लालपुर में अपना नया शोरूम खोला। प्लाजा सिनेमा के सामने एचबी रोड पर स्थित यह नया आउटलेट श्रीलेदर्स की गुणवत्ता और आराम के प्रति प्रतिबद्धता को लोगों के और करीब लायेगा।

इस अवसर पर श्रीलेदर्स के पार्टनर शेखर डे ने कहा कि नये शोरूम में प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विश्वस्तरीय फुटवियर, चमड़े के सामान, स्पोर्ट्स शूज और एक्टिव वियर की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जा रही है। श्रीलेदर्स की नवीनतम एसएल प्रीमियम श्रेणी को ग्राहकों से सकारात्मक समीक्षा मिली है। स्वतंत्रता सेनानी स्व. सुरेश चंद्र डे द्वारा 1952 में स्थापित श्रीलेदर्स ने किफायती कीमतों पर आरामदायक और स्टाइलिश फुटवियर उपलब्ध कराने के लिये प्रतिष्ठा बनाई है। 73 वर्षों की विरासत के साथ ब्रांड ने फुटवियर और चमड़े के सामान में एक वफादार ग्राहक आधार और महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी अर्जित की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हम अपने फ्रैंचाइजी को उत्पाद वितरित करने से पहले गुणवत्ता और ग्राहक स्वीकार्यता को प्राथमिकता देते हैं।

इस अवसर पर श्रीलेदर्स के पार्टनर शेखर डे, रॉकी डे, सौरभ विश्वास, नये शोरूम के संचालक निर्मल्या रॉय व संचित राजगढ़िया, अभिनेत्री स्टेफी पटेल और मिस यूनिवर्स झारखंड 2025 का खिताब अपने नाम करने वाली रिया तिर्की भी उपस्थित थीं।

इंदौर की तर्ज पर अब झारखंड में भी उठी चित्रगुप्त चौराहे की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इंदौर की तर्ज पर अब झारखंड में भी चित्रगुप्त चौराहा बनाने की मांग उठने लगी है। इसे लेकर चित्रांश बंधुओं ने बैठक की। इसकी अध्यक्षता डॉ एके लाल ने की। बैठक में कहा गया कि इंदौर की तरह रांची में भी चित्रगुप्त चौराहा बनना चाहिये। कायस्थों द्वारा लम्बे समय से झारखंड में चित्रगुप्त चौराहा के निर्माण की मांग की जा रही है। कहा कि इंदौर में चौराहा की तरह रांची में भी इसी तरह का चौराहा बनाया जाये। मौके पर जुटे केकेवीएम के पदाधिकारियों एवं अन्य चित्रांश बंधुओं के समक्ष डॉ लाल ने उक्त चौराहा का प्रस्ताव रखा, जिसे उपस्थित तमाम सदस्यों ने स्वीकृति प्रदान की एवं एके लाल को अगुवाई करने पर अपनी सहमति जतायी।

वक्फ सुधार से गरीब मुसलमानों को मिलेगा उनका हक : सीपी सिंह

- भाजपा रांची महानगर ने की वक्फ सुधार जन जागरण अभियान जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रविवार को भाजपा रांची महानगर ने वक्फ सुधार के मुद्दे पर लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिये कार्यशाला आयोजित की। यह कार्यशाला रातू रोड स्थित महानगर कार्यालय में आयोजित की गयी थी।

इस अवसर पर विधायक सीपी सिंह ने कहा कि वक्फ की संपत्ति पर सिर्फ गिने-चुने लोगों और धर्म की राजनीति करने वालों लोगों का ही अधिकार नहीं है। वक्फ सुधार कानून 2025 से यह सुनिश्चित होगा कि उसकी संपत्तियों पर गरीब मुसलमानों को भी अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी मुसलमान समाज को दिग्भ्रमित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन कानून प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीब मुसलमानों के हित के लिये बनाया गया है। इस अवसर पर कमाल खान ने कहा कि आजादी के समय से ही कांग्रेस ने मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया। भाजपा सरकार ने जब भी मुस्लिम समाज की भलाई के लिये कदम आगे बढ़ाये, कांग्रेस ने भ्रमजाल फैलाकर मुस्लिम समुदाय को तोड़ने का प्रयास किया। महानगर के अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य वक्फ में किये गये संशोधन से गरीब मुसलमानों को क्या लाभ मिलेगा, इसके लिए समाज में जाकर उनको जागरूक करने की आवश्यकता है। मंच संचालन ग्रामीण जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज ने किया।

कार्यशाला में मुख्य रूप से आरती कुजूर, मो. अनवर हयात, मो. सोना खान, मो. काजिम कुरैशी, गंगोत्री कुजूर, जीतू चरण राम, राम कुमार पाहन, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, राजू सिंह, अनीता वर्मा, विनय सिंह, विकास रवि, बीणा मिश्रा, सोनू सिंह, आलमगीर अंसारी, मो. इमरान खान आदि उपस्थित थे।

खबर एक नजर में

नवनिर्मित भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 7 से

रांची। श्री श्री मां काली मंदिर एवं शिव मंदिर समिति ट्रस्ट साउथ रेलवे कॉलोनी चुटिया के प्रांगण में श्री शनिदेव महाराज के नव-निर्मित भव्य मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम की शुरुआत बुधवार को कलश यात्रा के साथ होगी और समापन शनिवार को होगा। यह जानकारी रविवार को संरक्षक रोशन सिंह, अध्यक्ष राम सिंह, सचिव उज्जवल आनंद, कोषाध्यक्ष अमित गुप्ता एवं मीडिया प्रभारी अनीश कुमार ने दी।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ 8 से

रांची। बरियातू हाउसिंग कॉलोनी स्थित गुलमोहर पार्क के निकट (सीताराम महावीर मंदिर के पीछे) श्री नारायण ज्योति सेवा ट्रस्ट के संस्थापक आचार्य राधेश्याम बाबा के सानिध्य में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ का आयोजन आठ से 14 मई तक किया जाएगा। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्रीमान निर्माण महा दास द्वारा श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान का रसपान कराया जाएगा। 8 मई से प्रारंभ होने वाले श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ में शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक भक्तगण भागवत कथा ज्ञान की गंगा में गोते लगाएंगे। ज्ञान महायज्ञ के पहले दिन (गुरुवार) आठ मई को सुबह आठ से ग्यारह बजे तक भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। ये जानकारी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान महायज्ञ आयोजन समिति के संरक्षक व जाने-माने समाजसेवी सुधीर सहाय ने दी।

विलेखों के निबंधन में निबंधक व जांच लिपिक के पूरे नाम का हस्ताक्षर जरूरी

रांची। राजस्व, निबंधन, भूमि सुधार विभाग ने अब निबंधन के सारे विलखों में निबंधन पदाधिकारियों व जांच लिपिक के पूरे नाम के साथ हस्ताक्षर करना अनिवार्य कर दिया है। अगर ऐसा अब अधिकारी नहीं करेंगे तो उनके उपर अनुशासनिक कार्रवाई की भी चेतावनी दी गयी है। जिला अवर निबंधक, अवर निबंधक को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि निबंधन के क्रम में जहां भी हस्ताक्षर करें अपरा पुरा नाम हाथ से अथवा रबड़ स्टांप के माध्यम से अंकित करना सुनिश्ति करें। दरअसल, विभाग की समीक्षा में कई यह बात सामने आयी है और कई जिलों चतरा, देवघर, दुमका, गोड्डा, कोडरमा इत्यादि में निबंधक या जांच लिपिक अपना पुरा नाम अंकित नहीं करते। इससे कई बार जांच में परेशानी होती। इस संबंध में विभागीय सचिव ने भी पहले यह स्पष्ट निर्देश दिया है कि अब आदेश का अनुपालन नहीं किया गयातो आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

प्रकृति पूजा से ही धरती पर संतुलन एवं खुशहाली संभव : शिवा कच्छप

रांची। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति सह हेसल सरना समिति के संयुक्त तत्वावधान में सत्यरी सरना स्थल पिस्का मोड़ में रविवार को सरना प्रार्थना सभा सह सरना सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अनादि प्रार्थना से हुई। केंद्रीय सरना संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष शिवा कच्छप ने कहा कि सरना धर्म प्रकृति पर आधारित विश्व का सबसे पुराना धर्म है। मुख्य अतिथि कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा ने कहा कि आदिवासी ही प्राकृति के रक्षक है, संस्कृति ही आदिवासीयो की पहचान है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से सती तिर्की, अनिता उरांव, जितू उरांव, शोभा तिर्की, प्रमिला उरांव, बिक्की तिर्की, नुरी तिर्की, रीता खलखो , सिटीआ उरांव, सुनिता कुजूर, पिंकी कुजूर, वृद्धि कुजूर इत्यादि का योगदान रहा।

पूर्व सांसद आनंद मोहन का रांची एयरपोर्ट पर लोगों ने किया स्वागत

स्व. वेद प्रकाश की पत्नी से मिलकर बंधाया ढाढस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। शेरे बिहार और शिवहर के पूर्व सांसद आनंद मोहन रविवार की सुबह रांची पहुंचे। इस दौरान एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया गया। यहां से वह धुर्वा गए, जहां स्व. वेद प्रकाश की पत्नी से मिले। उन्हें ढाढस बंधाया और कहा कि वह वेद की कुर्बानी को जाया नहीं जाने देंगे। आरोपियों को सजा मिलेगी। मौके पर गोपाल शरण सिंह, दया पांडेय, वकील सिंह, बीके सिंह, संजीव सिंह, बसंत कुमार सिंह, तरुण तिवारी, गौरव सिंह और प्रमोद कुमार सिंह उपस्थित थे। वेद प्रकाश की पत्नी से मिलने के बाद वह सीधे जमशेदपुर चले गए, जहां करणी सेना के अध्यक्ष विनय सिंह की हत्या कर दी गई है। वह जमशेदपुर जाकर उनके परिजन से मिले और उन्हें ढाढस बंधाया। सोमवार की सुबह वह दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

डॉ. कुमकुम विद्यार्थी के घर में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

- शॉट सर्किट से आग लगने की आशंका
- फायर बिग्रेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी के बरियातु रोड पर स्थित रामेश्वर कॉलोनी में कुमकुम हॉस्पिटल के मालिक,डॉ.कुमकुम विद्यार्थी के निवास पर रविवार की देर शाम अचानक आग लग गई। घटना करीब साढ़े आठ बजे के आसपास की है। घर में आग लगने की जानकारी आसपास के लोगों के द्वारा फौरन ही बरियातु थाना की पुलिस व अग्निशामक विभाग को दी गई। वहीं आग की लपटें पहले तल्ले से उठती देखकर आसपास के लोगों में भय का माहौल बन गया था। आग लगने की सूचना मिलने फायर ब्रिगेड की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची। घंटो कड़ी मशक्कत के बाद फायर बिग्रेड के कर्मियों द्वारा आग पर काबू पाया गया। इस घटना में घर में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया है।

इस मामले में बरियातु थाना के इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि घर के पहले तल्लें में आग लगी थी। शॉट सर्किट से आग लगने की आशंका जतायी जा रही है। घटना के दौरान घर डां राज व अन्य लोग मौजूद थे। इस अगलगी में लाखों का नुकसान होने की संभावना है।

नशा खुरानी गिरोह का शिकार बना बस में सवार व्यक्ति

रांची। नशाखुरानी गिरोह ने बस में यात्रा कर रहे एक 40 वर्षीय व्यक्ति को अपना शिकार बनाया है। रविवार को पटना से रांची आ रही यात्री बस जब कांटाटोली बस स्टैंड पहुंची तो बस में सवार एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिला। इसकी जानकारी बस के चालक द्वारा लोअर बाजार थाना की पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस के द्वारा व्यक्ति को इलाज के लिये सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। इस मामले में लोअर बाजार इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी दयानंद प्रसाद ने बताया कि पीड़ित व्यक्ति का नाम टिंकू है, जिसकी उम्र करीब 40 वर्ष है। पीड़ित मूल रूप से पटना का रहनेवाला है। पीड़ित व्यक्ति अर्द्धबेहोशी की हालत में है। इस कारण पुलिस पूछताछ नहीं कर सकी है।

झारखंड क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के बीसी का प्रशिक्षण शिविर आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रामकृष्ण मिशन के दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र में झारखंड क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के बिजनेस कॉरेस्पांडेंट का तीन दिवसीय तीसरे बैच का आवासीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण नाबार्ड, झारखंड ग्रामीण बैंक और एनएबीसीओएनएस के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। रविवार को झारखंड क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के एजीएम संजय कुमार और मुख्य प्रबंधक राजीव कुमार शामिल हुये। राजीव कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों के सवालों का जवाब देते हुये बताया कि ग्रामीण बैंक बीसी को अपना सहयोगी बना रही है। उन्होंने कहा कि बैंकिंग सेवाओं में निरंतर सुधार कर रही है। उन्होंने बताया कि बैंक जल्द ही एक नया सॉफ्टवेयर और मिनी एटीएम ला रही है, जिससे बीसी त्वरित गति से काम कर पायेंगे।

वहीं, संजय ने बताया कि झारखंड क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के वर्तमान में 800 बीसी को यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। एक बैच में 40 बीसी प्रशिक्षण लेंगे और पूरे झारखंड में 20 बैचों में सभी को प्रशिक्षित किया जाएगा।

प्रशिक्षक डॉ रमन वल्लभ ने सरल भाषा और उदाहरणों के माध्यम से सभी संबंधित विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। साख फाउंडेशन के सचिव मनोज सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामनायें दी।

श्री श्री पंचदेव मंदिर प्रांगण बड़ागाई में सामूहिक विवाह कार्यक्रम आज

रांची। हनुमान क्लब बड़ागांई के तत्वावधान में श्री श्री पंचदेव मंदिर बड़ागांई के प्रांगण में आज 13 जोड़ों का सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। सभी जोड़े अत्यंत ही गरीब परिवार के हैं, जिनका परिवार स्वयं विवाह करने में समर्थ नहीं थे। सभी 13 जोड़ों की बारात 9 बजे मंदिर प्रांगण से निकलकर ग्राम भ्रमण करेगी।

फीस वृद्धि पर सरकार के रोक के आदेश को ठेंगा बता रहे प्राइवेट स्कूल : अजय राय

- निजी स्कूलों में बेतहाशा और मनमानी फीस वृद्धि पर पेरेंट्स एसोसिएशन ने लगाया आरोप

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने राज्य के निजी स्कूलों में बेतहाशा और मनमानी फीस वृद्धि, गैर-कानूनी री-एडमिशन चार्ज और वार्षिक शुल्क को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि शिक्षा का व्यवसायीकरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि जब तक सभी मामलों पर स्पष्ट और पारदर्शी निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक सभी प्रकार की अतिरिक्त और अवैध फीस वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाये। श्री राय ने कहा कि झारखंड के शिक्षा मंत्री और शिक्षा साक्षरता विभाग द्वारा पहले ही सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देशित किया जा चुका है कि झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम 2017 के अंतर्गत सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही, पीटीए (पैरेंट्स-टीचर्स एसोसिएशन) के गठन और निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता अनिवार्य की गई है। फिर भी, इस अधिनियम की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

पेरेंट्स एसोसिएशन ने दिये उदाहरण : रांची के एक प्रतिष्ठित निजी स्कूल ने सत्र 2024-25 में बिना किसी पीटीए की बैठक या अभिभावकों की सहमति के वार्षिक शुल्क में 30% की बढ़ोत्तरी कर दी। विरोध करने पर अभिभावकों को बच्चों के नाम काटने की धमकी दी गई। यह सरासर दमन और अधिकारों का हनन है। जमशेदपुर के एक स्कूल में पुराने छात्रों से 15,000 रु. री-एडमिशन चार्ज मांगा गया। यह अवैध है और संविधान प्रदत्त शिक्षा के अधिकार का भी सीधा उल्लंघन है। सबसे गंभीर चिंता यह है कि इन मुद्दों को उजागर किए और जिला प्रशासन को सूचित किए लगभग डेढ़ महीना बीत चुका है। फिर भी आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। यह सरकार की नीयत और प्रशासन की संवेदनहीनता पर बड़ा प्रश्नचिह्न है।

एसोसिएशन की मांग : राज्य सरकार सभी जिलों को स्पष्ट निर्देश जारी करे कि जब तक फीस संरचना की निष्पक्ष जांच पूरी न हो जाए, तब तक कोई भी स्कूल कोई अतिरिक्त या गैर-कानूनी शुल्क न वसूले। प्रत्येक जिले में एक निगरानी समिति का गठन हो जिसमें अभिभावकों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए। झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण अधिनियम 2017 का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जाए- मान्यता रद्द करना या भारी जुर्माना लगाया जाए। पीटीए की अनिवार्यता को लागू किया जाए, और केवल उसी के निर्णयों को मान्यता दी जाए। यदि सरकार ने शीघ्र और कठोर कदम नहीं उठाए तो झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ेगा और न्यायालय की शरण लेने में भी पीछे नहीं हटेगा।

गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा का दो दिवसीय महान गुरमत समागम का समापन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा द्वारा श्री गुरु अंगद देव जी महाराज के पावन प्रकाश को लेकर आयोजित दो दिवसीय महान गुरमत समागम के दूसरे और अंतिम दीवान की शुरुआत रविवार को सुबह 11 बजे स्त्री सत्संग सभा की शीतल मुंजाल द्वारा सा धरती भई हरीआवली जिथै मेरा सतिगुरु बैठा आइ ..... शबद गायन से हुई। हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह जी ने सिमर सिमर सदा सुख पाओ.... एवं तेग बहादुर सिमरिये घर नउ निध आवै धाई सब थांइ होए सहाई.... शबद गायन कर संगत को गुरुवाणी से जोड़ा। गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेंदर सिंह ने कथावाचन कर श्री गुरु अंगद देव जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। समागम में विशेष रूप से शिरकत करने पहुंचे सिख पंथ के प्रसिद्ध कीर्तनी जत्था भाई कमलदीप सिंह जी चंबा ने दोपहर एक बजे से ढाई बजे तक आपे साजे आपे रंगे आपे नदर करे...... एवं संता कै कारज आप खलोएआ, हर कम्म करावण आया राम...... शबद गायन कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। गुरु नानक सत्संग सभा के अध्यक्ष द्वारका दास मुंजाल ने भाई कमलदीप सिंह एवं साथियों को गुरु घर का सरोपा ओढ़ाकर सम्मानित किया। सचिव अर्जुन देव मिढ़ा ने गुरमत समागम के सफल समापन पर सभी सेवादारों का आभार व्यक्त किया एवं साध संगत से इसी तरह गुरु घर से जुड़े रहने का आग्रह किया। दीवान का संचालन मनीष मिढ़ा ने किया। प्रचार प्रसार की सेवा नरेश पपनेजा ने की।

दीवान में सुंदर दास मिढ़ा, केशव दास मक्कड़, हरगोविंद सिंह, भगवान सिंह बेदी, संतोष बेदी, लेखराज अरोड़ा, भगत सिंह मिढ़ा, वेद प्रकाश मिढ़ा, अमरजीत गिरधर, मनीष मिढ़ा, चरणजीत मुंजाल, जीवन मिढ़ा, लक्ष्मण दास मिढ़ा, मनोहर लाल मिढ़ा, इंदर मिढ़ा, रमेश पपनेजा, पवनजीत सिंह, हरजीत बेदी, सुभाष मिढ़ा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्पीड न्यूज

कोलफील्ड मजदूर यूनियन की बैठक

खलारी। डकरा वीआईपी सभागार में कोलफील्ड मजदूर यूनियन उत्तरीकर्णपुरा क्षेत्र (उ.ट.व.) की बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता मुबारक अंसारी व संचालन दिवाकर साव (टुन्नु साव) ने किया। मजदूर यूनियन की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विनय सिंह मानकी एवं विशिष्ट अतिथि इस्लाम अंसारी एवं रविन्द्र बैठा शामिल थे। बैठक में सीएमयू असंगठित मजदूरों के हक अधिकारों के बारे चर्चा व कई बड़े निर्णय लिया गया। जिसमे मुख्य रूप से एक संयोजक मण्डली का गठन, अगले 60 दिनों के अन्दर स्थायी असंगठित मजदूर कमेटी की घोषणा, साथ ही ग्यारह सदस्यों का संयोजक मण्डली तैयार किया गया। जिसका अध्यक्ष मुबारक अंसारी, कार्यकरणी सक्रिय सदस्य में उपेंद्र ठाकुर,कृष्णा उरांव, सरफराज खान, सुरेंद्र चौहान, अजमुल अंसारी,मनोज यादव,दिवाकर साव(टुन्नु साव), मिथलेश चौहान,श्याम महतो और सतीश कुमार को चुना गया। मौके पर सुरेंद्र चौहान, सरफराज खान, सतीश कुमार, मुबारक अंसारी, मनोज कुमार यादव, अजमुल अंसारी, कृष्णा उरांव, नरेश गंझू, उपेन्द्र कुमार ठाकुर, मिथलेश चौहान, बिनोद सतनामी, रवींद्र बैठा, दिवाकर कुमार, कुन्दन कुमार, अख्तर खान, श्याम महतो सहित आदि लोग उपस्थित थे।

झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव 20-21 जून को

रांची। मिशन ब्लू फाउंडेशन और आईउ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में झारखंड सीएसआर कॉन्क्लेव का आयोजन 20 और 21 जून को राजधानी में किया जाएगा। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य कॉर्पोरेट, एनजीओ, सिविल सेवाओं के प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को एक साझा मंच प्रदान कर राज्य में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को और अधिक प्रभावशाली और सशक्त बनाना है। यह जानकारी कॉन्क्लेव के आयोजनकर्ता पंकज सोनी और राजीव गुप्ता ने रविवार को आयोजित संवाददाताओं से बातचीत में दी। उन्होंने बताया कि इस कॉन्क्लेव में राज्यभर में कार्यरत हजारों एनजीओ के प्रतिनिधि और 200 से अधिक से सरकारी एवं निजी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस मौके पर अमित मोदी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

अब्दुल कादिर बने इस्लामी मरकज के अध्यक्ष,मो. इसलाम सचिव

रांची। इस्लामी मरकज के सरपरस्त मोहम्मद सईद की सरपरस्ती एवं एदार-ए-शरीया झारखंड के नाजिम ए आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी की निगरानी में पुरानी कमिटी को भंग कर सर्वसम्मति से नई कमिटी का चुनाव रविवार को सम्पन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से अब्दुल कादिर रब्बानी को अध्यक्ष बनाया गया। सचिव के लिए दो नाम का प्रस्ताव मो. इसलाम एवं हाजी मो. आफताब का आया, सर्वसम्मति से मो. इसलाम सचिव चुने गए। मो. इश्तेयाक एवं मो. गुलाम उपाध्यक्ष, अकीलुर्रहमान एवं आफताब आलम सह सचिव, मौलाना डा. ताजुद्दीन रिजवी कोषाध्यक्ष एवं मौलाना मो. आबिद सह कोषाध्यक्ष सर्वसम्मति से चुने गए। बैठक का संचालन अकीलुर्रहमान ने किया।

स्व अर्जुन बैठा मेमोरियल वुडबॉल टूर्नामेंट सम्पन्न

रांची। रविवार को रांची जिला वुडबॉल संघ एवं रिलेशन के द्वारा स्थानीय जयपाल सिंह स्टेडियम में एक दिवसीय इंडिविजुअल स्व अर्जुन बैठा मेमोरियल वुडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में रांची जिला के विभिन्न क्षेत्रों से आए वुडबॉल खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी डॉ अनिल कुमार, झारखंड राज्य वुडबॉल संघ के सचिव गोविंद झा,रांची जिला वुडबॉल संघ के सचिव सह रिलेशन के निदेशक आशुतोष द्विवेदी , समाजसेवी दीपक वर्मा, रिंकू वर्मा, ने संयुक्त रूप से विजेता खिलाड़ियों को मेडल और प्रस्सती पत्र देकर सम्मानित किया।

श्री राधा- कृष्ण सेवा धाम मंदिर में हुआ 205 वाँ अन्नपूर्णा महाप्रसाद का आयोजन

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग मे श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में 205 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। वासुदेव मोदी व निर्मला मोदी परिवार के सौजन्य से आयोजित अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित दो हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महा प्रसाद का वितरण किया गया। इस महाप्रसाद में केसरिया खीर, पुड़ी, पलाव, दाल, सब्जी, आलू चिप्स आदि का वितरण किया गया। तत्पश्चात दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक भजन-कीर्तन के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों ने मनमोहक सुमधुर भजनों की अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया।

प्रकाश रजक बने कांके थाना प्रभारी

रांची। झारखण्ड की राजधानी रांची में तीन पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया हैं। एसएसपी रांची के आदेश से ये ट्रांसफर-पोस्टिंग हुई है। वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय ने बताया है कि पुलिस निरीक्षक स्तर के 3 पदाधिकारियों का तबादला कर दिया गया है। सभी को तत्काल नयी जगह पर योगदान देकर इसकी जानकारी देने के लिए कहा गया है। जिन पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है, उनके नाम सुशील कुमार, प्रकाश रजक, और रणविजय शर्मा हैं। रांची के कांके थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर सुशील कुमार को पुलिस केंद्र रांची भेज दिया गया है। तमाड़ अंचल के पुलिस निरीक्षक प्रकाश रजक को कांके का थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक बनाया गया है। वहीं पुनि रणविजय शर्मा को तमाड़ अंचल क्षेत्र का पुलिस निरीक्षक बनाया गया है।

सरहुल मिलन महोत्सव का आयोजन

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत बंता में आदिवासी, लोहरा, लोहार, कमार, करमाली, समाज द्वारा सरहुल मिलन महोत्सव का आयोजन रविवार को किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के कल्याण विभाग मंत्री चमरा लिंडा उपस्थित थे साथी साथ सिल्ली विधायक अमित कुमार महतो, तमाड विधायक विकास सिंह मुंडा आदि भी उपस्थित रहे। समाज की ओर से अतिथियों का स्वागत सोल उड़ा कर एवं फूल माला पहनकर किया गया। समाज के लोगों ने झारखंड सरकार के कल्याण मंत्री चमरा लिंडा के सामने अपनी मांगों को आदिवासी, लोहरा, लोहरा, कमार करमाली खतियान में सुधार को लेकर मांगों को रखा और कहा की हमारा समाज का उत्थान नहीं हो पा रहा है ।

मसनिया के पीपलेश्वर धाम में फूलखूंदी व झूलन के साथ संपन्न हुआ मंडा पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। सिरका पंचायत के मसनिया रामदगा स्थित पीपलेश्वर धाम में शनिवार की रात में फूलखुंदी व रविवार की सुबह में झूलन के साथ सात दिवसीय शिव मंडा पूजा का समापन हुआ। रात्रि जागरण में पुरुलिया की महिला छउ नृत्य टीम सुनीता महतो का गोराडीह के महावीर घटवार की टीम के साथ हुआ। सुनीता महतो की बालिका छउ नृत्य टीम ने अपने प्रदर्शन से सभी का मन मोह लिया। मंडा पूजा को देखने के लिए आसपास के गांव से काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व रांची जिलाध्यक्ष जैलेन्द्र कुमार व विशिष्ट अतिथि सिरका मुखिया रौशनलाल मुंडा व समाजसेवी साहेबराम महतो थे। अतिथि के रूप में केन्द्रीय मंडा पूजा समिति के संरक्षक स्वामी देवेन्द्र प्रकाश व महामंत्री उदय पासवान शामिल हुए। पूजा पुरोहित राजेन्द्र गोस्वामी व पाहन काला मुंडा, सोमरा मुंडा ने संपन्न कराया। संचालन अनुज गोस्वामी ने किया। जैलेन्द्र कुमार ने रात्रि जागरण अखाड़ा का उद्घाटन किया। पूजा में 80 भोक्ता व 90 सोखाइन शामिल हुए। जैलेन्द्र कुमार ने कहा की मंडा पूजा झारखंड खासकर बंगाल व झारखंड से सटा हुआ छोटानागपुर इलाके का प्रमुख पर्व है। इस पूजा को सदियों से आदिवासी सहित यहां का सभी समाज मिलजुलकर करता आया है। यह पूजा सामाजिक मिश्रण के बीच एकता का प्रतीक है। इस एकता को बनाए रखना है। रौशनलाल मुंडा ने कहा कि शिव मंडा पूजा हमें एकता का संदेश देता है। जिस तरह से इस पूजा को संपन्न कराने में सामूहिक भागीदारी होती है उसी तरह हमें अपने गांव के विकास के लिए भी एकजुट होना है। स्वामी देवेन्द्र प्रकाश ने बताया कि सभी मंडा पूजा समिति का एकजुट करने के अभियान में निकले है। यह सिर्फ पूजा नही झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। मंडा पूजा समिति के अध्यक्ष दिलीप महतो ने बताया कि वर्ष 2012 से मसनिया पीपलेश्वर धाम में मंडा का आयोजन हो रहा है। पीपलेश्वर धाम में भगवान शिव स्वयं प्रकट हुए थे। आयोजन को सफल बनाने में मंडा पूजा समिति के संरक्षक कामेश्वर महतो, देवेन्द्र गोस्वामी, सचिव मनीराम मुंडा, कोषाध्यक्ष बाबूराम महतो, सुनील गोस्वामी, सुभाष गोस्वामी, निरंजन महतो, रामनाथ मुंडा, जगेश्वर महतो, सेवाराम महतो, धनेश्वर महतो, सोनू बेदिया, रितेश महतो, चरकू महतो, बैकुंठ बेदिया आदि का योगदान रहा।

लूट की योजना बनकर रह गयी हर घर नल योजना

पेयजल महत्वाकांक्षी योजना के लाभ से गांव के लोग वंचित

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो के डुमरदोन में बेकार पड़ी जलमीनार।

बेड़ो। 14वें व 15 वें वित्त से ढाई लाख रुपये से बने जलमीनार और केंद्र सरकार द्वारा हर घर नल योजना बेड़ो में लूट की योजना बन कर रह गई है। विभागीय अधिकारी और संवेदक की सांठगांठ के कारण यह योजना धरातल पर यह योजना अपने उद्देश्यों को पूरा नहीं कर पाया। कहीं जलमीनार सुखी पड़ी है तो कहीं बोरिंग करके छोड़ दिया गया है तो कहीं जलमीनार बनाकर छोड़ दिया गया है। कहीं जलमीनार लगाया गया, तो उसमें पानी नहीं चढ़ता है तो कहीं कनेक्शन दे दिये गये, लेकिन आज तक पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हुई। ऐसे कई मामले हैं। जिसकी शिकायत ग्रामीणों द्वारा मिलने के बाद भी जिम्मेदार कुम्भकर्णी निद्रा में मग्न है। प्रखंड के डूमरदोन में जलमीनार बेकार पड़ी है। तुको गांव में तीन साल बाद भी टंकी सुखी पड़ी है और टोंका टोली में दो वर्ष से बोरिंग व जलमीनार तैयार है लेकिन सोलर व मशीन नहीं लग पाया है। वही लोगों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए घर-घर में कनेक्शन भी दिया गया लेकिन विडंबना यह है कि आज तक इन घरों में पानी नहीं पहुंच पाया पूछे जाने पर कई ग्रामीणों ने बताया कि डेढ़ साल से जलमीनार बनकर खड़ा है लेकिन हमारे घरों अभी तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। जिसके कारण ग्रामीणों को पेयजल के लिए भटकना पड़ता है। गांव में लोग खेत में बने कुएं से पानी ला रहे हैं वही बंद पड़े जलमीनार की शिकायत सुनकर भी सांसद,विधायक व अधिकारी कुम्भकर्णी निद्रा में मग्न है। क्योंकि सौर ऊर्जा जलमीनार के निर्माण कार्य में घपला व लूट के इस खेल में ऊपर से नीचे तक कमीशन पहुंचता है।

झखराटांड़ में 2.50 लाख नकद जेवरात और मोबाइल की चोरी

अज्ञात अपराधियों ने बीती रात घटना को दिया अंजाम

दस्तावेज भी हैं गायब पुलिस कर रही जांच

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। झखराटांड़ में शनिवार की रात अपराधियों ने विकास कुमार साहू के ग्रील गेट में लगे ताले को तोड़कर कमरे में रखे अलमारी एवं बक्से से 2.50 लाख नकद, जेवरात, आईफोन समेत चार मोबाइल सेट, उसके चार्जर और जमीन के अलावा कई जरूरी कागजात की चोरी कर ली। मामले को लेकर भुक्तभोगी की ओर से रातू थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। थानेदार आरएन सिंह ने बताया कि इसकी जांच की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। घटनास्थल का कॉल डंप भी कराया जायेगा। ताकि, गुनाहगार पकड़े जा सकें।

कैसे घटी घटना : पंचायत भवन के समीप नंदलाल साहू के पुत्र विकास कुमार की नयी बिल्डिंग बन रही है। किसी भी कमरे में दरवाजे नहीं लगे हैं। एक में पुराने घर का सामान रखा है। सिर्फ ग्रील गेट लगाया गया है। खाना खाने के बाद परिवार के सभी सदस्य सो गये। करीब 2 बजे ग्रील के ताले को सबल से तोड़ कर अपराधकर्मी अंदर घुसे और नकद, जेवरात, कागजी दस्तावेज, मोबाइल व कीमती सामान लेकर रफू-चक्कर हो गये।

सबल और सिम बरामद

अपराधकर्मियों ने ग्रील तोड़ने में प्रयुक्त लोहे का सबल, चारों मोबाइल के सिम कार्ड तथा रोल-गोल के गहने को घर से कुछ दूरी पर फेंक दिया। पुलिस ने उसे बरामद कर लिया है। इसकी जब्ती सूची भी बना ली गयी है। विकास कुमार ने बताया कि नये मकान में टाइल्स, दरवाजे व खिड़की लगाने के लिये रुपये रखे थे। जबकि, पायल, सोने का कान की बाली, मांगटीका व मंगलसूत्र उसकी मां का था।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया

ब्राह्मण समाज के पुरोधा थे भगवान परशुराम : सतीश

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। केडी नेहरू क्लब में सर्व ब्राह्मण महासभा खलारी पिपरवार के द्वारा भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया।इस जन्मोत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता सर्व ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष प्रमोद कुमार तिवारी ने किया।कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम भगवान परशुराम की विधिवत पूजा अर्चना और आरती की गई।इसके बाद उपस्थित सर्व ब्राह्मण महासभा के सभी सदस्यों ने बारी-बारी से जाकर भगवान परशुराम के चित्र पर फूल चढ़ाकर पूजा किया. कार्यक्रम के दौरान अमित मिश्रा, प्रिंसी पांडय,पीहू पांडेय,अर्श मिश्रा, अक्षित मिश्रा,विश्वजीत घोषाल,प्राची पांडेय,दिव्यानि पांडेय समेत अन्य बच्चों ने भगवान परशुराम पर आधारित गीत प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के दौरान सर्व ब्राह्मण महासभा की ओर से क्षेत्र के सभी मंदिरों में पूजा करने वाले पुजारी को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम में शामिल होने वाले सैकड़ों ब्राह्मण परिवारों के बीच भगवान परशुराम की तस्वीर भेंट की गई

परशुराम जयंती कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि भगवान परशुराम जी के बताएं मार्ग पर चलते हुए समाज के उत्थान के लिए कार्य करने की जरूरत है।सभी विधाओं से परिपूर्ण भगवान परशुराम क्रोधी के साथ-साथ पराक्रमी के रूप में भी देवताओं के बीच में जाने जाते थे।जन्मोत्सव कार्यक्रम के अवसर पर क्षेत्र के सभी ब्राह्मणों को एकजुट होने का अवसर मिला है। जितेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु के अवतार हैं जो हमेशा पुजनीय हैं।संचालन अवधेश उपाध्याय व दिनेश पांडेय उर्फ घंटू ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन विकास दुवे ने की।इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष नव कुमार बनर्जी, राजीव मिश्रा, एस एन तिवारी, अनिल कुमार कुंवर, निशा कुमारी, मिथिलेश शर्मा,आशीष कुमार तिवारी, अजय कुमार दुबे, सोनु तिवारी, मनीष तिवारी, जसवंत पांडेय, बाल्मिकी दुबे, अवधेश पाण्डेय, शंभू नाथ पांडेय, अजय शुक्ला, अभिमन्यु तिवारी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

ओरमांझी बीआरसी से जागरूकता रथ रवाना

ओरमांझी। स्कूलों से ड्राप आउट हुए बच्चों को फिर से स्कूल से जोड़ने का अभियान रुआर बैक-टू-स्कूल के तहत प्रखंड संसाधन केंद्र बीआरसी से एक जागरूकता रथ रवाना किया गया। रथ बीआरसी परिसर से राजकीय मध्य विद्यालय चकला होते हुए विभिन्न स्कूल व गांव-गांव तक जाएगी। मुख्य अतिथि बीडीओ कामेश्वर बेदिया ने रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, और कहा कई बच्चें है जिसका नामाकण स्कूल में होता है, कुछ कक्षा में पढाई करने के बाद स्कूल आना बंद कर देते हैं। उन्होंने के कहा बेहतर जीवन के लिए शिक्षा काफी महत्वपूर्ण है। बच्चों को स्कूल से जोड़ने में समाज के सभी वर्ग के लोगों की भागिदारी जरूरी है। उन्होने कहा जागरूकता रथ के माध्यम से गांव-गांव में जाकर बच्चों के माता पिता व गांव वालों को शिक्षा का महत्व बताते हुए बच्चों को स्कूल से जोड़ने का प्रयास करेंगें। वहीं कार्यक्रम पदाधिकारी बीपीओ रीना यादव ने जागरूकता रथ रवाना करने का उद्देष्य व अभियान के संबंध में जानकारी दी और कहा अभिभावकों को नामांकन के तहत अनामांकित व छीजित बच्चों का विद्यालय में नामांकन कराने के प्रति जागरूक करना है। निमित्त स्कूल आने वाले बच्चों को मिलने वाली सरकारी योजना लाभ की जानकारी भी देना व अभियान के तहत शत प्रतिशत बच्चों का स्कूलों में नामांकन सुनिश्चित कराना है। कार्यक्रम में बीडीओ, बीपीओ के अलावे, लेखापाल ज्योति कुमारी, विषय विशेषज्ञ राजेश दास, चकला विद्यालय के प्राचार्य बिमलेश कुमार मिश्रा, मुस्तफा अंसारी शिक्षक व विद्यालय के छात्रा-छात्राएं उपस्थित थें।

कोयलांचल मे झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहाना,गर्मी से मिली राहत

खलारी। कोयलांचल क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों में रविवार को हुई झमाझम बारिश और आंधी तूफान के बाद क्षेत्र का मौसम काफी सुहाना हो गया है।वहीं बारिश और हवाओं के बाद लोगों को भीषण भरी गर्मी से राहत मिली है।जानकारी के अनुसार रविवार की शाम बादल छाए जाने के बाद अचानक तेज आंधी तूफान के साथ झमाझम बारिश हुई क्षेत्र के खलारी व डकरा में आंधी तुफान व तेज हवाओ के साथ जमकर बारिश हुई। इधर आंधी तूफान के साथ कोयलांचल क्षेत्र के आवासीय कालोनी सहित ग्रामीण इलाकों में भी घंटो विद्युत की आपूर्ति ठप रही। बारिश और ठंडी हवाओं के बीच लोगों को गर्मी से राहत मिली है।इधर बारिश के कारण क्षेत्र के सड़कों की सुरत बदल गई है।ट्रांसपोर्टिंग सड़कों पर कीचड़ों का अंबार लगा हुआ है।फिलहाल बदलते मौसम के बीच कोयलांचल क्षेत्र का मौसम काफी सुहाना हो गया है।

अधर्मी पापियों का नाश को धरती पर ईश्वर अवतरित होते हैं : श्रीअतुल कृष्णा

ओरमांझी में श्रीराम कथा के तीसरे दिन

खबर मन्त्र संवाददाता

ओरमांझी। जब-जब धरती पर अधर्म व अत्याचार की वृद्धि होती है। तब-तब ईश्वर किसी न किसी रूप में अवतरित हो अधर्मी व पापियों का नाष करती है। त्रेता युग में भी जब असुरों की शक्ति बढ़ने लगी तो भगवान श्रीराम अवतरित हुए थें। उक्त बाते वृंदावन से आए अंतराष्ट्रीय कथावाचक श्री अतुल कृष्ण भारद्वाज जी महाराज ने कही, वे प्रखंड क्षेत्र के कुच्चू में नवनिर्मित श्रीश्री 1008 षिव शक्ति हनुमत प्राणप्रतिष्ठा महायज्ञ सह श्रीराम कथा के तीसरे दिन उपस्थित श्रोताओं को श्रीराम कथा सुना रहे थें। उन्होने कहा भगवान सर्वत्र व्याप्त है, चारों दिशाओं के कण-कण में विद्यमान है। भगवान को प्राप्त करने का मार्ग सिर्फ सच्चे मन की भक्ति ही है। उन्होंने कहा कि भगवान को प्रेम व सच्चे मन से सुमिरन करने पर कहीं भी किसी रूप में मदद को आ सकते हैं। उन्होने धर्म व सम्प्रदाय में अन्तर को समझाते हुए कहा धर्म व्यक्ति के अन्दर एकजुटता का भाव पैदा करता है, वहीं सम्प्रदाय व्यक्ति को बाहरी रूप से एक बनाता है। मानव को एकजुटता की व्याख्या करते हुए कहा एक पुस्तक, एक पूजा स्थल, एक पैगम्बर, एक पूजा पद्धति ही व्यक्ति को सीमित व संकुचित बनाती है। जबकि ईष्वर के विभिन्न रूपों को विभिन्न माध्यमों से स्मरण करना मात्र सनातन धर्म ही सिखाता है। ईष्वर व पैगम्बर में अन्तर को बताते हुए कहा ईष्वर के अवतार से असुरों का नाश व अधर्म पर धर्म की विजय होती है। यह अद्भुत कार्य मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम व भगवान श्रीकृष्ण ने अयोध्या व मथुरा की धरती पर अवतरित होकर दिखाया। दोनों ने असुरों का नरसंघार करके धर्म की रक्षा की। देश की युवा पीढी पर घोर चिन्ता व्यक्त करते हुए, उन्होने कहा आज का युवा पाश्चात्य सभ्यता के भंवर में फंसते जा रहे हैं। उन्हे सनातन धर्म व भारतीय सभ्यता से मतलब नहीं है। यदि माताएं चाहें तो युवाओं को पाश्चात्य सभ्यता से अलग कर सकती हैं। उन्होने कहा गर्भवती माताओं के चिन्तन मनन खान-पान पठन-पाठन रहन सहन पर बच्चों में अत्यन्त प्रभाव पडता है। इसलिए गर्भावस्था के दौरान माताओं को भगवान का सुमिरन करना चाहिए। साथ ही साथ सात्विक भोजन व चिन्तन आदि करना चाहिए। श्रीराम कथा के अलावा आरती, यज्ञशाला का परिक्रमा आदि कार्यक्रम में मुख्य यजमान राज्यसभा सदस्य आदित्य प्रसाद साहू, ललिता देवी, रणधीर चौधरी, शांति देवी, कलेश्वर साहू, देवकी देवी, संजय कुमार, रेणु गुप्ता, कुलदीप प्रसाद, सावित्री देवी, अशोक साहू, सीमा देवी, राजेंद्र साहू, करुणा देवी, दिलीप भंडारी, सरस्वती देवी, रमेश साहू, सुनीता गुप्ता, दिनेश साहू, पूर्णिमा गुप्ता, हीरालाल साहू, संध्या देवी, जितेन्द्र साहू, रजनी देवी, अमित राज, बबीता देवी, ?योगेन्द्र महतो, सबिता देवी, राजदीप साहू, निशा देवी, रुपेश रंजन, प्रतीम देवी, उदय प्रताप भगत, रूबी देवी, पंकज महतो, सुनीता देवी, ?दिलीप वर्मा व सुनैना वर्मा सहित काफी संख्या में महिलाएं उपस्थित थें।

स्पीड न्यूज

सुड़ी समाज की बैठक में 25 मई को आम सभा करने का निर्णय

● 25 मई को नयी कमेटी का गठन को लेकर होगा चुनाव

गुमला। सुड़ी समाज गुमला की बैठक समाज के बस पड़ाव स्थित धर्मशाला में जिला अध्यक्ष सूरज कुमार साहू की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कोषाध्यक्ष द्वारा आय व्यय की जानकारी दी गयी। जिलाध्यक्ष और उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 25 मई रविवार को वर्तमान सत्र की आमसभा तय की गयी है। आमसभा में पूरे कार्यकाल का आय व्यय प्रस्तुत कर नई कमेटी के गठन हेतु चुनाव भी होगा। यह जानकारी सचिव संदीप प्रसाद ने दी। मौके पर संरक्षक विनय कुमार लाल, पूर्व अध्यक्ष दिलीप नाथ साहू, पंचू साहू, संजय कुमार, नंदकिशोर प्रसाद, प्रमोद प्रसाद, मुकेश साहू, वसंत साहू, सुधीर कुमार, मिथलेश प्रसाद, गोपाल प्रसाद आदि मौजूद थे।

मारवाड़ी समाज की बैठक में राजकमल राजगढ़िया की माता के निधन पर दी गई श्रद्धांजलि

गुमला। मारवाड़ी समाज की बैठक रविवार को समाज के अध्यक्ष पवन अग्रवाल की अध्यक्षता में सिसई रोड स्थित पोद्दार स्मृति भवन में हुई। बैठक में समाज के राजकमल राजगढ़िया की माता शारदा देवी के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि दी गई और मृतक की आत्मा की शांति के लिए एक मिनट का मौन रखा गया। बैठक में राज कुमार अग्रवाल, गोविंद खंडेलवाल, श्री कृष्णा नर्सरिया, बृज किशोर फोगला, दिनेश गाड़िया, पवन उदयपुरिया,आदित्य कुमार नर्सरिया, अमित कुमार साबू, संजय अग्रवाल, पवन कुमार शर्मा, संजय अग्रवाल, सुरेश फोगला, राजकुमार गाड़िया, अनिल कुमार अग्रवाल, अमित गाड़िया, जगदीश मालानी, हरि मालानी, मनीष शर्मा, अमित अग्रवाल, शंकर लाल जाजोदिया, प्रमोद कुमार गाड़ोदिया आदि उपस्थित थे।

बेलागड़ा गांव में कुंआ में गिरने से वृद्ध महिला की मौत

घाघरा। घाघरा थाना क्षेत्र के बेलागड़ा ग्राम निवासी वृद्ध महिला सोमारी देवी की मौत कुंआ में डूबने से हो गई। घटना रविवार अहले सुबह की बतायी जा रही है। घटना के बाबत परिजन सुरेंद्र उरांव ने बताया कि रविवार की सुबह लगभग साढ़े 5 बजे वह उठकर अपने कुंआ की ओर गयी तो देखा कि टॉर्च जल रहा है। टॉर्च जलते देखा वह कुएं के करीब पहुंचा तो देखा कि सोमारी देवी का शव कुंए के पानी के ऊपर तैर रहा है। सुरेंद्र ने घर वालों की इसकी सूचना दी। थाने को भी इसकी सूचना दी गई। जहां पुलिस घटनास्थल पहुंच शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम हेतु गुमला भेज दिया। इधर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। वहीं परिजन ने यह भी कहा कि सोमारी सुबह उठकर शौच के लिए निकली होगी और उक्त कुंआ में फिसल कर जा गिरी होगी। जिससे उसकी मौत हो गई।

झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोईया संयोजिका अध्यक्ष संघ पालकोट की बैठक आयोजित

● बैठक में बकाया मानदेय सहित विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा, काम नहीं होने पर 29 मई को डीएसई कार्यालय में ताला जड़ने का निर्णय

गुमला। पालकोट प्रखंड में झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोईया संयोजिका अध्यक्ष संघ की बैठक जिला अध्यक्ष सह प्रदेश उपाध्यक्ष देवकी देवी की अध्यक्षता में हुई। जिसका संचालन प्रखंड अध्यक्ष पुष्पा डांग व माधुरी देवी ने की। बैठक में प्रदेश कमिटी का फैसला को जिला में लागू करते हुए प्रखंड में भी प्रदेश कमिटी की सारे फैसले की सहमति बनी और स्कूल कमिटी बनाते हुए प्रखंड सम्मेलन करने की बात हुई। साथ ही बैठक में बकाया मनदेय भुगतान करने, 60 साल जिस रसोईया का हुआ है उनके परिवार के सदस्य को नहीं रखने पर, 2004 से जोड़कर वेतन नहीं दिया जाता और 15 दिन के अंदर समस्या का समाधान नहीं होता है तो 29 मई को जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय में ताला जड़ने का निर्णय लिया गया। जिसकी सारी जबाव देही विभाग की होगी। बैठक मे सुभानी देवी, बिमला देवी, मालती देवी, बुधनी देवी, सोमारी देवी, बसंती किंडो सहित कई लोग शामिल थी।

टीबी से ग्रसित महिला को परिजन अस्पताल में छोड़कर चले गये

मिशन बदलाव सदस्यों के अस्पताल विजिट में सामने आया मामला, बीमारी से कराह रही है महिला

● दवा खिलाने के लिए भी महिला के साथ नहीं है कोई परिचित, मिशन बदलाव सदस्य कर रहे हैं महिला की सहायता

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। टीबी बीमारी से ग्रसित घाघरा के छठ मुहल्ला निवासी 65 वर्षीय फुलमनी कुजूर को इलाज के नाम पर परिजनों ने सदर अस्पताल गुमला में भर्ती कर छोड़ दिया है। जिसके कारण महिला को दवा खिलाने में भी अस्पताल के नर्सों को परेशानी उठानी पड़ रही है। महिला की स्थिति भी चिंताजनक है। इस बात का खुलासा मिशन बदलाव की जिला सचिव सय्यदा खातून व नगर अध्यक्ष ज्योति कुमारी वर्मा के सदर अस्पताल विजिट से हुआ। उन्होंने पाया कि सदर अस्पताल गुमला के रूम नंबर 224 के बेड नंबर 09 में फुलमनी कुजूर अकेली सोयी हुई है। नर्स ने उन्हें बताया कि महिला अकेली है और उनके परिजन यहां इन्हें एडमिट कर छोड़कर चले गए हैं। यह टीबी पॉजिटिव हैं। इनको दवा खिलाना अति आवश्यक है। क्योंकि यह बहुत ज्यादा ही बीमार हैं और इनको दवा

खिलाने के लिए इनके परिजन व सहिया की आवश्यकता है। अभी इनके पास कोई नहीं है। वृद्ध महिला को सांस लेने में भी तकलीफ है। फेफड़े में पानी भर गया है। वहीं मरीज फुलमनी कुजूर कई दिनों से भूखी है। वह कुछ खाने में असमर्थ है और फल खाने की ख्वाहिश जाहिर की तो मिशन बदलाव द्वारा फल और ब्रेड उपलब्ध कराया गया। घाघरा के छठ मुहल्ला निवासी फुलमनी कुजूर ने मिशन बदलाव की सदस्यों से सहायता की गुहार लगायी। साथ ही अपने परिजन से इलाज के लिए अस्पताल में मदद करने की अपील की। मिशन बदलाव सदस्यों ने कहा कि सही देखभाल से महिला के जीवन की रक्षा की जा सकती है। परिवार के सदस्य टीबी बीमारी फैल जाने के भय से महिला को छोड़कर चले गये हैं। मिशन बदलाव की ज्योति वर्मा ने कहा कि टीबी बीमारी हो तो कभी किसी को डरना नहीं चाहिए। जितना हो सके मदद करना चाहिए। टीबी बीमारी आज हो तो उसकी जान बचाई जा सकती है और जो परिजन छोड़कर भागे हैं, उनके लिए मिशन बदलाव सदस्यों ने कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस और उपायुक्त को संज्ञान लेने की जरूरत है। वहीं अस्पताल प्रबंधन से बातचीत कर बीमार महिला को खाने से लेकर हर चीज की व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

कतरास में हिंसक झड़प, 7 जख्मी

खबर मन्त्र संवाददाता

कतरास। कुमारजोरी पंचायत अंतर्गत पतराकुल्ही गांव में दो पक्ष आपस में भिड़ गए। जमकर लाठी - डंडा चला। तलवार भी भांजे गए। मारपीट की इस घटना में एक पक्ष से तीन, वही दूसरे पक्ष से चार लोग घायल हो गए। सूचना पाकर कतरास थाना की पुलिस पहुंची और दोनों पक्षों को शांत किया। जख्मीयों को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच भेजा, जहां उनका इलाज चल रहा है । घायलों में महिलाएं भी शामिल हैं। एक वृद्ध की स्थिति गंभीर बनी हुईं हैं। पुलिस मामले की जाँच में जुट गई हैं। घटना और कारण :- मामूली बात पर आपस में गाली-गलौज मारपीट की वजह बताई जा रही हैं। आक्रोश में लोगों ने एक दूसरे पर तलवारबाजी और अन्य धारदार हथियार से हमला किया।

एक पक्ष से राहुल देव गोस्वामी ने बताया कि उनके घर के पास कुछ लोग शराब पीकर नशे में गाली-गलौज कर रहे थे। गाली गलौज का विरोध करने पर मारपीट की गई। तलवार और अन्य धारदार हथियार से हमला किया गया। वहीं दूसरे पक्ष से संतोष गोस्वामी का कहना हैं कि गाली-गलौज का विरोध करने पर उनके परिवार के लोगों के साथ मारपीट की गई। इधर कतरास थाना के एएसआई सतेंद्र सिंह ने बताया कि पतरा कुल्ही में दोनों पक्ष में मारपीट की घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस जब वहां पहुंची, तो दोनों पक्ष में खूनी झड़प हो रही थी। पुलिस ने बल प्रयोग कर दोनों पक्षों को अलग किया और जख्मी हालत में दोनों पक्ष के घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। दोनों पक्षों की तरफ से आवेदन आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जख्मियों में ये हैं शामिल:- जख्मीयों में एक पक्ष के राहुल देव गोस्वामी, शिखा गोस्वामी तथा संतोषी देवी हैं। दूसरे पक्ष के बाबूलाल गोंसाई, अजीत कुमार, संतोष कुमार आदि हैं।

धनबाद में नीट परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

धनबाद। जिले के सभी सातों परीक्षा केंद्र पर नीट की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। कोआर्डिनेटर सह धनबाद केंद्रीय विद्यालय नं - 1 प्राचार्य शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि सभी सातों परीक्षा केंद्र पर कुल 4250 परीक्षार्थियों को इस परीक्षा में शामिल होना था। परंतु इनमें 4141 परीक्षार्थी ही शामिल हुए। 109 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि बी आई टी सिंदरी परीक्षा केंद्र पर कुल 720 छात्रों को परीक्षा में शामिल होना था। परंतु यहां 702 परीक्षार्थी ही शामिल हुए। यहां भी 18 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कोआर्डिनेटर शैलेंद्र शर्मा ने नीट की शांतिपूर्ण परीक्षा संपादन के लिए धनबाद उपायुक्त माधवी मिश्रा और वरीय पुलिस अधीक्षक एच पी जनार्दन को श्रेय दिया है।

सांसद सुखदेव भगत के प्रयास से तीन गांवों में लगा ट्रांसफॉर्मर : आलोक साहू

लोहरदगा। लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत के प्रयास से तीन गांव उदरंगी अंबा टोली में 63 के वी,सढाब्रेडूमरटोली में 25 केवी और तिगरा में 63 केवी का ट्रांसफार्मर लगाया गया। उक्त जानकारी सांसद के निजी सचिव आलोक कुमार साहू ने दिया। श्री साहू ने बताया कि इन गांवों में काफी दिनों से ट्रांसफार्मर खराब था जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। यहां के ग्रामीण सांसद से आकर मिले और जल्द से जल्द ट्रांसफार्मर लगाने की मांग किए थे। सांसद ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इन गांवों में शीघ्र ट्रांसफार्मर लगवाए। इन गांवों के ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर लगाने के लिए सांसद सुखदेव भगत का आभार प्रकट किया।

आर्य समाज लोहरदगा की बैठक आयोजित

लोहरदगा। झारखंड राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा रांची के तत्वावधान में कमला देवी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में बैठक आयोजित की गई। जिसमें आर्य समाज लोहरदगा के पदाधिकारियों के साथ शहर के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। बैठक में शांति आश्रम लोहरदगा की गतिविधि एवं झारखंड आर्य प्रतिनिधि सभा की भूमिका पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता सभा के प्रधान आचार्य कृष्ण प्रसाद कौटिल्य ने की तथा संचालन सभा के उपमंत्री डॉ आचार्य अशोक ने किया। बैठक में सदस्यता अभियान में लोगों को शामिल करना, वेदों के प्रति जागरूकता, बच्चों में संस्कार का विकास करना, यज्ञ के प्रति लोगों में जागरूक करना आदि विषय पर विस्तृत चर्चा भी की गई। बैठक में सभा के मंत्री पूर्णचंद्र आर्य, आचार्य कृष्ण प्रसाद कौटिल्य, नीरज प्रसाद साहू, सत्येंद्र कुमार आर्य, विश्वनाथ वाचस्पति, हिमांशु कुमार, डॉ आचार्य अशोक, बरूण बिहारी, चंदन वर्मा, देशबंधु शास्त्री, लोकेश भूषण, उमेश कुमार साहू, विजय कुमार, विनय वर्मा, रितेश कुमार साहू, मनोज कुमार, बीरेंद्र कुमार आदि अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

चिलचिलाती धूप और गर्मी के बीच मौसम का बदला मिजाज

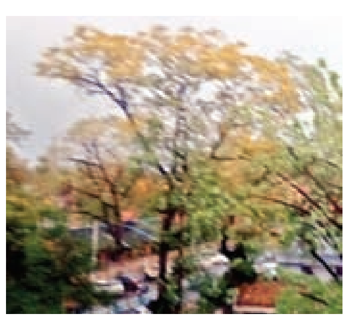

मेदिनीनगर। पलामू जिला में चिलचिलाती धूप एवं गर्म हवाओं की लपटें फागुन माह से चलना प्रारंभ हो जाता है जिसका प्रकोष्ठ ज्येठ माह तक प्रचंड होता है। पलामू की गर्मी सुनते के साथ ही लोग सहम जाते हैं। इस जिला में लू लगने से भी लोगों की मौतें होती है। इस बीच ज्येष्ठ माह में प्रचंड धूप व लू का प्रकोप बढ़ गया है। विगत एक सप्ताह से पलामू में 44.4 डिग्री सेल्सियस तापमान से लेकर रविवार को 37 डिग्री अधिकतम तापमान रहने के कारण लोग घरों में दुबक जा रहे हैं। इस प्रचंड गर्मी में खासकर छोटे बच्चों व बुजूर्गों के लिए आफत का समय कट रहा है। इसी बीच मौसम ने अपना मिजाज बदलते हुए लोगों को प्रचंड धूप व गर्मी से राहत दिया है। रविवार को अपराह्न में हुई बारिश से लोग राहत की सांस ले रहे हैं। आंधी तूफान के कारण कई पेड़ पौधे गिर गये तो कहीं झोपड़ीनुमा मकान ध्वस्त हो गये। वहीं बुंदाबांदी बारिश में बिजली भी गुल हो गयी।

इस कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। लेकिन बिजली गुल हो जाने के कारण लोगों को राहत भरी समय इसलिए बितेगा की मौसम में नमी आ चुकी है। बेमौसम के वर्षा होने के कारण खेत खलिहानों में लगे फसल बर्बाद होने से किसान हताश हैं। वहीं गर्मी के मौसम में फल व सब्जी उगाने वाले किसान भी हताश हैं। कारण कि खेतों में लगे फल व सब्जियां बर्बाद हो गये हैं। वहीं दूसरी ओर आम, महुआ पर भी इस मौसम का बुरा प्रभाव पड़ा है। जिस कारण भी लोग हतप्रभ हैं।

8 मई को ऐतिहासिक होगा इंटक का महाधिवेशन : धीरज साहू

● इंटक महाधिवेशन कार्यक्रम में राज्य के कई मंत्री, विधायक एवं सांसद होंगे शामिल

लोहरदगा। झारखण्ड कांग्रेस के कद्दावर नेता सह छोटानागपुर बक्साईड एण्ड कोल वर्कर्स यूनियन के महासचिव पूर्व सांसद धीरज प्रसाद साहू ने आगामी 8 मई 2025 को किस्को मिडिल स्कूल मैदान में होने वाले इंटक के महाधिवेशन को सफल बनाने के लिए दौरा तेज कर दिया है। धीरज प्रसाद साहू ने कहा है कि छोटानागपुर प्रमंडल के सभी मजदूर भाइयों, बहनों का महाजुटान आगामी 8 मई को किस्को मिडिल स्कूल मैदान में होगा जिसमें लगभग 30 से 40 हजार की संख्या में हमारे मजदूर भाई, बहन अपनी हक की आवाज को बुलंद करने के लिए एकत्रित होंगे। इस महाधिवेशन में झारखंड प्रदेश के टॉप सुपरस्टार नितेश कच्छप, पवन राय, हुलास महतो, चिंता देवी, सुमन गुप्ता, बसीर अंसारी एवं कयूम अब्बास आदि कलाकारों के द्वारा शानदार नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाएगा। इंटक के महाधिवेशन में झारखण्ड सरकार के कई मंत्री, विधायक एवं सांसद भी उपस्थित रहेंगे। इसलिए उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों की जानकारी लेते हुए कई आवश्यक निर्देश भी दिए।

इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जयसवाल, किस्को बीस सूत्री के अध्यक्ष शामुल अंसारी, हातिम अंसारी,युवा नेता निश्चय वर्मा, रौनक इकबाल, अंसार अंसारी एवं कई कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

सेवा भारती ने 151वां सप्ताह लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

लोहरदगा। सेवा भारती लोहरदगा के द्वारा चुन्नीलाल उच्च विद्यालय के प्रांगण में लगातार 151वां सप्ताह के रविवार को निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ, डॉ कुमुद अग्रवाल एवं सह सचिव संजय चौधरी ने संयुक्त रूप से भारत माता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 36 लोग अपने स्वास्थ्य की जांच करवा कर लाभान्वित हुए। हीमोग्लोबिन,यूरिक एसिड,ब्लड ग्रुप, शुगर, बी पी,वजन,हार्ट बीट,ऑक्सीजन लेवल आदि की निशुल्क जांच की गयी। जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा कि स्वस्थ शरीर रहने पर ही जीवन जीने का आनंद है। डॉक्टर कुमुद अग्रवाल इस शिविर में लगातार अपनी सेवा देते आ रहे हैं इनके द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य की जितनी सराहना की जाए कम है। डॉ कुमुद अग्रवाल ने कहा कि सेवा ही परमो धर्म है और हमें यहां आकर बहुत आनंद आता है। उन्होंने कहा कि अपने स्वास्थ्य की जांच कराते रहना चाहिए। सुखी जीवन स्वस्थ शरीर रहने से ही मिल सकता है। सह सचिव संजय चौधरी व सुबोध प्रसाद महतो ने कहा कि प्रत्येक सप्ताह इस स्वास्थ्य शिविर में लोग अपना स्वास्थ चेकअप करवा कर और यहां डॉक्टर से इलाज करवाते हुए उनकी सलाह से स्वस्थ हो रहे हैं। यह निशुल्क स्वास्थ्य शिविर निरंतर प्रत्येक रविवार को सुबह एक घंटे के लिए लगाई जाती है।

आंधी तूफान से उड़ा घाघरा के खपिया गांव में घर का छप्पर

● पीड़ित महिला ने कहा- मजदूरी कर घर बनाया था, उसकी आर्थिक स्थिति है खराब, प्रशासन करे मदद

घाघरा। घाघरा थाना क्षेत्र के डुको पंचायत के खपिया गांव में आंधी तूफान से महिला कुवारी देवी के घर का अस्बेस्टस हवा में उड़कर जमीन पर जा गिरा। जिससे अस्बेस्टस टूट गया। वहीं घर में रखे राशन के चावल भी भींग कर बर्बाद हो गये। इस संबंध में पीड़ित कुवारी देवी ने बताया कि तेज हवा आंधी बारिश के कारण उसके घर का अस्बेस्टस पूरी तरह उड़कर जमीन पर जा गिरा। इसके साथ ही घर में रखा खाने के राशन चावल भी पानी से भींग कर बर्बाद हो गए। इस घटना में लगभग 70 हजार रुपए से ऊपर का आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़िता ने अंचल प्रशासन से मुआवजा की मांग की है। साथ ही बताया कि वह ईंट भट्ठा में मजदूरी कर कमाने गई थी। जिसके बाद ईंट भट्ठा से पैसे कमाकर लौटने के उपरांत घर बनाई थी। तेज आंधी बारिश के कारण पूरी अस्बेस्टस उड़ गया। उसने सहयोग की अपील भी की है।

बारिश से गर्मी से मिली राहत तो फसलों को हुआ नुकसान

गुमला। रविवार की दोपहर अचानक तेज आंधी व बारिश से जिले का मौसम अनुकूल हो गया और लोगों ने गर्मी से राहत की सांस ली। वहीं अचानक हुई बारिश से फसलों को नुकसान हुआ है। खेतों में लगे टमाटर, मकई, फुलगोभी, पत्ता गोभी, तरबुज सहित अन्य गरमा फसलों को नुकसान हुआ है। वहीं तेज आंधी ने कई घरों की छत्त के अस्बेस्टस उड़ा दिये। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा। बारिश के साथ मेघ गर्जन से बिजली गिरने की भी आशंका बढ़ गई है। जिले के कई प्रखंडों में रविवार को काफी तेज बारिश हुई है।

सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

● सड़क सुरक्षा थीम पर बच्चों ने की पेंटिंग, अभिभावकों से सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन की अपील की गई

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। सड़क सुरक्षा को लेकर रविवार को सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल के हॉल में बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता व अभिभावकों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिला परिवहन विभाग के द्वारा किया गया। जिसमें सड़क सुरक्षा टीम के सदस्यों के द्वारा लोगों को सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूक किया गया। एसआईपी एबीएसीयूएस और सड़क सुरक्षा टीम के द्वारा कक्षा 3 से 7 तक के बच्चों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की। जिसका थीम सड़क सुरक्षा था। गुमला के विभिन्न स्कूलों डॉन बॉस्को स्कूल, डीएवी स्कूल, नेट्रोडम स्कूल, शिशु मंदिर स्कूल और अन्य स्कूलों के लगभग 2000 बच्चों के साथ उनके परिवार के अभिभावक शामिल हुए। सभी अभिभावकों से सड़क सुरक्षा के थीम के विषय में बात की गई और गुमला को एक्सीडेंट से बचाने के लिए सभी को सड़क सुरक्षा निमयों का पालन करने की अपील की गई। जिसमें गाड़ी चलाने से पहले हेलमेट को नजरअंदाज नहीं करने की भी अपील की गई। एसआईपी एबीएसीयूएस के प्रतिनिधि ने सभी अभिभावकों से बच्चों के मोबाइल इस्लेमाल को लेकर भी जागरूक किया गया। मोबाइल एक नशा है जो बच्चों के फ्यूचर को खराब करता है। मोबाइल इस्तेमाल को लेकर कैसे बच्चों को बचाया जा सकता है इस विषय पर परिवार जनों को विशेष जानकारी दी और जागरूक किया। लोगों को वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट जैसे उपकरणों के इस्तेमाल से दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में एसआईपी एबीएसीयूएस के प्रतिनिधि और सड़क सुरक्षा के प्रबंधक प्रभास कुमार, रोड इंजीनियरिंग एनलिस्ट प्रणय काशी और आई टी सहायक मंटू रवानी उपस्थित थे।

कोयला राज्य मंत्री के कार्यक्रम में अचानक बिजली हो गयी गुल

मंत्री ने मोबाइल के टॉर्च की रोशनी में पढ़ा भाषण

खबर मन्त्र संवाददाता

धनबाद। कोयलांचल के जिस कोयले से देश के कई राज्य रौशन होते है, उसी कोयलांचल में रविवार को केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे को अंधेरे का सामना करना पड़ा। मंत्री अपने एकदिवसीय दौरे पर रांची से सड़क मार्ग से शाम को धनबाद पहुंचे थे। वे पुलिस लाइन स्थित बीएमएस कार्यालय में धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान अचानक बिजली गुल हो गई। मंत्री को संघ के मांग पत्र को मोबाइल के टॉर्च के सहारे पढ़ना पड़ा। मंत्री ने इस पर चुटकी भी ली उन्होंने कहा यह दुर्भाग्य है जहां से कोयला मिलता है वहीं बिजली की यह स्थिति है। मुझे अंधेरे में भाषण देना पड़ रहा है।

मंत्री ने कहा किसान, मजदूर इस देश की रीढ़ है। इनके लिए सरकार कई योजनाओं पर कार्य कर रही है। इसका सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहा है। संघ की जो भी मांगे हैं उसे प्वाइंट आउट कर सरकार के समक्ष रखने का कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि देश को मजबूत करने में मजदूरों का योगदान सराहनीय है। मजदूरों की कड़ी मेहनत के कारण ही देश के कई सपने पूरे हुए हैं। इन्हे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। धनबाद दौरे के संबंध में उन्होंने बताया कि यहां मौजूद बीसीसीएल,

अवैध माइनिंग और कोयला चोरी रोरने में राज्य सरकार फेल

ईसीएल और सीसीएल हमारे मंत्रालय का अभिन्न हिस्सा है। बीसीसीएल हेडक्वार्टर में अधिकारियों के साथ यहां चल रहे प्रोजेक्ट की समीक्षा की जाएगी। गत वर्ष कोयला खनन से कितने लक्ष्य की प्राप्ति हुई है और आगे लक्ष्य क्या है। इन सब की जानकारी ली जाएगी। मजदूरों की जो भी समस्याएं हैं उसे भी सुना जाएगा। कोयला निकालने में क्या-क्या परेशानी आ रही है। नए खदान जिसका एनओसी मिल चुका है उसकी क्या स्थिति है। इस पर विस्तार से चर्चा होगी और कार्यों में सुधार लाने को लेकर दिशा निर्देश दिए जाएंगे।

कोयला चोरी के संबंध में मंत्री ने कहा कि यह राज्य सरकार के जिम्मेवारी है। लेकिन दुर्भाग्य है कि राज्य सरकार विपरीत दिशा में काम कर रही है। विस्थापन के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इस पर कार्य चल रहा है। इसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। धनबाद चंद्रपुरा रेल लाइन के संबंध में मंत्री ने कहा कि अगर रेल लाइन के आसपास अवैध माइनिंग हो रही है। यह खतरे की घंटी है। इसे लेकर राज्य सरकार से बातचीत की जाएगी और इस पर अंकुश लगाने को कहा जाएगा।

जाति जनगणना की मंजूरी कांग्रेस की बड़ी जीत है : सुखैर भगत

● जिला कांग्रेस की जिला स्तरीय आहूत संविधान बचाओ रैली स्थगित

● 6 मई को रांची स्थित पुराना विधानसभा मैदान में संविधान बचाओ महारैली को लेकर बनाई गई रणनीति

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। जिला कांग्रेस कमेटी की एक आवश्यक बैठक जिला अध्यक्ष सुखैर भगत की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन में हुई। इस बैठक में आगामी 6 मई को रांची स्थित पुराना विधानसभा मैदान में संविधान बचाओ महारैली को लेकर समन्वय समिति के सदस्यों, प्रखंड अध्यक्षों, एवं वरिष्ठ कांग्रेस जनों से आवश्यक विचार विमर्श किया गया। उक्त महारैली में लोहरदगा जिला से हजारों कांग्रेसी भाग लेंगे इसके लिए सभी को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। मौके पर जिला अध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा कि विगत दिनों केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा जाति जनगणना कराने का कैबिनेट से मंजूरी ली गयी यह कांग्रेस की बड़ी जीत है। निश्चित रूप से जाति जनगणना हो जाने से देश के करोड़ों लोगों को उनका अधिकार मिल जाएगा। उन्होंने बताया कि रांची में संविधान बचाव महारैली ऐतिहासिक होगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस द्वारा निर्देशित जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैली जो 10 मई को निर्धारित थी उसे फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। बैठक में जिला कार्यकारी अध्यक्ष शकील अहमद, प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, जिला उपाध्यक्ष मोहन दुबे, सेवा दल के प्रदेश महासचिव प्रदीप विश्वकर्मा, विशाल डुंगडुंग, अनीस अहमद, जुगल भगत, सत्यदेव भगत दिनेश गुप्ता,नन्दू शुक्ला, मोज्जमिल अंसारी समेत अन्य कांग्रेसी उपस्थित थे।

कोर्स में बदलाव

एनसीईआरटी द्वारा लिये गये एक फैसले में सातवीं कक्षा के पाठ्यक्रम से मुगलों और दिल्ली सल्तनत के अध्याय हटा दिए हैं। भारतीय राजवंशों, महाकुंभ के संदर्भ और 'मेक इन इंडिया' और 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी हाल के शासकीय उपक्रमों को नए अध्यायों के रूप में शामिल किया गया है। इसी सप्ताह आई नई पाठ्यपुस्तकों में हुए ये परिवर्तन नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) और शालेय शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम रूपरेखा (एनसीएफएसई) 2023 के अनुरूप बताये गये हैं। हालांकि एनसीईआरटी के अधिकारियों के अनुसार यह किताबों का सिर्फ पहला भाग है। दूसरा भाग जल्दी ही आने की उम्मीद है। वैसे अधिकारी यह साफ नहीं कर पाये कि हटाए गए हिस्से दूसरे भाग में शामिल रहेंगे या नहीं। वैसे कोविड-19 के प्रकोप के बाद अध्ययन सामग्री को कम करने के लिये एनसीईआरटी ने भारतीय इतिहास के मुगल काल तथा दिल्ली सल्तनत से जुड़े अध्यायों को पहले से ही संक्षिप्त कर दिया था। इसमें तुगलक, खिलजी, लोदी और मुगल राजवंश के विवरण को संक्षिप्त कर दिया गया था। अब इन्हें पूरी तरह से हटा दिया गया है। एक और बड़े बदलाव के अंतर्गत सामाजिक विज्ञान की किताब 'समाज का अध्ययनः भारत और उसके आगे' में मगध, मौर्य, शुंग और सातवाहन जैसे प्राचीन भारतीय राजवंशों पर लिखे गये अध्याय शामिल हुए हैं। इसका उद्देश्य बच्चों को 'भारतीय लोकाचार' से परिचित कराना बतलाया गया है। इसी किताब में 'भूमि कैसे पवित्र बनती है?' शीर्षक से एक नया अध्याय जोड़ा गया है। इसमें इस्लाम, ईसाई, यहूदी, पारसी, हिंदू, बौद्ध और सिख धर्मों के लिए भारत और बाहर पवित्र माने जाने वाले स्थानों और तीर्थस्थलों की जानकारी दी गयी है। 'पवित्र भूगोल' अध्याय में 12 ज्योतिर्लिंग, चार धाम यात्रा और शक्ति पीठ जैसे स्थानों का विवरण है।इस प्रकार के निर्णय से अपने गौरवशाली इतिहास से छात्र अवगत होंगे।

मेष : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यो की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष : अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। विद्यार्थियों को लाभ। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। शुभांक-6-7-9

मिथुन : समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। महत्त्वपूर्ण कार्यो को आज ही निपटा लें, उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-3-4-8

कर्क : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। संतान की उन्नति के योग हैं। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-4-8-9

सिंह : संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-8-9

कन्या : पुराने मित्र से मिलन होगा। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। व्यापार में वृद्धि होगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। शुभांक-4-2-9

तुला : माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। रुपये पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक : नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-6-7

धनु : कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-3-7-9

मकर : कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। किसी कार्य विशेष के लिए यात्रा आवश्यक होगी। शुभांक-6-7-8

कुंभ : शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। काम पर पैनी नजर रखिए। सब्र का फल मीठा होता है, अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। शुभांक-2-5-7

मीन : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-7-8

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

उत्तर प्रदेशः बीमारू राज्य से विकसित राज्य की ओर बढ़ा

उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है, जिसकी आबादी 22 करोड़ से ज्यादा है और इसे वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ को सौंपा गया था। किसी भी अन्य राज्य के मुख्यमंत्री की तुलना में यह सबसे कठिन काम था। जबरन वसूली, जबरदस्ती, अपहरण, जमीन जिहाद, लव जिहाद, बलात्कार, डर के कारण कोई बड़ा निवेश नहीं, मध्यम और गरीब वर्गों का माफिया शोषण और वोटबैंक की राजनीति ने राज्य को सबसे खराब स्थिति में डाल दिया था। जब सीएम योगी ने पदभार संभाला तो कई बुद्धिजीवियों और विपक्षी सदस्यों ने उनकी वेशभूषा और साधुता का मजाक उड़ाया। यही बीमारू राज्य अब आर्थिक रूप से दूसरा सबसे विकसित राज्य है तथा कानून-व्यवस्था में बहुमूल्य सुधार हुआ है, जिसकी किसी ने इतने कम समय में कल्पना भी नहीं की थी।

बेहतर प्रशासक

प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ का विश्लेषण कर ले। केवल 45 दिनों में, 66 करोड़ व्यक्तियों ने दौरा किया, जो अमेरिका और कई यूरोपीय देशों की आबादी से अधिक था। यहां तक कि विकसित देश भी इस तरह के असामान्य, अप्रत्याशित आयोजन की सफलतापूर्वक कल्पना नहीं कर सकते। एक संन्यासी सामाजिक न्याय, आर्थिक विकास और धर्म के पालन के मामले में चमत्कार कर सकता है। विभिन्न विद्वानों, बुद्धिजीवियों और विश्वविद्यालयों को सीएम योगी की विशेषताओं, आंतरिक और बाहरी ताकत के बारे में जानने के लिए महाकुंभ पर गहन शोध करना चाहिए। उन्होंने किसानों, महिलाओं और व्यापारियों के शत्रु को उनकी राजनीतिक और अवैध रूप से अर्जित धन शक्ति की अनदेखी करके उन्हें मारकर या कैद करके पूरी तरह से अक्षम कर दिया है। राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार किया, निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे यूपी दूसरे नंबर की आर्थिक स्थिति में पहुंच गया। उत्तर प्रदेश 2030 तक भारत की 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

योगी सरकार की प्रमुख उपलब्धियाँः

1. ग्रामीण विकास और कल्याण पहलः शौचालय निर्माणः स्वच्छ भारत अभियान ने 2.62 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए हैं, जिससे ग्रामीण घरों में स्वच्छता आई है। मुफ्त राशन वितरणः महामारी के दौरान, सरकार ने लगभग 14.7 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन वितरित किया, जिससे गरीबों की तकलीफें कम हुई। उज्ज्वला योजनाः 1.86 करोड़ से अधिक उज्ज्वला एलपीजी कनेक्शन वितरित किए गए हैं, जिससे घरों में स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन को बढ़ावा मिला

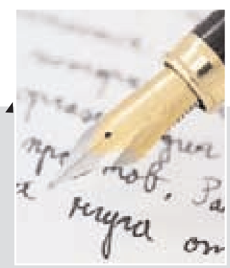

- पंकज जयस्वाल

> जब सीएम योगी ने पदभार संभाला तो कई बुद्धिजीवियों और विपक्षी सदस्यों ने उनकी वेशभूषा और साधुता का मजाक उड़ाया, साथ ही इस विचार का भी मजाक उड़ाया कि एक संन्यासी सीएम के रूप में कैसे काम कर सकता है। सीएम योगी जैसे संन्यासी के लिए यह कठिन काम, जिनकी कोई वंशवादी पृष्ठभूमि नहीं है लेकिन एक मजबूत राष्ट्रवादी मानसिकता और कोई व्यक्तिगत मकसद नहीं था कमाल कर दिया।

है। **सभी के लिए आवासः** पिछले आठ वर्षों में वंचितों के लिए 56 लाख से अधिक आवास बनाए गए हैं, जिससे जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

2. मजबूत कानून और व्यवस्था ढांचाः पुलिस सुधारः सात जिलों में पुलिस कमिश्नरेट की स्थापना, साथ ही विशेष सुरक्षा बल के गठन से कानून प्रवर्तन दक्षता में सुधार हुआ है। अपराध का मुकाबलाः सरकार ने अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है, जिसमें 222 से अधिक कुख्यात अपराधी मारे गए और मुठभेड़ों में 8,000 से अधिक घायल हुए। महिला सुरक्षाः महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एंटी-रोमियो स्क्वॉड और तीन महिला पीएसी बटालियन की स्थापना की गई। इसके अलावा, महिलाएं अब रात के समय पीआरवी (पुलिस रिस्पांस व्हीकल) का इस्तेमाल कर सकती हैं।

3. स्मार्ट सिटीज और इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंटः योगी सरकार ने शहरी विकास का नेतृत्व किया है, 125 नई नगर पालिकाओं की स्थापना की है और 17 शहरों को स्मार्ट सिटी में बदल दिया है। मेट्रो कनेक्टिविटीः नोएडा, ग्रेटर नोएडा, लखनऊ, कानपुर और आगरा जैसे प्रमुख शहरों ने मेट्रो सेवाओं को लागू किया है, जिससे सार्वजनिक परिवहन में काफी सुधार हुआ है। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंटः छह एक्सप्रेसवे के निर्माण और 11 और के लिए जारी परियोजनाओं के साथ, राज्य की कनेक्टिविटी में काफी सुधार हुआ है। गौतम बुद्ध नगर में आगामी जेवर हवाई अड्डा, साथ ही हवाई अड्डों के मामले में देश के शीर्ष के रूप में राज्य की स्थिति महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं।

4. कृषि और किसानों पर ध्यान केन्द्रित करें: कृषि विकासः उत्तर प्रदेश में कृषि क्षेत्र 8.6% से बढ़कर 13.7% की दर से बढ़ा है। राज्य वर्तमान में भारत का सबसे बड़ा फल और सब्जी उत्पादक है, जो प्रति वर्ष 4 करोड़ टन से अधिक उत्पादन करता है। किसानों को पीएम कुसुम परियोजना के तहत 76,189 सौर पंप मिले हैं, जिससे खेती के संचालन को और अधिक टिकाऊ बनाया जा सकेगा। बाजार आधुनिकीकरणः 27 नई मंडियों (बाजारों) का आधुनिकीकरण किया गया है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्ति हुई है।

5. बेहतर ऊर्जा अवसंरचनाः सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 20 घंटे, तहसील क्षेत्रों के लिए 22 घंटे और जिला मुख्यालयों के लिए 24 घंटे बिजली प्रदान करती है। इसके अलावा, अयोध्या को सोलर सिटी और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को सोलर एक्सप्रेसवे में बदलने के लिए चल रहे प्रयास अक्षय ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। सब्सिडी और सुविधाएँः निजी ट्यूबवेल वाले किसानों को उनके बिजली बिलों पर 100% छूट मिलती है, और 24 घंटे के भीतर ट्रांसफार्मर बदलने की व्यवस्था लागू की गई है।

6. सांस्कृतिक और धार्मिक विकासः धार्मिक पर्यटन वृद्धिः राज्य एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल बन गया है, कुंभ मेले के दौरान 66.3 करोड़ से अधिक भक्तों का स्वागत करता है और लगातार शीर्ष पर्यटन स्थल के रूप में रैंकिंग करता है। तीर्थ स्थल विकासः उल्लेखनीय उपलब्धियों में अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, काशी की देव दीपावली का विस्तार और अयोध्या में विशाल दिवाली समारोह का समन्वय शामिल है।

7. स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज सुनिश्चित करना शामिल है। मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना ने लगभग 49 लाख परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य कवरेज की पेशकश की है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में कोई भी पीछे न रहे। चिकित्सा सुविधाओं का विस्तारः 5,000 नए स्वास्थ्य उप-केंद्रों के विकास के साथ-साथ सभी 75 जिलों में मुफ्त डायलिसिस सुविधाओं के प्रावधान ने स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाई है।

8. आर्थिक विकास और औद्योगिक विकासः उत्तर प्रदेश अब देश के मोबाइल विनिर्माण उत्पादन का 45% हिस्सा है। उत्तर प्रदेश धीरे-धीरे उत्तरी औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, जो प्रमुख निवेश को आकर्षित कर रहा है।

लेटर टू एडिटर

अनियंत्रित गति

सड़कों पर होने वाले हादसों का एक मुख्य कारण ओवर स्पीडिंग है। जगह-जगह स्पीड ब्रेकर लगाए जाते हैं ताकि वाहनों की स्पीड कम रहे पर वाहन चालक इन्हें भी अनदेखा करते हैं। ओवर स्पीडिंग न केवल दूसरे वाहनों के लिए खतरा है बल्कि पैदल चलने वाले और सड़क किनारे सामान बेचने वालों के लिए भी। क्या सारी जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही है? इसके साथ, ट्रैफिक व सामान्य पुलिस को सतर्क करने तथा यात्रियों को जागरूक करने की भी जरूरत है।

-अभिलाषा गुप्ता, रांची

समाज का नुकसान

अधिक पैसे कमाने की चाहत में कई कारोबारी अपनी नैतिक जिम्मेदारी भूल रहे हैं। दवाइयां, खाद्य पदार्थ, घी, तेल, दूध, मिठाइयां, मसाले आदि में मिलावट कर वे लोगों को चुपके-चुपके अस्वस्थ बना रहे हैं। यह कोई छोटा अपराध नहीं है, लेकिन लचर सरकारी व्यवस्था, भ्रष्टाचार और कठोर सजा मिले।

-दिनेश, जमशेदपुर

ट्वीट

प्रदूषण से युक्त और पथ बाधित गंगा मनुष्यत्व के लिए अभिशाप है। गंगा की अविरलता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयत्न करें क्योंकि गंगा सबकी है। वह अपने उदर में अनेकों जैव प्रजातियों, वनस्पतियों एवं संस्कृतियों को युग -युगांतर से पोषित करती आई है। गंगा के विलीन होने से मानवता की एक गौरवशाली सांस्कृतिक परम्परा का अंत हो जाएगा।माँ गंगा त्रय-योग सिद्धि कारक है, वह ब्रह्मा के कमंडल से निकलकर कर्म योग ,भगवान विष्णु के चरणों से निकलती है इसलिए भक्ति योग और शिव की जटाओं से धरा धाम पर अवतरित होती है, इसलिए ज्ञान योग सिद्ध करती है। मृत्युलोक में उनका अवतरण सभी के उद्धार के लिए हुआ है।

- स्वामी अवधेशानंद गिरी

शंकराचार्यः एकीकृत और आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध भारत की नींव रखी

हृदयनारायण दीक्षित

समाज

शंकराचार्य छठी सदी के मध्य जन्मे थे। अतिविशिष्ट महानुभावों के जन्म स्थल और जन्मतिथि पर अक्सर विवाद रहता है। आर.जी. भंडारकर के अनुसार शंकराचार्य का जन्म सन 680 में हुआ था। प्रख्यात विद्वान मैक्समूलर के अनुसार शंकर का जन्म 788 ईस्वी में हुआ था। यही तिथि मैकडनल को भी मान्य है। शंकराचार्य का जीवन अल्पकाल का था। इस अल्पकाल में उन्होंने दुनिया के सभी विद्वानों की तुलना में सभी विषयों पर बड़ा काम किया। ज्ञान और कर्म दोनों ही उनके जीवन में शीर्ष पर पहुंचे। डॉक्टर राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन (हिंदी अनुवाद पृष्ठ 384) में लिखा है कि, बाल्यावस्था में ही 8 वर्ष की आयु में उन्होंने गहन अभिलाषा प्रसन्नता के साथ सब वेदों को कंठस्थ कर लिया था। वे प्रकट रूप में वैदिक ज्ञान तथा स्वतंत्र प्रज्ञा से युक्त तेजस्वी व्यक्ति थे। वे संन्यासी हो गए थे। किन्तु वीतरागी परिव्राजक नहीं थे आचार्य गृहस्थ जीवन त्याग राग-द्वेष से मुक्त होकर एकांतवास करने वाले सामान्य योगी नहीं थे। मजेदार बात है कि दर्शन में संसार को मिथ्या सिद्ध करने वाले आचार्य शंकर संसार और समाज को सत्य और आनंद से भरने के लिए सक्रिय थे इसलिए उन्होंने पूरे भारत का भ्रमण किया था। उन्होंने जगह-जगह प्रवचन किए। तर्क हुए। सत्य का विशुद्ध प्रकाश था उनके अन्तस्तल में। एक आचार्य के रूप में उन्होंने स्थान-स्थान पर भ्रमण किया। विभिन्न मतों के नेताओं के साथ संवाद और शास्त्रार्थ हुए। परंपरागत वर्णनों के अनुसार, वे अपनी विजय यात्राओं में कुमारिल और मण्डन मिश्र के संपर्क में आए। आगे चलकर मण्डन मिश्र उनके शिष्य बने। अमरूक के मृत शरीर में शंकर के प्रवेश करने की कहानी यह प्रकट करती है कि शंकर योग सम्बंधी क्रियाओं में निपुण थे। उन्होंने राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता के लिए चार मठों की स्थापना की। जिनमें मुख्य मैसूर प्रांत में श्रृंगेरी में है। अन्य तीन मठ क्रमशः पूर्व में पुरी में, पश्चिम में द्वारका में और हिमालय प्रदेश में बद्रीनाथ में है।

समूचे विश्व में दो दिन पहले प्रख्यात दार्शनिक शंकराचार्य की जयंती के उत्सव आयोजित हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदि शंकराचार्य की जयंती के अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि तीन वर्ष पूर्व सितंबर में उन्हें आदि शंकराचार्य के पवित्र जन्मस्थान का दौरा करने का सौभाग्य मिला था। आदि शंकराचार्य की भव्य प्रतिमा उनके संसदीय क्षेत्र काशी में विश्वनाथ धाम परिसर में स्थापित की गई है। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के पवित्र केदारनाथ धाम में आदि शंकराचार्य की दिव्य प्रतिमा का अनावरण करने का भी उल्लेख किया। मोदी ने रेखांकित किया कि केरल से निकल कर आदि शंकराचार्य ने देश के विभिन्न भागों में मठों की स्थापना करके राष्ट्र की चेतना को जगाया। उन्होंने एकीकृत और आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध भारत की नींव रखी।

शंकराचार्य ने भारत के अद्वैत दर्शन को लेकर तमाम अभियान चलाए थे। उन्होंने देश की सांस्कृतिक एकता के लिए लगातार अभियान चलाए। उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम एकात्म ब्रह्म-दर्शन की धूम थी। शंकराचार्य विरल थे। अविश्वसनीय शिखर ऊँचाई से भी ऊंचे। पाताल की गहराई से भी गहरे। ब्रह्म की तरह प्रज्ञानी। उन्होंने अद्वैत दर्शन के सूक्ष्म सूत्रों का भाष्य किया। उन्होंने ज्ञान के समकालीन मानदण्डों, विश्वास व प्राचीन सूत्रों का प्राचीन परंपराओं के साथ समन्वय किया।

शंकराचार्य के समय की परिस्थितियाँ विचारणीय हैं। दक्षिण भारत में बौद्ध धर्म का ह्रास हो रहा था। जैन मत शिखर पर था। वैदिक परंपरा का भी ह्रास हो रहा था। शैव मतावलंबी भक्त (उदियार) और वैष्णव मत वाले भक्त (आलवार) भक्ति मार्ग का प्रचार कर रहे थे। मंदिरों में पूजा, पाठ, पर्व, त्यौहार प्रचलित थे। कुमारिल और मण्डन मिश्र ने अपने बौद्धिक ज्ञान के बल पर ज्ञान और संन्यास के महत्व को कम किया था। दोनों ने गृहस्थ आश्रम की उपयोगिता पर अधिक बल दिया था। इसी वातावरण में शंकराचार्य की प्रतिभा का विस्फोट हुआ था। वे सनातन धर्म के रक्षक थे और रूढ़ियों के विरोध में अभियान चला रहे थे। पूरे देश में वैदिक दर्शन की जगह पुराण ले रहे थे। शंकराचार्य ने पुराणों के प्रकाशमान स्वर्ग आकांक्षी युग के स्थान पर उपनिषदों के सत्य को फिर से लौटा लाने का अभियान चलाया।

धर्म की शक्ति को बड़ा बताया। डॉ. राधाकृष्णन ने लिखा है कि, उन्होंने अपने युग को धार्मिक दिशा में मोड़ने के प्रयत्न करने में अपने को विवश पाया। इसकी सिद्धि उन्होंने एक ऐसे दर्शन व धर्म की व्यवस्था के द्वारा सम्पन्न की जो बौद्ध धर्म, मीमांसा तथा भक्ति धर्म की अपेक्षा जनता की आवश्यकताओं को कहीं अधिक सन्तोषप्रद सिद्ध हो सकती थी। आस्तिकवादी सत्य को भावावेश के कुहरे से आवृत्त किए हुए थे।

जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण

प्रो. संजय द्विवेदी

मीडिया

हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं? हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं।

यह 'शब्द हिंसा' का समय है। बहुत आक्रमक, बहुत बेलगाम। ऐसा लगता है कि टीवी न्यूज मीडिया ने यह मान लिया है कि शब्द हिंसा में ही उसकी मुक्ति है। चीखते-चिल्लाते और दलों के प्रवक्ताओं को मुर्गो की तरह लड़ाते हमारे एंकर सब कुछ स्क्रीन पर ही तय कर लेना चाहते हैं।

यहां संवाद नहीं है, बातचीत भी नहीं है। विवाद और वितंडावाद है। यह किसी निष्कर्ष पर पहुंचने का संवाद नहीं है, आक्रामकता का वीभत्स प्रदर्शन है। निजी जीवन में बेहद आत्मीय राजनेता, एक ही कार में साथ बैठकर चैनल के दफ्तर आए प्रवक्तागण स्क्रीन पर जो दृश्य रचते हैं, उससे लगता है कि हमारा सार्वजनिक जीवन कितनी कड़वाहटों और नफरतों से भरा है। किंतु स्क्रीन के पहले और बाद का सच अलग है। बावजूद इसके हिंदुस्तान का आम आदमी इस स्क्रीन के नाटक को ही सच मान लेता है। लड़ता-झगड़ता हिंदुस्तान हमारा 'सच' बन जाता है। मीडिया के इस जाल को तोड़ने की भी कोशिशें नदारद हैं। वस्तुनिष्ठता से किनारा करती मीडिया बहुत खौफनाक हो जाती है।

सूचना और खबर के अंतर को समझिए-

हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं? हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं। जबकि संवाद और संचार की परंपरा में संवाद से संकटों के हल खोजने का प्रयत्न होता है। हमारी परंपरा में सही प्रश्न करना भी एक पद्धति है। सवालों की मनाही नहीं, सवालों से ही बड़ी से बड़ी समस्या का हल खोजना है, चाहे वह समस्या मन, जीवन या समाज किसी की भी हो। इस तरह प्रश्न हमें सामान्य सूचना से ज्ञान तक की यात्रा कराते रहे हैं। आज 'सूचना' और 'ज्ञान' को पर्याय बनाने के जतन हो रहे हैं। सच यह है कि 'सूचना' तो समाचार,खबर या न्यूज का भी पर्याय नहीं है। सूचना कोई भी दे सकता है। वह कहीं से भी आ सकती है। सोशल मीडिया आजकल सूचनाओं से ही भरा हुआ है। किंतु ध्यान रखें खबर, समाचार और न्यूज के साथ जिम्मेदारी जुड़ी है। संपादकीय प्रक्रिया से गुजरकर ही कोई सूचना,समाचार बनती है। इसलिए संपादक और संवाददाता जैसी संस्थाएं साधारण नहीं है।

हर व्यक्ति नहीं हो सकता पत्रकार-

यह कहना आजकल बहुत फैशन में है कि इस दौर में हर व्यक्ति पत्रकार है। हर व्यक्ति फोटोग्राफर है। हर व्यक्ति कम्युनिकेटर, सूचनादाता, मुखबिर हो सकता है, वह पत्रकार कैसे हो जाएगा? मेरे पास कैमरा है, मैं फोटो ग्राफर कैसे हो जाऊंगा। विशेष दक्षता और प्रशिक्षण से जुड़ी विधाओं को हल्का बनाने के हमारे प्रयासों ने ही हमारी मीडिया या संवाद की दुनिया को बहुत बड़ा नुक्सान पहुंचाया है। यह वैसा ही है जैसे कपड़े प्रेस करने वाले या प्रिंटिंग प्रेस वाले अपनी गाड़ियों पर 'प्रेस' का स्टिकर लगाकर घूमने लगें। मीडिया में प्रशिक्षण प्राप्त और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के बिना आ रही भीड़ ने अराजकता का वातावरण खड़ा कर दिया है। लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, बाबासाहेब आंबेडकर, पं. जवाहरलाल नेहरू, मदनमोहन मालवीय, माधवराव सप्रे जैसे उच्च शिक्षित लोगों द्वारा प्रारंभ और समाज के प्रति समर्पित पत्रकारिता वर्तमान में कहां खड़ी है। भारत सरकार के आग्रह पर प्रेस कौंसिल आफ इंडिया ने पत्रकारों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के निर्धारण के लिए एक समिति भी बनाई थी,

राज्य के अधिवक्ताओं को सशक्त करने की सोच है। राज्य में न्यायिक व्यवस्था से जुड़ें अधिवक्ता का स्वास्थ्य बीमा कार्ड दिया गया।

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज

अनिल सिन्हा की मां निधन

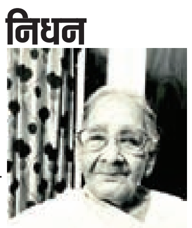

रामगढ़। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा रामगढ़ जिला के जिला सचिव और गोला निवासी अनिल सिन्हा की मां एवं प्रसिद्ध समाजसेवी स्वर्गीय प्रधान भुवनेश्वर प्रसाद उर्फ भून्ना बाबू की पत्नी प्रेमलता सिन्हा (उम्र 93 वर्ष) का शनिवार की शाम निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार रविवार को किया गया। जिसमें समाज के कई लोग शामिल हुए। वह अपने पीछे छह पुत्र एवं एक पुत्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। उन्हें मुखाग्नि उनके छोटे पुत्र संजय कुमार सिन्हा ने दी। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा रामगढ़ जिला अध्यक्ष अरुण सिन्हा ने अनिल सिन्हा की मां के निधन पर गहरा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उनके निधन से कायस्थ समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। हमने अपने परिवार के एक महत्वपूर्ण स्तंभ को खो दिया है ईश्वर पवित्र आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे और परिजनों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करे। इस दुख की घड़ी में कायस्थ महासभा शोक संतप्त परिजनों के साथ खड़ी है।

कुजू : जनता मजदूर संघ की बैठक

कुजू। नयामोड़ स्थित जनता मजदूर संघ कार्यालय में बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता संघ के क्षेत्रीय सचिव जगदीश महतो ने किया। 5 मई को सीएमपीडीआई रांची में राष्ट्रीय कन्वेंशन में जनता मजदूर संघ के केंद्रीय महामंत्री सह जेबीसीसीआई मेंबर सिद्धार्थ गौतम, एवं हिंद मजदूर सभा (एचएमएस) हरभजन सिंह सिद्धू शामिल होंगे। इसकी तैयारी को लेकर क्षेत्रीय कार्यालय यूनियन ऑफिस में एक बैठक की गई। बैठक में कुजू क्षेत्र से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम रांची में भाग लेने का निर्णय लिया गया। बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष उमेश प्रसाद साव, पुंडी सचिव ब्रह्मदेव राम, नंदकिशोर प्रसाद, राजकुमार महतो, शशि कुमार, अख्तर हुसैन, मेघलाल मंडल, अशु कुमार, कपिल मंडल, राजेंद्र महतो राजू आदि शामिल थे।

सेवा मंच ने गरीबों को कराया भोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। सेवा मंच ने रविवार को साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में दुर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले गरीबों के बीच भोजन का वितरण किया। इस दौरान मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह और सदस्यों ने लगभग 150 गरीब- जरूरतमंद महिला-पुरुष और बच्चों के बीच भोजन का वितरण किया। मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। ऐसे नेक कार्यों में सबों को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जन सहयोग के माध्यम से पिछले 9 वर्षों से मंच द्वारा गरीबों को भोजन कराया जाता रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा ही मंच उद्देश्य है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह, उमाशंकर जायसवाल, लालू उरांव, विजय राम, लखन राम, कारू यादव, सुकरा करमाली, महावीर घटवार, मो. शाहिद सहित कई लोगों का विशेष योगदान दिया।

लपंगा में बच्चियों को मिला लहंगा

भुरकुंडा (रामगढ़)। लपंगा पंचायत अंतर्गत कोल कंपनी क्षेत्र में रविवार को सांसद मनीष जायसवाल के सौजन्य से जरूरतमंद बच्चियों के बीच लहंगा सेट का वितरण किया गया। भाजपा भदानीनगर मंडल के सांसद प्रतिनिधि सुरेंद्र करमाली, मंडल उपाध्यक्ष अनूप कुमार ठाकुर, महामंत्री राजेंद्र मुंडा द्वारा स्व. भुवाल प्रसाद एवं उर्मिला देवी की पुत्री सीतु कुमारी को भी उपहार स्वरूप लहंगा दिया। मौके पर विद्यासागर ओझा, गणेश करमाली, श्रवण ठाकुर, विवेक कुमार, चंदन कुमार, काजल कुमारी, राज गंझू सहित कई ग्रामीण मौजूद थे। इधर 28 नंबर स्थित नेहरू पुस्तकालय के समीप गिरवर साव की पुत्री ललिता कुमारी को भी यह उपहार भेंट किया गया।

बोंगाबार में मंडा पूजा 12 मई को

कुजू। बोंगाबार मंडा टांड स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में रविवार को मंडा पूजा मनाने को लेकर ग्रामीणों की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रेमलाल महतो ने किया। बैठक में लोगों ने इस वर्ष भी मंडा पूजा की चर्चा की। छऊ नृत्य, बनस झूला, फूलखूंदी समेत अन्य धार्मिक अनुष्ठान को लेकर विचार विमर्श किया। 12 मई को आयोजित होने वाले मंडा पूजा को सफल बनाने के लिए कमिटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष कमलनाथ पंडा, उपाध्यक्ष विश्वामित्र महतो, सचिव सुरेंद्र महतो, उप सचिव प्रेमलाल महतो, कोषाध्यक्ष प्यारेलाल महतो को बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्यों में फुलेश्वर महतो, तेजनारायण कुशवाहा, वीरेंद्र साव, महेश महतो, संतोष करमाली, दिनेश कुशवाहा, अशोक करमाली, बसंत प्रजापति, तिलेश्वर कुशवाहा आदि शामिल हैं।

मांडू प्रखंड में लहंगा वितरित

कुजू। मांडू प्रखंड के कई पंचायत में सांसद मनीष जायसवाल के सौजन्य से उपलब्ध कराए गए लहंगा का वितरण किया गया। कुजू पश्चिमी पंचायत के अनुराधा कुमारी माता उर्मिला देवी,ओरल पंचायत के रुनु देवी पिता सावन मुंडा, दयांती देवी पिता गोपाल नायक,मंझला चुंबा में कविता कुमारी पिता संतोष सिंह,बड़का चुंबा में चंदा कुमारी पिता शंभू राम को श्री राम लहंगा का वितरण किया गया। मौके पर विधानसभा सांसद प्रतिनिधि द्वारिका सिंह उर्फ खोखा सिंह, विधानसभा मीडिया संसद प्रतिनिधि रीमा कुमारी उपस्थित थे।

गोन्दलपुरा में उठी अस्मिता की आग

आंदोलन जमीन से बढ़कर बना संस्कृति और अधिकार की लड़ाई

अभय सिंह

हजारीबाग। बड़कागांव का गोन्दलपुरा गांव आज केवल एक कोयला खनन परियोजना का विरोध नहीं कर रहा। यह गांव अब पूरे राज्य के लिए एक सवाल बन गया है। विकास की कीमत क्या होनी चाहिए? और क्या उसमें जन-सहमति, संस्कृति और संवेदनशीलता का स्थान है? साल 2023 में अदानी समूह को गोन्दलपुरा कोल ब्लॉक सौंपे जाने के बाद से इस गांव में जो हलचल शुरू हुई थी, वह अब जनचेतना की लहर बन चुकी है। जहां एक तरफ कंपनी विकास और रोजगार की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण कह रहे हैं कि यह जमीन नहीं, ज़िंदगी की लड़ाई है। धरना स्थल अब केवल विरोध का स्थान नहीं, बल्कि एक जीवंत सांस्कृतिक मंच बन चुका है। यहां हर सुबह महिलाएं पारंपरिक गीतों और नृत्यों के साथ नारे लगाती हैं, जंगल हमारा है, धरती हमारी मां है। गांव की महिलाओं ने आंदोलन की अगुआई संभाल ली है। एक बुजुर्ग महिला कहती हैं कि पुरुष थकते हैं, तो हम संभाल लेते हैं। क्योंकि जंगल और खेत ने ही हमें जीना सिखाया है।

संस्कृति: ग्राम देवस्थलों, परंपराओं और आदिवासी त्योहारों पर संकट।

भाषा: क्षेत्रीय बोलियां और कहानियां खोने के कगार पर।

समुदाय: विस्थापन से सामाजिक ढांचा टूटने की आशंका।

कुछ दिन पहले उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में पुनर्वास समीक्षा समिति की बैठक हुई, जिसमें सांसद मनीष जायसवाल, विधायक रोशन लाल चौधरी, अडानी समूह के प्रतिनिधि और ग्रामीण जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

इस बैठक में विस्थापित क्षेत्रों के लिए स्मार्ट स्कूल, खेल मैदान, विश्वस्तरीय अस्पताल और अन्य सुविधाओं की मांग रखी गई। सांसद ने मुआवजा और जमीन की दर बढ़ाने की मांग की तथा स्थानीय लोगों को नौकरी में प्राथमिकता देने की बात कही। परंतु आंदोलनकारियों का स्पष्ट कहना है कि विकास का मतलब यह नहीं कि हमारी जमीन, परंपरा और भाषा छीन ली जाए।

अब आंदोलन को मिल रहा है राज्यभर से समर्थन : झारखंड के विभिन्न जिलों से सामाजिक संगठनों, क्षेत्रीय कलाकारों, कवियों और बुद्धिजीवियों का समर्थन गोन्दलपुरा पहुंच रहा है। एक स्थानीय पत्रकार कहते हैं कि गोन्दलपुरा अब झारखंड की अस्मिता का केंद्र बन गया है। यह सिर्फ विरोध नहीं, चेतना है। नतीजा क्या होगा? जब तक ग्रामवासियों की उनकी शर्तों पर, उनकी अस्मिता के सम्मान के साथ समाधान नहीं मिलेगा, यह आंदोलन थमने वाला नहीं। यह हमें याद दिलाता है कि किसी भी योजना की सफलता तभी संभव है, जब उसमें इंसानियत, इतिहास और जमीन की आत्मा को समझा जाए। गोन्दलपुरा की यह जंग न केवल झारखंड, बल्कि देशभर में चल रही प्राकृतिक संसाधनों की लड़ाइयों का आइना है। यह दिखाता है कि विकास की परिभाषा अब एकतरफा नहीं रह सकती।

दलाल समझने की प्रवृत्ति बनी आंदोलन की सबसे बड़ी बाधा

गोन्दलपुरा में दो साल से चल रहा आंदोलन साहसिक जरूर है, लेकिन अब तक अपेक्षित परिणाम नहीं ला पाया। आंदोलन की शुरुआत में ग्रामीणों ने स्थानीय पत्रकारों पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए उनका बहिष्कार कर दिया था। ग्रामीणों का मानना था कि कुछ पत्रकार कंपनियों से मिले हुए हैं और सच नहीं दिखाते। इसी रवैये के कारण कई पत्रकारों के साथ बदसलूकी हुई, जिससे मीडिया ने घटनास्थल से दूरी बना ली। लेकिन किसी भी जनआंदोलन के लिए मीडिया की भागीदारी बेहद जरूरी होती है, यही कमी आंदोलन को कमजोर करती रही। अब ग्रामीणों को भी यह समझ आने लगा है। स्थानीय पत्रकारों को दोबारा जोड़ा गया है और वे अब आंदोलन की खबरों को प्रमुखता दे रहे हैं। यही कारण है कि गोन्दलपुरा का आंदोलन अब फिर चर्चा में है।

कोयले के कारोबार में चरही व मांडू में दलालों का जलवा

करोड़ों के इस खेल में ऊपर तक सांठगांठ

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग/चरही। एक समय था जब कहा जाता था, कोयले की दलाली में मुँह काला होता है, लेकिन अब हकीकत कुछ और है। अब कोयले की दलाली में मुँह नहीं, जेबें लाल हो रही हैं, दौलत से, रसूख से और राजनीतिक संरक्षण से। हजारीबाग जिले के चरही, मांडू और आगे के इलाके इस समय कोयले की अवैध तस्करी के सबसे बड़े अड्डों में बदल चुके हैं, जहाँ हर रात कानून को ठेंगा दिखाकर दौलत का काला खेल खेला जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, इन इलाकों में एक संगठित सिंडिकेट सक्रिय है, जिसमें दलालों से लेकर फर्जी पत्रकार, स्वयंभू समाजसेवी और थाना स्टाफ तक की हिस्सेदारी है। हर दिन दर्जनों ट्रकों में अवैध कोयला लोड होकर निकलता है, और हर ट्रक के पीछे होती है नोटों की बरसात और साजिशों की चुप्पी। अंदरूनी खबरों की मानें तो इस सिंडिकेट से जुड़े कई चेहरों के पास बेनामी संपत्ति, लग्जरी गाड़ियां और शहर के पॉश इलाकों में मकान हैं। यदि इन पर रेड हो जाए, तो करोड़ों की संपत्ति और तस्करी का जखीरा सामने आ सकता है। सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि स्थानीय पुलिस के सूत्र इतने तेज हैं कि किसके घर में क्या पक रहा है, ये बता देते हैं। लेकिन उन्हें अब तक यह नहीं पता चल पाया कि इस रैकेट का असली मास्टरमाइंड कौन है, या शायद जानबूझकर पता नहीं चल रहा? क्योंकि कई नाम तो मीडिया रिपोर्ट्स में पहले ही आ चुके हैं।

कोई शक नहीं कि करोड़ों के इस खेल में बहुत ऊपर तक सांठगांठ है। सवाल यह नहीं कि जानकारी उपलब्ध नहीं है, सवाल यह है कि कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या प्रशासन की चुप्पी किसी अदृश्य दबाव का संकेत है? अब वक्त आ गया है कि जांच एजेंसियां इस सिंडिकेट पर नकेल कसें और दिखाएं कि कानून की लाठी में दम अभी बाकी है। वरना चरही-मांडू जैसे इलाके धीरे-धीरे तस्करी के गढ़ बनते रहेंगे, और लोकतंत्र की नींव में कोयले की कालिख भरती रहेगी। जनता पूछ रही है कि किसकी जेब में बंधा है सिस्टम?

संविधान बचाओ रैली को लेकर कांग्रेस की बैठक

विष्णुगढ़। रांची के धुर्वा मैदान में 6 मई को संविधान बचाओ रैली की तैयारी को लेकर रविवार को प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई। इसमें मुख्य रूप से प्रखंड पर्यवेक्षक शारदा रंजन दुबे के अलावा असगर अली शामिल हुए। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अब्बास अंसारी व संचालन नारायण महतो ने किया। बैठक में कार्यकर्ताओं ने महारैली की तैयारी को लेकर अपने विचार रखे। पर्यवेक्षक ने कहा कि जातीय जनगणना की घोषणा कांग्रेस पार्टी की बड़ी जीत है। पार्टी ने इसके लिए सड़क से सदन तक लंबी लड़ाई लड़ी। अब यह घोषणा सिर्फ घोषणा बनकर नहीं रह जाये, इसके लिए आंदोलन जारी रखना होगा।

प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि रैली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई राष्ट्रीय नेतागण भाग लेंगे। इसमें सभी पंचायतों से बढ़-चढ़कर भागीदारी सुनिश्चित करना है। बैठक में गुलाब राम, रामजन्म राय, मुखिया उत्तम महतो, अफरोज अंसारी, शिव प्रसाद लाहकार, कमरुल अंसारी, मो. आसिफ अंसारी, विशेश्वर प्रसाद स्वर्णकार, फिरोज अंसारी, दशमी कुमारी, त्रिवेणी मंडल व अन्य उपस्थित थे।

कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दूबे का मनीष जायसवाल ने किया स्वागत

हजारीबाग। रविवार को कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दूबे का रामगढ़ में सांसद मनीष जायसवाल ने पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। उन्होंने मंत्री दूबे को अंगवस्त्र और फूल माला भेंट की तथा उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। दूबे रामगढ़ में एक विशेष कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे, जहाँ उन्होंने कोयला क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी साझा की। स्वागत करने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, जिला महामंत्री राजू चतुर्वेदी, विजय जायसवाल, वरिष्ठ नेता कुंटू बाबू, रणजीत पांडे, छोटन सिंह, सरदार अनमोल सिंह, सुर्यवंश श्रीवास्तव, ऋषिकेश सिंह, शीतल सिंह, कुणाल दास, राजेश ठाकुर, मणिशंकर ठाकुर, मिथलेश मंडल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

पतरातू में संविधान बचाओ रैली को लेकर बैठक

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 6 मई को रांची के धुर्वा स्थित पुराने विधानसभा मैदान में आयोजित संविधान बचाओ रैली की तैयारियों को लेकर रविवार को भुरकुंडा पंचायत भवन में पतरातू प्रखंड कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अध्यक्षता सुजीत पटेल ने किया। बैठक में मुख्य रूप से कांग्रेस जिला प्रभारी शांतनु मिश्रा उपस्थित थे। बैठक में संगठन की मजबूती पर चर्चा करते हुए 6 मई को रांची के धुर्वा स्थित पुराने विधानसभा मैदान में आयोजित संविधान बचाओ रैली की तैयारियों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। मौके पर कांग्रेस जिला प्रभारी शांतनु मिश्रा ने बताया कि रैली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू समेत कई वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता भाग लेंगे। उन्होंने रैली में भारी से भारी संख्या में शामिल होकर इसे ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष सुजीत पटेल, चमन लाल, राज किशोर पांडेय, अनिल सिंह, अमित कुमार, अमर यादव, अजय पांडेय, प्रेम विश्वकर्मा, इकबाल हुसैन, प्रदीप साहू, विक्की रजक, प्रकाश कुमार, खुशबू देवी, इशरत जहां सहित दर्जनों कांग्रेसी मौजूद थे।

लायंस क्लब ने शीतला देवी मंदिर में किया भंडारा

सैंकड़ों गरीबों को कराया भोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा ने प्रत्येक सप्ताह की भांति इस शनिवार को भी भुरकुंडा के पटेलनगर सयाल मोड़ स्थित मां शीतला देवी मंदिर में नर सेवा नारायण सेवा कार्यक्रम के तहत भव्य भंडारा किया। सर्वप्रथम पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मां को लड्डू का भोग चढ़ाया गया। इसके बाद भव्य भंडारा का आयोजन कर लायंस क्लब के लोगों द्वारा फूड फॉर हंगर के तहत सैकड़ों जरूरतमंदों को खिचड़ी रूपी प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद लिया गया। बताया गया कि प्रत्येक सप्ताह लायंस परिवार के सदस्यों द्वारा व्यक्तिगत सहयोग से इस तरह का आयोजन किया जाता रहा है। मौके पर क्लब की अध्यक्ष लायन रेखा वर्णवाल, सचिव अंजू देवी और कोषाध्यक्ष शिवा प्रसाद ने बताया कि लायंस क्लब समाज के निचले स्तर पर जीवन यापन कर रहे लोगों को ध्यान में रखकर सामाजिक उत्थान का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि गरीबों को भोजन कराना बड़ा पुण्य का कार्य है। जरूरतमंदों की सेवा ही कल्ब का उद्देश्य है, जो निरंतर जारी रहेगा। लायंस परिवार ने ऐसे नेक और सामाजिक कार्यों में सबों को सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब की अध्यक्ष रेखा वर्णवाल, सचिव अंजू देवी, कोषाध्यक्ष शिवा प्रसाद, जोन चेयरपर्सन एमजेएफ डॉ राजेंद्र महतो, जिला चेयरपर्सन अशोक सिन्हा, जिला चेयरपर्सन अखिलेश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष माला शर्मा, लायन विजयंत कुमार, लायन डॉ एमके मंजुल, सुबेदार एएन वादव, लायन दीनबंधु सिंह, लायन विजय वर्णवाल, एमजेएफ संजय जयसवाल, लायन भूपेंद्र सिंह सैनी उर्फ जीबु आदि का विशेष योगदान रहा।

एक नजर में

ब्राउन शुगर की चपेट में हजारीबाग

हजारीबाग। हजारीबाग में एक खामोश तबाही जारी है, ऐसी तबाही, जो न बम से हो रही है, न गोली से, बल्कि एक पैकेट में बंधी उस जहर से जो ब्राउन शुगर के नाम से कुख्यात है। गांव से लेकर शहर तक, स्कूल से लेकर मोहल्लों तक, यह नशा पीढ़ियों को निगल रहा है और सिस्टम बेबस नहीं, बल्कि शायद सेट है। हजारीबाग जिले में ब्राउन शुगर की जड़ें गांव-गांव तक फैल चुकी हैं। दिपुगढ़ा, कोर्रा, पेलावल, बड़ी बाजार, खिरगांव, लाख, बुच्चर टोली जैसे इलाकों में यह मौत का सौदा दिन-दहाड़े खुलेआम हो रहा है। नशे की गिरफ्त में गरीब तबके के बच्चे तक आ चुके हैं। इन माफिया युवाओं को पहले नशे का आदी बनाते हैं, फिर पैसों का लालच देकर उन्हें पेडलर में तब्दील कर देते हैं। इनसे जुड़ी घटनाएं जैसे चोरी, छिनतई, बलात्कार, हत्या और आत्महत्याएं अब आम हो चली हैं। इतना ही नहीं, देश में होने वाली कई आतंकी घटनाओं में भी इनसे कनेक्शन सामने आता रहा है। इसके बावजूद सरकार, जनप्रतिनिधि और समाजसेवी वर्ग की चुप्पी खतरनाक संकेत देती है। सूत्रों का दावा है कि इन इलाकों में कई फर्जी समाजसेवियों और स्थानीय पुलिस के कुछ अधिकारियों को इन पेडलर्स से मैनेज कर रखा है। हर महीने तय रकम पहुंचाई जाती है ताकि कोई सवाल न उठे, कोई कार्रवाई न हो। सिस्टम की ये खामोशी बताती है कि या तो वो बिक चुका है, या फिर उसे समाज के बच्चों की कोई परवाह नहीं। अब सवाल यह है कि क्या हम एक पूरी पीढ़ी को यूँ ही नशे की आग में जलते देखते रहेंगे? या कभी कोई ऐसा भी आएगा जो इस आग पर पानी फेकेगा, और उस सिस्टम को झकझोड़ेगा जो अब आँख, कान और जमीर तीनों बंद कर चुका है?

एफआइआर के खिलाफ पत्रकार ने किया प्रदर्शन

हजारीबाग। हजारीबाग में रविवार को पत्रकारिता की गरिमा व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा को लेकर आवाज बुलंद हुई। रांची के पत्रकार कुमार कौशलेंद्र के खिलाफ स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी द्वारा की गई झूठी एफआईआर के विरोध में पत्रकारों ने समाहरणालय चौक पर काली पट्टी बांधकर जोरदार प्रदर्शन किया। आरोप है कि यह मामला सरकार की आलोचना को दबाने का कुत्सित प्रयास है। एफआईआर की चिंगारी उस वक्त भड़की जब पत्रकार के बहुचर्चित शो श्वेबाकर में रिम्स के निदेशक डॉ. राजकुमार की बर्खास्तगी और हाईकोर्ट से बहाली के मुद्दे को उठाया गया। स्वास्थ्य मंत्री इससे बौखला गए और अपने सचिव के माध्यम से रांची के जगन्नाथपुर थाने में मानहानि का मामला दर्ज करवा दिया। हजारीबाग के पत्रकारों ने इस एफआईआर को मनगढ़ंत, असंवैधानिक और लोकतंत्र विरोधी बताया है। प्रेस क्लब ने कहा कि पत्रकार निधि है, लेकिन उन्हें अपने अधिकार लेने भी आते हैं। यदि मुकदमा वापस नहीं लिया गया, तो चरणबद्ध और उग्र आंदोलन होगा। विरोध प्रदर्शन में शामिल पत्रकारों ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं, बल्कि पूरे मीडिया जगत की आवाज है। राज्य भर के पत्रकार इस कार्रवाई से आक्रोशित हैं। यदि पत्रकारों की कलम को दबाने की कोशिशें जारी रहीं, तो सड़कों पर उतरकर लोकतंत्र की रक्षा के लिए आंदोलन तेज होगा। हजारीबाग से उठी यह आवाज अब राज्यव्यापी आंदोलन की शक्ल ले रही है।

यज्ञ और प्राण प्रतिष्ठा में शामिल हुये सांसद

कटकमदाग। रविवार को सांसद मनीष जायसवाल ने कदमा के शिवदयाल नगर स्थित त्रिदेव मंदिर में चल रहे श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ सह शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में भाग लिया। यह आयोजन क्षेत्रवासियों की धार्मिक आस्था का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने यज्ञ मंडप की परिक्रमा करते हुए क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इसी दिन सांसद जायसवाल ने कटकमदाग प्रखंड के हाथामेढ़ी गांव में चल रहे श्री श्री 1008 रुद्र महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन भी भाग लिया। उन्होंने वहाँ एक बहन को शादी पूर्व शुभकामनाओं सहित लहंगा भेंट किया, जिससे स्थानीय लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। आयोजन स्थल पर अजय कुमार साहू, दीपक सिंह, सतपाल सिंह, विजय वर्णवाल, सुनील तिवारी, सुधीर चौधरी, राजेश सिन्हा, गोपाल गौर, सुधीर पांडेय, दीपक सिन्हा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इन आयोजनों में सांसद की उपस्थिति ने स्थानीय लोगों को गौरव की अनुभूति कराई। यज्ञ, भागवत कथा और प्राण प्रतिष्ठा जैसे आयोजनों से सामाजिक और सांस्कृतिक एकता को बल मिल रहा है।

भुरकुंडा में साहित्यिक संध्या कार्यक्रम

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखंड राष्ट्रभाषा परिषद एवं वरिष्ठ नागरिक मंच भुरकुंडा के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार देर शाम भुरकुंडा पंचायत भवन में साहित्यिक कार्यक्रम हुआ, जिसमें हिंदी एवं खोरठा के प्रख्यात कवि, साहित्यकार सह झारखंड राष्ट्रभाषा परिषद के महासचिव डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर द्वारा स्वरचित दो नवीनतम हिंदी पुस्तक हाकली और फूल तथा गांधी मानस का भव्य लोकार्पण किया गया। डॉ. गजाधर महतो प्रभाकर ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण है। कली और फूल भावनाओं की कोमलता को अभिव्यक्त करती है, गांधी मानस महात्मा गांधी के विचारों को आज की पीढ़ी से जोड़ने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि मेरा उद्देश्य नई पीढ़ी को साहित्य और आदर्शों से जोड़ना है। झारखंड राष्ट्रभाषा परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष विनय कुमार चौहान ने कहा कि ये हमारे संस्था के लिए गौरव का क्षण है कि परिषद के महासचिव डॉ. गजाधर प्रभाकर महतो की लेखनी से खोरठा एवं हिंदी साहित्यिक क्षेत्र में नित्य नए उपलब्धियां मिल रही है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि श्री महतो द्वारा स्वरचित लगभग दो दर्जन खोरठा एवं हिंदी की पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। जिनमें कुछ झारखंड के पाठ्यक्रम एवं प्रतियोगी परीक्षाएं की तैयारियों में छात्रों के लिए सहायक सिद्ध हो रही है। समाजसेवी आरपी राणा ने उनकी साहित्यिक सफलता एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्री महतो हमारे क्षेत्र के नायाब हीरा हैं, जिन्हें संजोकर रखने की जरूरत है। कार्यक्रम का समापन सम्मान पत्र वितरण एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम में विनय कुमार चौहान, आरपी राणा, डॉ. एनके सिंह, केपी मुखर्जी, परमजीत सिंह धामी, अजीम अंसारी, अशोक चौहान, प्रवीर कुमार चटर्जी, शशिकांत प्रसाद, आनंद बारला, रूपेश विश्वकर्मा, शिवशंकर सिंह, कैलाश राम, अशोक कुमार मिश्रा, नवीन कुमार सिंह, नित्यानंद पाठक, नईम खान, बबन मिश्रा, सुरेश महतो, विजय कुमार, रामअशीष यादव सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग एवं साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

इतिहास गवाह है कि कई शताब्दियां बीत गईं लेकिन मानव सामाजिक न्याय को प्राप्त करने के लिए भटकता रहा है और इसी कारण दुनिया में कई युद्ध, क्रांति, बगावत, और विद्रोह हुए हैं, जिसके कारण अनेक बार सत्ता परिवर्तन हुए हैं। अगर भारत की बात की जाये तो हमारा भारतीय समाज पहले वर्ण व्यवस्था आधारित था जो धीरे-धीरे बदलकर जाति व्यवस्था में परिवर्तित हो गया। आजादी के बाद हमारे विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र पर यदि नजर डालें तो कुछ परिवर्तन तो अवश्य हुआ है लेकिन अभी भी समाज का बड़ा हिस्सा न्याय की तलाश में भटकता नजर आता है। अदालतों में विचाराधीन मुकदमों को देखा जाये जो कोई तीन करोड़ की संख्या है जिसका निपटारा कब तक हो पायेगा यह कह पाना मुश्किल है। मुकदमों का यह पिरामिड देशवासियों के लिए चिंता और भय का कारण है। यूं अदालती फैसलों में पांच-छह साल लगना तो सामान्य-सी बात है, पर विडंबना यह है कि बीस-तीस साल में भी निपटारा न हो तो आम लोगों के लिए यह किसी भयावह त्रासदी से कम नहीं है।

चर्चा में : सामाजिक न्याय और न्यायपालिका की भूमिका

शैलेन्द्र चौहान

न्याय का मौलिक सिद्धांत यह है कि 'न्याय में बिलंब होने का मतलब न्याय को नकारना है'। त्रासदी यह कि देश की अदालतों में जब करोड़ों मामलों में नित्य न्याय नकारा जा रहा हो तो आम आदमी को न्याय सुलभ हो पाना मृग मरीचिका जैसा ही है। यह भी एक कड़वी सच्चाई है कि दलित अत्याचार संबंधी कानून को कभी ठीक से लागू ही नहीं किया गया। दलित अत्याचार के मामले जल्दी निपटाने के लिए न तो विशेष अदालतें बनाई गई और न ही पुलिस अधिकारियों को दलितों-आदिवासियों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने के लिए कानून के अहम प्रावधानों के बारे में ठीक से अवगत कराने का प्रयास हुआ। वस्तुतः अदालतों में त्वरित निर्णय न हो पाने के लिए प्रशासनिक कार्यप्रणाली ही ज्यादा दोषी है जो अंग्रेजी शासन की देन है। उसमें व्यावहारिक परिवर्तन आज तक नहीं किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश हों, देश के विधि मंत्री हों या अन्य और लंबित मुकदमों के अंबार को देखकर चिंता में डूब जाते हैं, लेकिन किसी को हल नजर नहीं आता है। उधर, सुप्रीम कोर्ट अदालतों में जजों की कमी का रोना रोता है। उनके अनुसार उच्च न्यायालय के लिए 1500 और निचली अदालतों के लिए 23000 जजों की आवश्यकता है। अभी की स्थिति यह है कि उच्च न्यायालयों में ही 280 पद रिक्त पड़े हैं। जजों की कार्य कुशलता के संबंध में

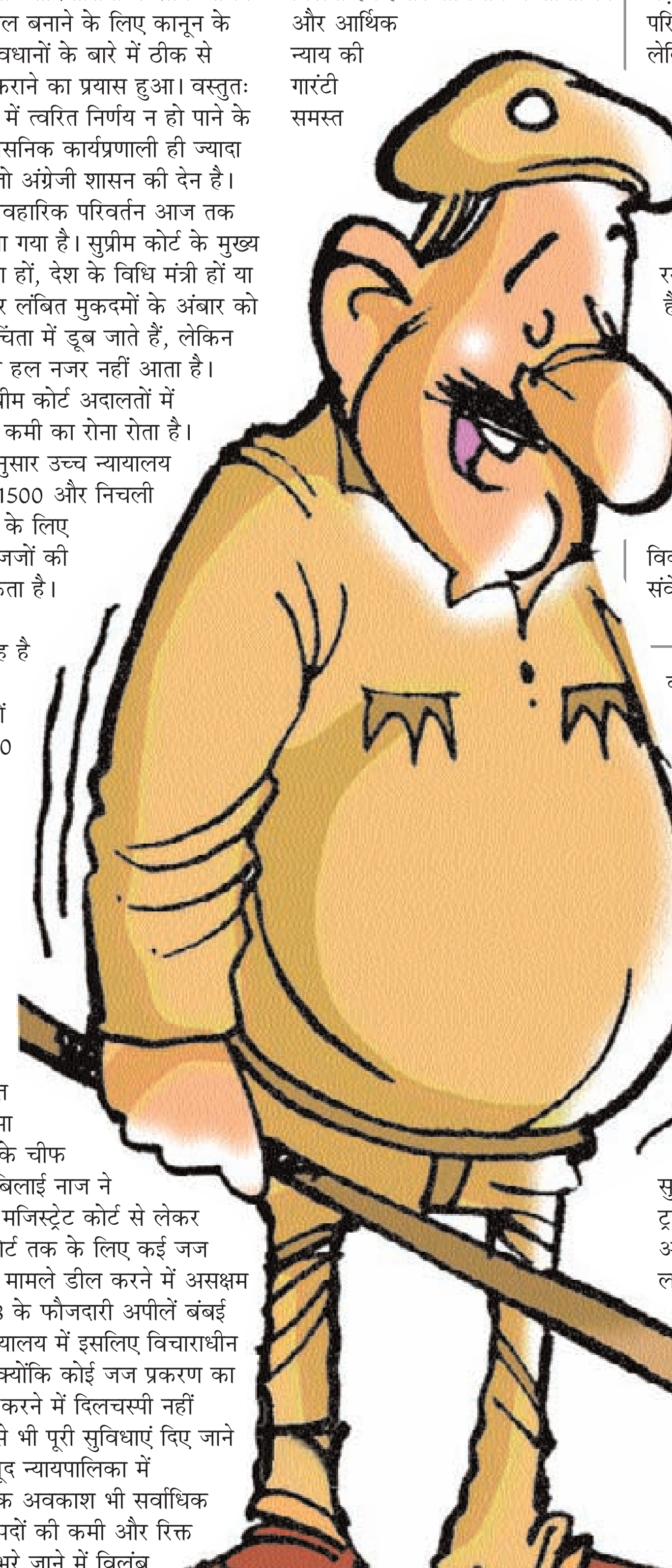

सेवानिवृत्त हुए उड़ीसा हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस बिलाई नाज ने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक के लिए कई जज फौजदारी मामले डील करने में असक्षम हैं। 1998 के फौजदारी अपीलें बंबई उच्च न्यायालय में इसलिए विचाराधीन पड़ी हैं, क्योंकि कोई जज प्रकरण का अध्ययन करने में दिलचस्पी नहीं लेता। वैसे भी पूरी सुविधाएं दिए जाने के बावजूद न्यायपालिका में सार्वजनिक अवकाश भी सर्वाधिक होते हैं। पदों की कमी और रिक्त पदों को भरे जाने में विलंब ऐसी समस्याएं हैं, जिनका निराकरण जल्दी होना चाहिए किंतु यहां भी यथावत शिथिलता देखी जा सकती है। समाचार-पत्रों और टीवी के सर्वव्यापी अस्तित्व के बावजूद नोटिस तामील के लिए उनका सहारा नहीं लिया जाता। नोटिस तामील होने में अत्यधिक वक्त जाया होता है। आवश्यकता इस बात की है कि कानूनों में तत्संबंधी सुधार कर जमानत और अपीलों की चेन में कटौती की जाए और रोज पेशियां बढ़ाने पर बंदिश लगाई जाए। सच्चाई तो यह भी है कि न्यायपालिका की शिथिलता और अकुशलता से अपराध और आतंकवाद को भी बढ़ावा मिलता है। हमारे संविधान में सामाजिक और आर्थिक न्याय की गारंटी समस्त नागरिकों को एवं जीवन जीने की गारंटी प्रत्येक व्यक्ति को दी गई है। सामाजिक न्याय का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत हित और सामाजिक हित के बीच सामंजस्य स्थापित करना है। इसलिए कल्याणकारी राज्य की कल्पना संविधान निर्माताओं ने की थी। बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय को ध्यान में रखते हुये समाजवादी व्यवस्था का प्रावधान भी रखा गया। पर राजनीतिक स्वार्थों और राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी ने समाजवादी स्वप्न साकार नहीं होने दिया। राजनीतिक और ब्यूरोक्रेट भ्रष्टाचार में लिप्त होते गए। देश में भ्रष्टाचार इतना सर्वव्यापी हो चुका है कि सम्प्रति व्यवस्था का कोई भी कोना उसकी सड़ांध से बचा नहीं है, लेकिन फिर भी उच्च स्तरीय न्यायपालिका कुछ अपवाद छोड़कर सामान्यतया साफ-सुथरी ही कही जाएगी। 2007 की ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के प्रतिवेदन अनुसार निचले स्तर की अदालतों में लगभग 2630 करोड़ रुपये बतौर रिश्वत दिया गया। अब तो पश्चिम बंगाल के न्यायमूर्ति सेन और कर्नाटक के दिनकरन जैसे मामले प्रकाश में आने से न्यायपालिका की धवल छवि पर कालिख के छींटे पड़े हैं। मुकदमों के निपटारे में विलंब का एक कारण भ्रष्टाचार भी है। उच्चतम न्यायालय और हाइकोर्ट के जजों को हटाने की सांविधानिक प्रक्रिया इतनी जटिल है कि कार्रवाई किया जाना बहुत कठिन होता है। न्यायिक आयोग के गठन का मसला सरकारी झूले में वर्षों से झूल रहा है। एक पहलू यह भी है कि यदि विगत छह दशकों में राज्य के तीन अंगों अर्थात विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका के प्रदर्शन पर नजर डाली जाए तो इनमें न्यायपालिका को बेहतर माना जाएगा। अनेक अवसरों पर उसने विधायिका और कार्यपालिका द्वारा संविधान के उल्लंघन को रोका है।

उसकी सक्रियता ने जनजीवन में एक नई उम्मीद भी पैदा की लेकिन न्यायालय से पूर्व की न्याय प्रक्रिया किस तरह प्रारम्भ होती है इसे भी देखना आवश्यक है। सवाल यह है कि आखिर क्या वजह रही कि पुलिस व्यवस्था विफलता और भ्रष्टाचार के कगार पर है। 'इण्डिया करप्शन एंव ब्राइवरी रिर्पोट' के अनुसार भारत में रिश्वत मांगे जाने वाले सरकारी कर्मचारियों में से तीस प्रतिशत की भागीदारी तो मात्र पुलिस तंत्र की है। भारत में पुलिस के हस्तक्षेप का दायरा बहुत ही विस्तृत है इसीलिए पुलिस के पास असीमित अधिकार हैं। वह राज्य सत्ता की सबल संस्था है, सत्ता का सशक्त औजार भी है। जाहिर है उसका चरित्र राजसत्ता के चरित्र से अलग नहीं हो सकता।

पुलिस सत्ता के साथ

हांलाकि पुलिस तंत्र की स्थापना कानून-व्यवस्था को कायम रखने के लिये की गई थी तथा आज भी सामाजिक सुरक्षा तथा जनजीवन को भयमुक्त एंव सुचारू रूप से चलाना पुलिस तंत्र का विशुद्ध कर्तव्य है। इस क्षेत्र में पुलिस को पर्याप्त लिखित एंव व्यावहारिक अधिकार भी प्राप्त है। भारत के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक विकास, बढ़ती जनसख्या, प्रौद्योगिकी का विकास, अपराधों का सफेद कॉलर होना इन तमाम परिस्थितियों के कारण पुलिस तंत्र की जबावदेही के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। लेकिन भारतीय समाज में पुलिस की तानाशाहीपूर्ण छवि, जनता के साथ मित्रवत ना होना तथा अपने अधिकारी के दुरुपयोग के कारण वह आरोपों से घिरती चली गई है। आज स्थिति यह है कि पुलिस बल समाज के तथा कथित ठेकेदारों, नेताओं तथा सत्ता की कठपुतली बन गया है। समाज का दबा-कुचला वर्ग तो पुलिस के पास जाने से भी डरता है, पुलिस वर्ग को तमाम बुराइयों तथा कुरीतियों ने घेर लिया है। पुलिस में सामान्यतया भ्रष्टाचार और अपराधीकरण के कई मामले हमारे सामने आते रहते हैं। चूंकि पुलिस के पास सिविल-समाज से दूरियां बनाये रखने और उनके ऊपर असम्यक प्रभाव बनाये रखने की तमाम व्यावहारिक शक्तियां हैं अतः साधारण वर्ग अपनी आवाज उठाने की हिम्मत नहीं कर पाता और यदि वह साहस जुटाता भी है तो उसके भयावह परिणाम भी उसे भोगने पड़ते हैं।

कार्यपालिका और न्यायपालिका उसकी कोई मदद नहीं कर पाती क्योंकि उनका आधार तो पुलिस पर ही टिका होता है। ऐसे में सामान्य व्यक्ति को न्याय मिलना बहुत दूर की संभावना ही कही जाएगी। चौथा खंभा कहलाने वाला मीडिया भी अंततः राजनीति के दलदल और मुनाफा कमाने के औजार के रूप में तब्दील हो चुका है। अब वह भी सामान्य व्यक्ति के दुख-दर्द का साझीदार नहीं है। ऐसी स्थिति में समाज के पास एक सशक्त आंदोलन निर्मित करने अलावा कोई और विकल्प शेष नहीं बचता है। स्थितियां दिन पर दिन बिगड़ती जा रही हैं अतः अब संवेदनशील व्यक्तियों को सड़कों पर उतरना ही होगा।

पुलिस के निशाने पर आम लोगों का अधिकार

एडवोकेट मनीराम शर्मा

सात वर्ष तक सजा के अधिकांश मामलों में व्यक्ति के गायब होने, गिरफ्तारी को टालने या अपने सामान्य निवास स्थान से भागने की संभावनाएं बहुत कम हैं। ऐसे मामलों में मात्र उपस्थित होने का नोटिस या समन, जैसी भी स्थिति हो, पर्याप्त होना चाहिए। मात्र उन मामलों में जहां आशंका हो कि व्यक्ति नोटिस या समन की अनुपालना नहीं करेगा और यह विश्वास है कि उसे पुनः गिरफ्तार करने में अनावश्यक खर्चा व श्रम होगा तब उसे दमनात्मक उद्देश्य के लिए गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सामान्य कानून की परम्परा पुलिस अधिकारियों को अनुसंधान की विस्तृत शक्तियां सौंपने की रही है। इसकी हमेशा प्रवृत्ति रही है कि व्यक्ति की स्वतंत्रता या सम्पति में दखल देने की शक्ति और अधिकृति सख्त रूप से सीमित की जाये। इस विचार-विमर्श और बहस के पश्चात विधि आयोग निम्नानुसार प्रस्तावित करता हैः जिन अपराधों को संहिता द्वारा जमानती एवं असंज्ञेय कहा गया है, में कोई वारंट जारी नहीं किया जायेगा और किसी को भी गिरफ्तार नहीं किया जायेगा। अभिव्यक्ति जमानत योग्य को बदला जाये। ऐसे मामलों में मात्र समन जोकि सिविल अधिकारी द्वारा तामील हेतु न कि पुलिस अधिकारी द्वारा भेजे जायें। आपवादिक मामलों को छोड़कर जमानतीय और संज्ञेय मामलों में गिरफ्तारी नहीं होनी चाहिए यदि इस बात के विश्वास के लिए आधार नहीं हों कि अभियुक्त गायब होने वाला है और उसे पकड़ना मुश्किल होगा या वह आदतन अपराधी है। इस श्रेणी के लिए भी जमानतीय शब्द को हटा देना चाहिए। किसी भी अपराध में मात्र संलिप्तता के संदेह के आधार पर गिरफ्तारी नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा डी के बासु के मामले में निर्धारित दिशा-निर्देशों का दण्ड प्रक्रिया संहिता में समावेश होना चाहिए। गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों को पुलिस थानों का दौरा कर अवैध गिरफ्तारी और दुर्व्यवहार की जांच करने का अधिकार होना चाहिए। धारा 107 से 110 सपठित धारा 41 (2) द प्र स के अंतर्गत कोई गिरफ्तारी नहीं होनी चाहिए। राजीनामे योग्य अपराधों को बढ़ाया जाना चाहिए। अपराधों के मामले में, गंभीर अपराधों को छोड़कर, सामान्यतया जमानत दी जानी चाहिए सिवाय जहां यह अंदेशा हो कि अपराधी गायब हो सकता है और गिरफ्तारी टाल सकता है या उसे और अपराध करने से रोकने के लिए ऐसा करना आवश्यक हो।

यह सत्य है कि न्यायालय गत कई दशकों से कहते रहे हैं कि गिरफ्तार करने की शक्ति किसी औचित्य के बिना प्रयोग नहीं की जा सकती और पुलिस अधिकारियों को इस शक्ति का प्रयोग औचित्य व ईमानदारी के साथ प्रयोग करना चाहिए। ठीक इसी समय न्यायालय ने यह भी कहा है कि दी गयी परिस्थितियों में एक मामले में गिरफ्तार करने की तर्कसंगतता या औचित्य का निर्धारण पुलिस अधिकारी को करना है। यह देखना रुचिकर है कि कितने मामलों में न्यायालय पुलिस अधिकारियों को गलत या अनुचित गिरफ्तारी के लिए दण्डित करते हैं। यह 1 प्रतिशत भी नहीं होगा।

युवा कैदियों की संख्या सर्वाधिक

देश की अदालतों में आज लाखों मामले विचाराधीन हैं, जिनमें सालोंसाल से फैसला नहीं हो पा रह। देश में सैंट्रल जेल, जिला कारागार, उप कारागार, महिला कारागार, खुली जेलों समेत कुल 1,382 कारागारों में कैदियों की क्षमता 3 लाख 30 हजार निर्धारित है, लेकिन इनमें कैदी इससे कहीं ज्यादा है। सबसे चर्चित तिहाड़ जेल हो या छोटे शहर की कोई जेल, हर जगह निर्धारित तादाद से ज्यादा कैदी बंद हैं। इस वजह से कई बार कानून-व्यवस्था पर काबू पाना भी मुश्किल हो जाता है।

जेलों में कैद तकरीबन 4 लाख कैदियों में आधे से ज्यादा ऐसे हैं जिन्हें सजा नहीं मिली, फिर भी वे सालों से बंद हैं। जबकि न्याय का सिद्धांत कहता है कि सजा मिलने से पहले किसी को गुनाहगार नहीं माना जा सकता। इस समय देश की हरेक जेल में विचाराधीन कैदियों की तादाद 70 फीसदी तक है। जेलों में सजायाफ्ता कैदी कम और विचाराधीन कैदी ज्यादा हैं। ऐसे आरोपियों को भी जेल में कैद कर रखा है जिन का ट्रायल ही शुरू नहीं हुआ है. यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि ऐसे लोग भी हैं जिन पर आरोप साबित होने पर मिलने वाली सजा का पूरा वक्त ट्रायल के दौरान जेल में ही कट गया है। यह वाकई त्रासदीपूर्ण है। ऐसे लोगों की तादाद कम नहीं है, जो जमानती अपराध में कैद हैं। उनका हक है कि वे जमानत पर छूट कर बाहर आ सकें, लेकिन अभी तक वे जेल में कैद हैं।

महज शक के आधार पर सेक्शन 107 और 110 वाले मामलों में कैद लोगों को जेल में डाल कर रखा गया है। असलियत में इसका दोषी हमारा कानूनी सिस्टम ही है। यह बहुत ही धीमा काम करता है, जिस का खमियाजा लोगों को बेवजह भुगतना पड़ता है कि वे सालोंसाल जेलों में बंद रहते हैं। गरीब के लिए तो हालात और भी ज्यादा बदतर हो जाते हैं, अमीर बिरादरी तो जमानत पा कर बाहर आ जाती है. जब कानून साफतौर पर कहता है कि जमानती अपराध में जेल में कैद न रखा जाए और सेक्शन 107 व 110 में शक के आधार पर कैद में न रखें। तो सवाल है कि क्या मजिस्ट्रेट या हाइकोर्ट के जज को यह कानून मालूम नहीं है, जो विचाराधीन को जेल में रखवाते हैं। जब कानून साफ है तो इन्हें कैद में रखने की प्रेक्टिस क्यों जारी है? सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा हुआ है, 'बेल नॉट जेल' लेकिन अब तक इस का उलटा ही होता आया है, 'जेल नॉट बेल', यानी जेल में अंदर बंद रखो, बाहर मत आने दो। इस गड़बड़ी में सबसे बड़ा दोष हमारी पुलिस फोर्स का रहा है।

गलती किसकी !

आईपीएस अफसर रह चुके ज्ञानप्रकाश पिलानियां का कहना है, 'अगर मामले की जांच चल रही है तो यह सरासर पुलिस की गलती है कि उसने आरोपी को गिरफ्तार तो कर लिया लेकिन चार्जशीट पेश नहीं की है। इस बारे में जवाबदारी पुलिस की ही रहनी चाहिए। अगर ट्रायल में देरी हो रही है तो उस हालत में पुलिस और कोर्ट का कुसूर हो सकता है। लेकिन हमें यह भी समझना होगा कि हमारे पुलिसिया तंत्र पर बहुत बड़ा बोझ है। जांच अफसर के पास इतने मामले होते हैं कि उसमें न्याय कराने की ताकत ही नहीं होती।

'अदालतों में भी मामले सालोंसाल लटके पड़े रहते हैं। जैसे-तैसे अगली सुनवाई को लेने को लेकर टालमटोल चलती रहती है। ऐसा लगता है सारा सिस्टम ही इसी कवायद में लगा रहता है कि मामला खत्म ही नहीं होना चाहिए। ट्रायल को पुलिस और कोर्ट दोनों ही मुसीबत समझते हैं। दूसरी खामी यह है कि निचले स्तर पर बढिया निगरानी ही नहीं होती है। सेशन कोर्ट और हाइकोर्ट को जांच करनी चाहिए कि मामले के निबटारे में इतनी देरी क्यों हो रही है और यह देरी जायज है या नाजायज?

'अभी फुरती किसी भी स्तर पर दिखाई नहीं पड़ रही है। मामलों को लटकाते रहना वकीलों को भाता है। वे भी कमाई जारी रखने के लिए तारीख पर तारीख लेते रहते हैं। हर पेशी पर वे मोटी रकम वसूलते रहते हैं। दुनिया में कितने ही पुलिस और कानूनी तंत्र मैंने देखे हैं। लेकिन जितनी देरी भारत में होती है उतनी और कहीं नहीं होती। बेहतर तो यह होगा कि हमें दंड न्याय प्रक्रिया को सुधारने पर जोर देना चाहिए था। सुधार भी ऊंचे लेवल से शुरू होना चाहिए था। मौजूदा सिस्टम ऐसा है जिसमें बाहुबल, पैसा और राजनीतिक पहुंच वाले ही कामयाब हो रहे हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े

करीब चार लाख से अधिक कैदी देशभर की जेलों में बंद हैं। इनमें से करीब सत्तर फीसदी कैदी विचाराधीन हैं। देशभर की तमाम जेलों में इन विचाराधीन कैदियों की कुल संख्या 2,54,857 है। 1,226 विचाराधीन महिला कैदी अपने बच्चों के साथ जेल में रहने को मजबूर हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों में सबसे ज्यादा तादाद युवाओं की है।

स्पीड न्यूज

लायंस क्लब ने किया पौधरोपण कार्यक्रम

जमशेदपुर। लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर भारत के अध्यक्ष एम.जे.एफ. लायन भरत सिंह के निदेर्शानुसार आज बारिडीह विद्यापतिनगर स्थित न्यू काली पूजा मैदान (बिरसा मुंडा टाउन हॉल के समीप) में फलदार वृक्षों का वृक्षारोपण किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और हरियाली को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर क्लब के अनेक सदस्यगण उपस्थित थे, जिनमें प्रमुख रूप से लायन करण गोराई, आकाश रजक, विप्लव चंद्रा, महावीर गोराई, राजेश कुमार साव, सनातन गोराई, आशीष कुमार चंद्रा एवं संजय कुमार सेन शामिल थे। सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के बारे में अध्यक्ष एम.जे.एफ. लायन भरत सिंह ने कहा कि,वृक्ष केवल पर्यावरण की शुद्धि ही नहीं करते, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए एक हराभरा भविष्य भी सुनिश्चित करते हैं। लायंस क्लब हमेशा समाजसेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

अलमनार सोशल सर्विस के शिविर में 31 यूनिट रक्तदान

जमशेदपुर। कपाली स्थित अलमनार स्कोलर पब्लिक स्कूल प्रांगण मे अलमनार सोशल सर्विस के रक्तदान शिविर मे 31 युनिट रक्त संग्रह किया गया । इस अवसर पर उपस्थित संस्था के अध्यक्ष खलील अंसारी ने बताया कि संस्था द्वारा यह 17 वां रक्तदान शिविर है । उन्होंने शिविर की सफलता पर खुशी जाहिरकी।

तनावग्रस्त जिमरी गांव का सांसद बिद्युतबरण ने किया दौरा

जमशेदपुर। जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बिद्युत बरण महतो ने आज सरायकेला खरसावां जिला के अंतर्गत नीमड़ीह प्रखंड के ग्राम जिमरी का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि उक्त ग्राम में विगत दिनों रीता महतो नामक एक लड़की को घर से अगवा करके बंगाल में ले जाकर के धर्म परिवर्तन करके फिजा खातुन करके तस्लीम अंसारी नामक एक व्यक्ति ने शादी कर लिया। इसके कारण पूरे क्षेत्र में सामाजिक असंतोष व्याप्त है। साथ ही पुलिस द्वारा उल्टे ग्रामीणों पर झूठा मुकदमा दायर कर दिया गया है। इस मामले में जमशेदपुर लोकसभा सांसद श्री विद्युत बरन महतो ने मुरूगडीह में आम सभा कर के जिमरी के ग्रामीणों से संवाद किए और पीड़ित परिवार के लोगों की बातों को सुने। सांसद ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आज नीमड़ीह ही नहीं पूरे राज्य में एक समुदाय विशेष के चन्द लोगों के द्वारा धर्मांतरण एवं लव जिहाद का कार्यक्रम चल रहा है। समाज के सभी वर्गों को ऐसे लोगों से सावधान होने की जरूरत है ।ये लोग कहीं ना कहीं सत्ता के संरक्षण में ऐसे कार्य करने का साहस करते हैं।

एमजीएम की घटना दु:खद, सरकार पीड़ितों के साथ : बन्ना गुप्ता

जमशेदपुर। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने एमजीएम अस्पताल में हुए दर्दनाक पर घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा हैं कि सरयू राय इस घटना को लेकर राजनीतिक बयानबाजी को छोड़कर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी चाहिए और जनहित के मामले में अड़ंगाबाजी बंद करना चाहिए। बन्ना गुप्ता ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने महसूस किया कि पुरानी बिल्डिंग जर्जर हो चुकी हैं, अब मरीजों का इलाज संभव नहीं कभी भी कोई घटना हो सकती हैं इसलिए मैंने एक तरफ साकची एमजीएम अस्पताल में ही नए स्थित अस्पताल को शुरू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल किये।

डीसी ने नीट परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम के जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा नीट परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर विधि व्यवस्था संधारण का जायजा लिया गया। जिला प्रशासन द्वारा पांच शैक्षणिक संस्थानों के 8 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्वक एवं कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन सुनिश्चित किया गया।

ब्राह्मण के शौर्य और वीरता से ही अखंड विश्व का कल्याण संभव है : कमल किशोर

- ऋत्विक शांडिल्य न्यायिक सेवा में उत्तीर्ण होकर समाज का गौरव बढ़ाने वाले हुए सम्मानित
- ऋत्विक के पिता मनोज ठाकुर है सी सी आर पुलिस उपाधीक्षक

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। रविवार को बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समिति द्वारा भगवान श्री परशुराम जी का जन्मोत्सव मनाया गया। उक्त कार्यक्रम की शुरुआत 21 ब्राह्मण विप्रवर द्वारा विहंगम शंखनाद और स्वस्ति-वाचन के साथ हुई फिर भगवान श्री परशुराम जी की छाया चित्र पर पुष्प अर्पित और दीप प्रज्वलित कर आरती हुई। कार्यक्रम में 31अभिभावक ब्राह्मण विप्र को जिनकी आयु करीब 80 वर्ष हुई है जो समाज का एक स्तंभ की भूमिका में अपने आप को समाजिक रूप से मजबूती प्रदान किया है।

परशुराम जन्मोत्सव में एकता प्रदर्शित करते ब्राह्मण और ब्रह्मर्षि समाज के लोग और ऋत्विक शांडिल्य के न्यायिक सेवा में उत्तीर्ण होने पर सम्मानित करते झारखंड बार एसोसिएशन के वाइस चेयरमैन अधिवक्ता राजेश शुक्ला।

उन्हें ब्राह्मण गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया वही ऋत्विक शांडिल्य को जो न्यायिक सेवा में उत्तीर्ण हो कर ब्राह्मण कुल का नाम रौशन कर शहर ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में ब्राह्मण परिवार का गौरव बढ़ाया है उन्हें भी भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समिति ने प्रशस्ति पत्र दे उन्हें सम्मानित किया।

कार्यक्रम की विशेषता पर समिति के संयोजक कमल किशोर ने बताया कि भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समिति का उद्देश्य ब्राह्मण परिवार को एकत्रित कर उनके दुःख सुख के साथ उनके वैसे जरूरतों को पूरा करना है जिससे उनके बच्चे शिक्षा ,स्वास्थ्य, और अन्यत्र व्यवस्थाएं इत्यादि शामिल है इसके अलावे समिति शहर के वैसे ब्राह्मण विप्रवर को भी चिन्हित कर उन्हें समाज में उनके योगदान या उनके अनुभव को भी शामिल करने का कार्य करेगी। और वैसे लोगो को सम्मानित कर उनके परिवार को भी सामाजिक कार्यों में रुचि पैदा करने का कार्य करेगी । साथ ही यह कार्यक्रम से बताने का प्रयास करते है कि ब्राह्मण एक मजबूत स्तंभ है ।

कमल किशोर ने कहा कि ब्राह्मण ही ब्रह्मर्षि है और ब्रह्मर्षि ही ब्राह्मण है क्योंकि भगवान परशुराम वंशी है हमलोग और हमें एकजुटता के साथ समाज के उन्नति और प्रगति का मार्ग प्रशस्त करना है क्योंकि हमारी मजबूती ही हमारी पहचान है और यह पहचान हमारे शौर्य और वीरता से हमारे तप त्याग और समर्पण से मिली है जो अखंड विश्व का कल्याण करना संभव करते है।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायिका श्रद्धा दास और प्रेशा झा ने अपने सुमधुर आवाज में भजन गा कर सभी का मन मोह लिया।

इन्हें मिला ब्राम्हण गौरव सम्मान

ब्राह्मण गौरव सम्मान पाने वाले पंडित श्री डी के मिश्र , पंडित श्री सरोज कुमार मिश्रा, पंडित श्री चंद्रेश्वर खान, पंडित गणेश चंद्र झा, पंडित उमाकांत झा, पंडित चंद्रशेखर मिश्रा, पंडित नेम, पंडित राजकिशोर पांडेय, पंडित हरेंद्र मिश्रा, पंडित चंद्रयान मिश्रा, पंडित अवधेश मिश्रा, पंडित केशव तिवारी, पंडित नकुल तिवारी, पंडित शावरलाल शर्मा।

कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट जन

कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजेश शुक्ल, अनिल तिवारी, सुधांशु ओझा, चंद्रशेखर मिश्रा, रामबाबू तिवारी, विजय खान, नकुल तिवारी, आनंद बिहारी दुबे, ओमप्रकाश उपाध्याय, अप्पू तिवारी, मुन्ना चौबे, अरविंद पांडेय, संतोष जोशी, अरुण शुक्ला, पवन ओझा, सीपी शुक्ला, अंबुज ठाकुर, डीडी त्रिपाठी, तो ब्रह्मर्षि विकास मंच से विकास सिंह, दीपू सिंह, देवानंद सिंह, बबुआ सिंह, अनिल ठाकुर, प्रमोद राय जी मनु साही, धनंजय राय, मृत्युंजय जी, अमिताभ चटर्जी, वेदप्रकाश उपाध्याय, बिनोद उपाध्याय, रविशंकर तिवारी, अरुण पांडेय, शालिनी पांडेय, किरण ठाकुर, ब्यूटी तिवारी, विनीता मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे।

अपनी क्रेटा कार में जिंदा जल गये सीमेंट कारोबारी सुनील अग्रवाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। यहां भाटिया पार्क कदमा से मरीन ड्राइव जाने वाली सड़क पर अहले सुबह क्रेटा कार में आग लग गयी। आग इतनी भीषण थी कि कार चालक एवं सीमेंट कारोबारी सुनील अग्रवाल की निकलने का मौका नहीं मिला और वे जिंदा जल गये। उनकी सीट के बगल में एक गैस सिलिंडर भी रखा हुआ था और समझा जाता है कि क्रेटा में गैस सिलिंडर लीक हो रही थी और जैसे ही कारोबारी ने सिगरेट जलाया, कार में आग लग गयी। स्थानीय लोगों की सूचना पर टाटा स्टील की दलकल गाड़ी पहुंची और आग बुझाने के बाद पता चला कि चालक का अस्थिपंजर सीट पर ही है।

बीच सड़क पर धू-धू कर जलती क्रेटा कार और सुनील अग्रवाल की फाइल फोटो।

बताया जाता है कि सुनील अग्रवाल 55 वर्ष विजया हेरिटेज निवासी थे और जेके लक्ष्मी सीमेंट के सीएनएफ एजेंट थे। उनके परिवार में पत्नी और बेटा-बेटी हैं। बेटा मुंबई में एक एमएनसी में अधिकारी पद पर कार्यरत है जबकि बेटी अमेरिका में है।

सुबह 5.15 बजे के आस-पास हुई इस दर्दनाक हादसे के बाद पहुंची पुलिस बड़ी मुश्किल से सुनील अग्रवाल के शव की पहचान कर पायी। जैसे ही घर सूचना पहुंची वहां परिजन चित्कार कर उठे। बताया जाता है कि सुनील अग्रवाल एक सप्ताह से घर से बाहर थे, और शनिवार को ही वे शहर लौटे थे। यद्यपि लोग इस बात से हैरान है कि सीमेंट कारोबारी ने आग लगने पर कार से निकल कर भागने की कोशिश क्यों नहीं की। प्रत्यक्षदर्शी भी इस बात की तस्दिक करते हैं।

पुलिस ने पाया कि बुरी तरह जले शव पर सीट बेल्ट बंधा हुआ है और बगल की सीट पर एक फटा हुआ गैस सीलिंडर भी है। कार से सिगरेट के जले हुए टुकड़े भी बरामद हुए हैं।

एक नजर में

धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने राज्य सरकार को घेरा

जमशेदपुर/रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने राज्य में बढ़ रही धर्मांतरण की घटनाओं के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए इस मुद्दे पर कई गंभीर सवाल उठाये हैं। राज्य की महागठबंधन सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होनें पूछा कि- आखिर किस के संरक्षण में यह गोरखधंधा चल रहा है? सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे धनबाद की एक युवती के एफिडेविट के बारे में जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड में एफिडेविट के आधार पर धर्म परिवर्तन अथवा विवाह वैध नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह लव जिहाद का हिस्सा है और लगातार इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि नीमडीह की घटना की तरह ही, इस बार भी युवती की उम्र 19 वर्ष बताई जा रही है, जो संदेहास्पद प्रतीत होती है। एफिडेविट में न तो तस्वीर है, न ही किसी प्रकार का प्रमाण पत्र संलग्न है। फिर उसे कैसे सही माना जाए?

मिलानी में बांग्ला नववर्ष के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम, लोगों ने उठाया लुत्फ

जमशेदपुर। सामाजिक संस्था बंगीय उत्सव समिति व बंगबंधु के संयुक्त तत्वावधान में रविवार मिलनी प्रेक्षागृह में बांग्ला नववर्ष 1432 के उपलक्ष्य पर मिलन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में समाजसेवी शांति घोष, अंजलि बोस, अमिताभ बक्शी, बंगीय उत्सव समिति के अध्यक्ष अमित पत्रों, बंगबंधु के अध्यक्ष अपर्णा गुहा, महासचिव उत्तम गुहा, बंगाल क्लब के उपाध्यक्ष अंशुमान चौधरी, पार्थ मुखर्जी, श्रीजन हाइट के बबलू महतो उपस्थित थे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कार्यक्रम की शुरूआत किया गया। अपर्णा गृह ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्य के लिए अमिताभ बक्सी, मिलानी के राजू दत्ता, कृष्णेंदु चटर्जी, अमल संघ के सामंत कुमार, समाजसेवी विश्वनाथ राय, सुकुमार राय, बापी पात्र, अनूप गांगुली, अंजलि बोस, शांति घोष, दुर्गा ज्वेलरी व श्रीजन हाइट को सम्मानित किया। पत्रकारिता के क्षेत्र में पत्रकार अजय महतो, रीमा दे, चित्रदीप भट्टाचार्य, सुमित झा, अरूप मजूमदार को सम्मानित किया गया। बंगीय उत्सव समिति के योग पुरुष अंशु सरकार, उपाध्यक्ष पूरबी घोष, अशोक दत्ता, प्रणब सरकार, अमित माइति, सुभाष सिंह राय, मिथिलेश घोष, सुबीर कुंडू, चयन गुहा, बिनोद दे, इंद्राणी भट्टाचार्य, प्रकाश मुखर्जी, कपिल हुई, नानटू सरकार, सपन मजूमदार, जावेद अंजुम, इंद्रजीत घोष, शुभम सेन, बाबूलाल चक्रवर्ती, डी सरकार को सम्मानित किया गया। संस्थान में महिला संगठन ₹मैत्री₹, बंगाल क्लब, मिलानी, मानवता, बंग बंधु, गोविंदपुर दुर्गा बड़ी, सुस्वागतम कमिटी, स्टाल कमिटी को सम्मानित किया गया।

रांची में कांग्रेस की रैली कल, रिकार्ड संख्या में आयें कार्यकर्ता : नेहा तिर्की

- कृषि मंत्री जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंच कर रैली तैयारी का समीक्षा की

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड सरकार की माननीय कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कार्यालय तिलक पुस्तकालय बिष्टुपुर पहुंची।

जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी दुबे ने प्रोटोकॉल के तहत माननीय मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की का स्वागत शॉल, गांधी टोपी एवं बुके प्रदान कर अभिनंदन किया।

बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती तिर्की ने संविधान बचाओ रैली का समीक्षा किया और सभी पदाधिकारी से कहा कि अगामी 6 मई को राँची में पुराना विधान सभा मैदान, धुर्वा में संविधान बचाओ रैली को मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संगठन महामंत्री के. सी. वेणुगोपाल, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश प्रभारी के. राजू , प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, एवं प्रदेश के वरिष्ठ नेतागण संबोधित करेंगे। रैली को सफल बनाने के लिए अधिक संख्या में कांग्रेसजन रांची पहुंचें तथा अपने नेता के भाषण को सुन कर लाभ उठाए।

कृषि मंत्री का अभिनंदन करते जिला अध्यक्ष आनंद बिहारी।

जिलाध्यक्ष श्री दुबे ने समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पूर्वी सिंहभूम जिला के 18 प्रखण्ड क्षेत्र से हजारों की संख्या में प्रखण्ड अध्यक्ष, मण्डल अध्यक्ष, वरिष्ठ नेतागण, जिला पदाधिकारीगण, अग्रणी संगठन विभाग के पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्तागण बहुत उत्साह के साथ तैयारी कर रहे है।

गीता थिएटर व रॉबिन हुड आर्मी का संयुक्त समर कैंप आज से

जमशेदपुर। गीता थिएटर एवं रॉबिन हुड आर्मी जमशेदपुर के संयुक्त तत्वावधान से स्पेशल समर कैंप आयोजित किया जा रहा है। यह समर कैंप शहर के निम्न -मध्यवर्गीय एवं कृष्ट परिवारों के विषेश बच्चों के लिए आयोजित किया जाता रहा है जो पूरी तरह निःशुल्क है। गीता थिएटर की अध्यक्ष गीता कुमारी ने बताया कि यह समर कैंप पहले शहर के तीन अलग-अलग स्थानों में होगा जिसकी जानकारी निम्नलिखित है : 05 मई से 10 मई तक आदित्यपुर, 10 मई से 15 मई तक दोमुहनी सोनारी और 15 मई से 20 मई तक देवनगर गांधी आश्रम बाराद्वारी में आयोजित किया जायेगा। इन छोटे छोटे 5 दिवासीय समर कैंप के बाद 25 मई से 10 जून मेगा समर कैंप आयोजित होगा।

तुलसी भवन में सुमित्रानंदन पंत और रविंद्र नाथ ठाकुर की जयंती धूमधाम से मनायी गयी

जमशेदपुर। साहित्य समिति, तुलसी भवन द्वारा संस्थान के प्रयाग कक्ष में मासिक 'काव्य कलश' सह साहित्यकार छायावाद के चार स्तम्भों में से एक सुमित्रा नन्दन पंत एवं विश्वविख्यात कवि रविन्द्रनाथ टैगोर की जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष श्री सुभाष चन्द्र मुनका तथा संचालन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ० यमुना तिवारी 'व्यथित' ने किया। इस अवसर पर स्वागत वक्तव्य तुलसी भवन कार्यकारिणी के प्रसन्न वदन मेहता एवं धन्यवाद ज्ञापन समिति के सचिव डॉ० अजय कुमार ओझा द्वारा किया गया। मौके पर तुलसी भवन के न्यासी अरुण कुमार तिवारी मुख्य अतिथि के रुप में मंचासीन रहे । कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्पण कर किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम में सुश्री पुनम महानंदन के सरस्वती वंदना के बाद श्री अशोक पाठक 'स्नेही' द्वारा साहित्यकार सुमित्रानन्दन पंत तथा डॉ वीणा पाण्डेय 'भारती' ने कवि रविन्द्रनाथ टैगोर का साहित्यिक जीवन परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अगले सत्र में 'काव्य कलश' के अन्तर्गत उपस्थित शहर के 31 नामचीन कवियों ने स्वरचित काव्य पाठ किया। कार्यक्रम के अंत में तुलसी भवन के प्राय: हर कार्यक्रम में उपस्थित रहने वाले वरीय पत्रकार, झारखंड प्रदीप पत्रिका के सम्पादक सिद्धनाथ दुबे के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट की मौन प्रार्थना की गयी।

पूर्णिमा साहू पर इरफान अंसारी की टिप्पणी अमर्यादित : भाजपा

- पूर्व जिलाध्यक्ष गुंजन यादव ने दिया करारा जवाब, कहा- मंत्री के बड़बोलेपन और अक्षमता की भेंट चढ़ा एमजीएम हादसा

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने एमजीएम अस्पताल हादसे के बाद अपनी संवेदनहीनता और अक्षमता का एक बार फिर से प्रदर्शन किया है। उनके विभाग की अक्षमता और नकारापन के कारण तीन गरीब जिंदगियों के असमय चले जाने से पूरा झारखंड शोक में डूबा है, लेकिन इरफान अंसारी ने इस दुख की घड़ी में भी जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू पर अभद्र और हल्की टिप्पणी कर लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई। उन्होंने कहा कि पूर्णिमा साहू अस्पताल जब पहुंचीं तो उनके चेहरे पर केक लगा हुआ था। इस गैर जिम्मेदाराना और अपमानजनक बयान ने न केवल एक महिला विधायक का अपमान किया है बल्कि उन परिवारों के जख्मों को कुरेदा, जो अपने प्रियजनों को खोने के असहनीय दर्द से गुजर रहे हैं।

पूर्व जिला अध्यक्ष गुंजन यादव।

परशुराम परिवार ने शास्त्रीनगर में मनाया ब्रह्मर्षि परशुराम जन्मोत्सव

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। शनिवार की देर शाम कदमा के शास्त्री नगर ब्लॉक नंबरः- 4 में स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर स्कूल के प्रांगण में परशुराम परिवार के तत्वावधान में परशुराम जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सच्चिदानंद पांडे (वरिष्ठ अधिवक्ता हजारीबाग) और विशिष्ट अतिथि दिनेश मिश्रा (बागबेड़ा चंद्र ज्योति प्रभा हाई स्कूल के प्राचार्य) थे। मौके पर बागबेड़ा परशुराम भवन के अध्यक्ष, सुभाष चंद्र मिश्रा सेवा निवृत पदाधिकारी (जुस्को), कमल किशोर पांडे (पूर्व आइएएस), विष्णु भगवान पाठक व परशुराम परिवार, जमशेदपुर के अध्यक्ष अवधेश पाठक आदि भी उपस्थित थे।

विधानसभा चुनाव बिहार में, मिथिला समाज से टाटा में वोट मांग रहे भाजपाई

- एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत भाजपा ने की बैठक

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी जमशेदपुर महानगर ने एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के अंतर्गत रविवार को जमशेदपुर परिसदन में बिहार सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में मिथिला सांस्कृतिक परिषद के पदाधिकारियों और मिथिला समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की प्रचंड जीत सुनिश्चित करने के लिए मिथिला समाज के समर्थन पर केंद्रित रहा। एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के जमशेदपुर महानगर संयोजक और जिला मंत्री विजय तिवारी की अगुवाई में आयोजित सम्मेलन में बिहार भाजपा के पूर्व महामंत्री सुशील चौधरी, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा समेत समाज के प्रबुद्धजन मुख्य रूप से मौजूद रहे।

वक्ताओं ने मिथिला समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकजुटता और बिहार के विकास में इस समाज की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

मिथिला समाज के साथ बैठक करते भाजपाई।

बताया गया कि मिथिला समाज की एकजुटता और सक्रिय भागीदारी बिहार में एनडीए की जीत की मजबूत नींव बनेगी। सम्मेलन में उपस्थित मिथिला समाज के प्रतिनिधियों ने बिहार में एनडीए की जीत के लिए एकजुट होकर समर्थन देने का संकल्प लिया। इससे पहले, परिषद के सदस्यों ने मिथिला पाग और अंगवस्त्र भेंटकर पूर्व महामंत्री सुशील चौधरी का स्वागत किया।

बिहार भाजपा के पूर्व महामंत्री सुशील चौधरी ने आग्रह करते हुए कहा कि मिथिला समाज के प्रत्येक व्यक्ति अपने सामाजिक नेटवर्क के माध्यम से बिहार के मतदाताओं तक पहुंचकर एनडीए की विकासोन्मुख नीतियों और उपलब्धियों को साझा करें जिससे बिहार में मजबूत एनडीए सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त होगा। वहीं, जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा ने मिथिला समाज के लोगों से आग्रह किया गया कि वे बिहार में बसे अपने रिश्तेदारों, मित्रों और परिचितों से संपर्क करें और उन्हें एनडीए के पक्ष में बहुमूल्य समर्थन और आशीर्वाद के लिए प्रेरित करें।

इस दौरान सुबोध झा, मोहन ठाकुर, शिशिर झा, धर्मेंद्र झा, पंकज राय, किशोर मिश्र, रमन सिंह, दिलीप झा, विद्यानंद मेहता, ललन चौधरी, रंजीत झा भी थे।

जाति जनगणना पर जागरूकता अभियान चलायेगा मुंडा समाज

जमशेदपुर। मुंडा समाज की एक बैठक समाज के अध्यक्ष श्री रुद्र मुंडा की अध्यक्षता में पूर्वी काली माटी पंचायत भवन सोपोडेरा गांधी मैदान में संपन्न हुई। बैठक में जाति जनगणना पर चर्चा करते हुए श्री राम सिंह मुंडा ने कहा कि आदिवासी मुंडा समाज जाति जनगणना में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेगा, एवं अपना अपना जाति मुंडा एवं अपना धर्म सरना बतायेगा। इसके लिए समाज की ओर से जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। बैठक में पिछले 13 अप्रैल 2025 को संपन्न हुए सरहुल महोत्सव आयोजन की समीक्षा की गई। बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि मुंडा समाज ग्रामीण क्षेत्रों के सभी बस्तियों के महिलाओं को मिला कर आदिवासी मुंडा महिला समिति का गठन किया जाएगा, जो समाज में लगातार सामाजिक गतिविधियां, आदिवासी परंपराओं पर जागरूकता अभियान चलाने का काम करेगी।

अंतिम गेंद पर केकेआर ने राजस्थान को हराया

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को एक रन से हराया। केकेआर और राजस्थान के बीच यह मुकाबला बेहद करीबी रहा और आखिरी में कोलकाता में टीम महत्वपूर्ण जीत दर्ज करने में सफल रही। केकेआर ने इस तरह प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें कायम रखी है। आइपीएल में यह दूसरी बार है जब केकेआर ने एक रन से कोई मुकाबला जीता है। इससे पहले उसने पिछले सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को भी इसी अंतर से हराया था। केकेआर ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और आंद्रे रसेल की तूफानी पारी की मदद से 20 ओवर में चार विकेट पर 206 रन बनाए। जवाब में राजस्थान के लिए कप्तान रियान पराग ने शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 205 रन ही बना सकी। यह केकेआर की आइपीएल में सबसे कम अंतर से जीत है। वहीं, 2019 से कोलकाता ने पहली बार राजस्थान को अपने घरेलू मैदान ईडेन गार्डेंस पर हराया है। 2008 से 2018 से केकेआर ने राजस्थान को अपने घरेलू मैदान पर छह मैच जीते, जबकि एक गंवाया। वहीं, 2019 से राजस्थान ने केकेआर को ईडेन गार्डेंस पर लगातार तीन बार हराया था, लेकिन इस सीजन कोलकाता यह तिलिस्म तोड़ने में सफल रही।

केकेआर ने आइपीएल में दूसरी बार एक रन से दर्ज की जीत, 2019 से पहली बार घर में राजस्थान को हराया

रसेल बने प्लेयर ऑफ द मैच

प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

गत चैंपियन केकेआर की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी कायम हैं। केकेआर के 11 मैचों में पांच जीत, पांच हार और एक बेनतीजा के साथ 11 अंक हैं और वह अंक तालिका में छठे स्थान पर है। दूसरी ओर, पहले ही अंतिम चार की दौड़ से बाहर हो चुकी राजस्थान की टीम आठवें स्थान पर है। राजस्थान ने 12 मैचों में तीन में जीत दर्ज की और उसे नौ मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है।

कोलकाता 206/4 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
गुरबाज कै. हेटमायर बो थीक्षाना	35	25	04	01
सुनील नरेन बो. युधवीर	11	09	01	01
रहाणे कै. जुरेल बो. पराग	30	24	01	02
रघुवंशी का. अशोक बो. आर्चर	44	31	05	00
आंद्रे रसेल नाबाद	57	25	04	06
रिंकू सिंह नाबाद	19	06	01	02

अतिरिक्त : 10

विकेट पतन : 1-13, 2-69, 3-111, 4-172.

गेंदबाज : जोफ्रा आर्चर : 4-0-30-1, युधवीर सिंह : 2-0-26-1, महीश थीक्षाना : 4-0-41-1, आकाश मधवाल : 3-0-50-0, वानिंदु हसरंगा : 4-0-35-0, रयान पराग : 3-0-21-1.

राजस्थान 205/8 (20ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
जयसवाल कै. रिंकू बो. मोईन	34	21	05	01
सूर्यवंशी कै. रहाणे बो. अरोड़ा	04	02	01	00
कुणाल कै. रसेल बो. मोईन	00	05	00	00
पराग कै. अरोड़ा बो. हर्षित	95	45	06	08
जुरेल बो. चक्रवर्ती	00	01	00	00
हसरंगा बो. चक्रवर्ती	00	02	00	00
हेटमायर कै. नरेन बो. हर्षित	29	23	01	01
शुभम दुबे नाबाद	25	14	01	02
जोफ्रा आर्चर रन आउट	12	08	01	00

अतिरिक्त :06

विकेट पतन : 1-5, 2-9, 3-66, 4-71, 5-71, 6-163, 7-173, 8-205.

गेंदबाज : वैभव अरोड़ा: 4-0-50-1, मोईन अली : 3-0-43-2, हर्षित राणा : 4-0-41-2, वरुण चक्रवर्ती : 4-0-32-2, सुनील नरेन : 4-0-27-0, आंद्रे रसेल : 1-0-11-0.

अच्छी नहीं रही राजस्थान की शुरूआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की शुरूआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 71 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए। इसके बाद रियान पराग ने शिमरॉन हेटमायर के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की और टीम को मुश्किल से उबारा। रियान ने इस दौरान मोईन अली के ओवर पर लगातार पांच छक्के लगाए। इस साझेदारी को हर्षित राणा ने हेटमायर को आउट कर तोड़ा जो 29 रन बनाकर आउट हुए। इसके कुछ देर बाद हर्षित ने रियान को भी अपना शिकार बनाया। रियान शतक पूरा नहीं कर सके और 95 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

आखिरी ओवर में चाहिए थे 22 रन

राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 22 रन चाहिए थे और क्रीज पर इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे शुभम दुबे और जोफ्रा आर्चर मौजूद थे। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने वैभव अरोड़ा को गेंद थमाई। आर्चर ने पहली गेंद पर दो रन और दूसरी गेंद पर एक रन लिया। स्ट्राइक पर आए शुभम ने तीसरी गेंद पर छक्का और चौथी गेंद पर चौका लगाया। इसके बाद पांचवीं गेंद पर छक्का लगाया। अब राजस्थान को एक गेंद पर तीन रन चाहिए थे। वैभव की गेंद पर शुभम ने एक रन चुराया और दूसरा रन लेने के लिए भागे, लेकिन रिंकू सिंह के थ्रो पर रन आउट हो गए। इस तरह केकेआर ने रोमांचक जीत दर्ज की। राजस्थान के लिए यशस्वी जायसवाल ने 34 रन बनाए, जबकि शुभम दुबे 14 गेंदों पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 25 रन बनाकर नाबाद लौटे। आर्चर 12 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, वैभव सूर्यवंशी ने चार रन बनाए और कुणाल सिंह राठौर, ध्रुव जुरेल और वानिंदु हसरंगा खाता भी नहीं खोल सके। केकेआर की ओर से मोईन, हर्षित और वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लिए, जबकि वैभव को एक विकेट मिला।

रसेल ने खेली विस्फोटक पारी

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर के लिए आंद्रे रसेल ने आतिशी पारी खेली। रसेल ने 25 गेंदों पर चार चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए, जबकि रिंकू ने छह गेंदों पर एक चौका और छक्के के सहारे नाबाद 19 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर की शुरूआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 13 रन के स्कोर पहला विकेट गंवाया। युद्धवीर सिंह ने सुनील नरेन को बोल्ड किया जो नौ गेंदों पर एक चौका और एक छक्का की मदद से 11 रन बनाए। इसके बाद कप्तान अंजिक्य रहाणे और रहमानुल्लाह गुरबाज ने दूसरे विकेट के लिए 50+ रनों की साझेदारी कर केकेआर को संभाला। गुरबाज अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन महेश तीक्ष्णा ने उन्हें आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। गुरबाज 25 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर आउट हुए। रहाणे हालांकि पारी संभाले रहे जिनका साथ अंगकृष रघुवंशी ने बखूबी दिया। रहाणे रियान पराग की गेंद पर 44 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रसेल उतरे और उन्होंने तूफानी बल्लेबाजी की। रसेल ने राजस्थान के गेंदबाजों को निशाने पर लिया और वह आज पुरानी फॉर्म में नजर आए। रसेल ने 22 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया।

रियान ने छह गेंदों पर लगाए छह छक्के

रियान ने इस दौरान छह गेंदों पर लगातार छह छक्के लगाए। रियान ने एक ओवर में छह छक्के नहीं लगाए, लेकिन लगातार छह छक्के लगाने में सफल रहे। रियान ने 13वां ओवर डालने आए स्पिनर मोईन अली को निशाना बनाया। मोईन के इस ओवर की पहली गेंद पर शिमरॉन हेटमायर ने एक रन लिया और स्ट्राइक रियान के पास आई। रियान ने लगातार चार गेंदों पर छक्क लगाया और पांचवीं गेंद वाइड हुई। रियान ने मोईन के ओवर की अंतिम गेंद पर भी छक्का जड़ा। इसके बाद 14वां ओवर डालने वरुण चक्रवर्ती आए और पहली गेंद पर हेटमायर एक रन लिया। फिर स्ट्राइक रियान के पास थी और उन्होंने वरुण की गेंद पर छक्का लगाया। इस तरह रियान ने लगातार छह गेंदों पर छह छक्के जड़े।

स्व अर्जुन बैठा मेमोरियल वुडबॉल टूर्नामेंट संपन्न

रांची। रविवार को रांची जिला वुडबॉल संघ एवं रिलेशनकि ओर से रांची के स्थानीय जयपाल सिंह स्टेडियम में एक दिवसीय इंडिविजुअल स्व अर्जुन बैठा मेमोरियल वुडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में रांची जिला के विभिन्न क्षेत्रों से आए वुडबॉल खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी डॉ अनिल कुमार, झारखंड राज्य वुडबॉल संघ के सचिव गोविंद झा,रांची जिला वुडबॉल संघ के सचिव सह रिलेशन के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, दीपक वर्मा, रिंकू वर्मा, ने संयुक्ति रूप से विजेता खिलाडियों को मेडल और प्रस्सती पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सरवर अंसारी, आशुतोष कुमार, सौरभ कुमार मनमोहन सुंडी, राजेश गोप, रितेश कुमार, नदीम खान समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता संपन्न

रांची। रांची जिला एथलेटिक्स प्रतियोगिता संपन्न हुई, जिसमें यू/14, यू/16 आयुवर्ग के बालक एवं बालिका तथा पुरुष एवं महिला वर्ग के लगभग 200 एथलीटों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता को सफल संचालन करने में प्रभाकर कुमार वर्मा (सचिव), विनोद कुमार एथलेटिक्स कोच झारखंड पुलिस, राकेश सिंह, एम वी राव, राम मुर्मू, जी बाबुदेव,रामप्रसाद, शिवरमन, राजू साहू, लक्ष्मण राम, के के ठाकुर, राजकुमार बाल्मीकि, सुरजीतसिंह, धर्मेंद्र पासवान, कृष्ण उरांव, राघवेंद्र कुमार, सुनील कुमार, संतोष कुमार, संजय चक्रवर्ती, प्रेम कुमार, नरेश कुजूर, अग्नू उरांव, श्यामदेव महतो, बीरेंद्र साहू, प्रियरंजन, श्याम उरांव, विकाश,रीमा रानी तिर्की, कुमारी प्रिया,रूपा कुमारी, बलमदिना तिग्गा, आदि उपस्थित थे।

'जीत कुने दो' बेल्ट सेरेमनी का सफल आयोजन

रांची। रविवार को झारखंड जीत कुने दो मार्शल आर्ट्स के तत्वावधान में प्रतिष्ठित बेल्ट सेरेमनी का आयोजन निफ्ट, रांची में संपन्न हुआ। इस समारोह में विभिन्न श्रेणियों में ग्रेडिंग में सफल प्रशिक्षार्थियों को बेल्ट प्रदान किये गये। यह सम्मान मुख्य प्रशिक्षक सिफू बिस्वजीत कर्मकार द्वारा प्रदान किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों को भविष्य में और उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी तौहीद आलम ने शिरकत की। साथ ही प्रशिक्षकगण लखन उरांव, वशी आलम, अशफाक अंसारी, रविराज एवं कुमकुम कुमारी की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। इस अवसर पर प्रशिक्षकगण ने मार्शल आर्ट्स के शारीरिक और मानसिक लाभों पर प्रकाश डाला और युवाओं को आत्मरक्षा हेतु प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

भारतीय वॉलीबॉल चयन ट्रायल हेतु पत्र जारी - झारखंड के खिलाड़ी भी होंगे शामिल

रांची। भारतीय वॉलीबॉल महासंघ की तदर्थ समिति ने इ-मेल के द्वारा भारतीय वॉलीबॉल महासंघ से संबद्ध सभी राज्य वॉलीबॉल संघों के अध्यक्ष एवं महासचिव को पत्र प्रेषित किया है। इस पत्र में आगामी वॉलीबॉल चयन ट्रायल आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई है तथा सभी संबंधित इकाइयों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने राज्य/यूनिट से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को इन ट्रायल्स में भाग लेने हेतु भेजें। इस संबंध में झारखंड वॉलीबॉल संघ के सचिव शेखर बोस ने जानकारी देते हुए बताया कि झारखंड के सभी इच्छुक वॉलीबॉल खिलाड़ी राज्य संघ को सूचित करते हुए चयन ट्रायल में भाग लें। यह अवसर राज्य के युवा खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक सशक्त मंच है।

झारखंड रग्बी टीम बिहार रवाना

रांची। भारत सरकार द्वारा 06 मई से 09 मई तक पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स पटना, में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स प्रतियोगिता के लिए झारखंड रग्बी (बालक वर्ग) की टीम रविवार को रांची से रवाना हुई। खिलाड़ियों को खेल सचिव मनोज कुमार, खेल निदेशक संदीप कुमार, उपनिदेशक राजेश कुमार, जिला खेल पदाधिकारी चतरा सह चीफ डी मिशन तुषार राय, साझा के मणिकांत, देवेंद्र सिंह, झारखंड रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष विष्णु जलान, वरीय उपाध्यक्ष के के सिंह, महासचिव हेजाज असदक, कोषाध्यक्ष सुनील गुप्ता सहित कई अन्य खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों को शुभ कामना दी।

हैदराबाद के खिलाफ जीत की तलाश में उतरेगा दिल्ली

एजेंसी

हैदराबाद। अक्षर पटेल की अगुआई वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम घरेलू मैदान पर कमजोर प्रदर्शन से उबरकर सोमवार को यहां निचले हाफ में चल रही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की राह पर लौटने के इरादे से उतरेगी। दिल्ली कैपिटल्स को पिछले मैच में अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 14 हार से हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने विरोधियों के मैदान पर बेहतर प्रदर्शन की बदौलत प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीद जीवंत रखी है। दिल्ली की टीम पैट कमिंस की टीम के खिलाफ भी उसके मैदान पर जीत दर्ज करना चाहेगी। अक्षर पटेल चोट से जूझ रह हैं। वह 30 अप्रैल को नाइट राइडर्स के खिलाफ क्षेत्ररक्षण करते समय बाएं हाथ में चोट लगने के बाद मैदान से चले गए थे। देखना यह होगा कि वह चोट से उबरकर सनराइजर्स के खिलाफ खेलते हैं या नहीं। अक्षर ने हालांकि चोटिल होने के बाद भी 23 गेंद में 43 रन की उम्दा पारी खेली थी। अगर वह चोट से पूरी तरह नहीं उबरते हैं तो उन्हें गेंदबाजी में समस्या हो सकती है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम अभी 10 मैच में 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। अक्षर ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया और अगर वह नहीं खेलते या मैच में उनकी भूमिका सीमित होती है तो इससे टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ेगा। टीम को अपने पिछले दो मैच में घरेलू मैदान पर नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली ने अपने पिछले पांच में से तीन मुकाबले गंवाए हैं।

साइकिलिंग स्पर्धा में तकनीकी पदाधिकारी होंगे रणवीर एवं चन्द्र बहादुर होंगे

रांची। खेल एवम युवा मामले, भारत सरकार द्वारा आगामी 5 से 9 मई तक, साइकिलिंग वेलोड्रम स्टेडियम दिल्ली में ट्रैक रेस तथा 12 से 14 मई पटना के मेरिन ड्राइव पर रोड रेस साइकलिंग खेल की प्रतियोगिता 2025 पटना में होने वाली खेलो इण्डिया यूथ गेम्स के अन्तर्गत होना सुनिश्चित है। विदीत हो की साइकलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के द्वारा रणवीर सिंह एवं चंद्र बहादुर सिंह को तकनीकी पदाधिकारी बनाए जाने की सूचना झारखंड साइकलिंग संघ को पत्र भेज कर दी है। इन के चयन पर झारखंड साइकिलिंग संघ के अध्यक्ष डॉ मधुकांत पाठक, महासचिव शैलेंद्र पाठक, राजमहल सांसद विजय हांसदा, सुरजीत कुमार, अम्लान कुसुम सिन्हा, अजय मुकुल टोप्पो, विनय कुमार पांडे, शि.डी सिंह, राजेश कुमार यादव, दिलीप गुप्ता, शशिकांत पांडे, दीपक हेंब्रम, आशु भाटिया, ओम प्रकाश गुप्ता, ने रणवीर सिंह एवं चंद्र बहादुर सिंह को इस उपलब्धि के लिए बधाई दीया।

खिलाड़ियों का ऑक्शन संपन्न

महिला खिलाड़ी स्नेहा थापा पर सबसे अधिक बोली :-14600 रुपये की लगी

रांची। झारखंड राज्य कबड्डी संघ के तत्वावधान में आयोजित होने वाली महिला कबड्डी प्रीमियर लीग रांची हेतु खिलाड़ियों का ऑक्शन बरियातू रांची में रविवार को संपन्न हुआ। स्नेह थापा रांची की खिलाड़ी की सबसे अधिक बोली लगी। इस ऑक्ससन मे 103 खिलाड़ियों की बोली के लिए चयन किया गया था। इसमें कुल 96 खिलाड़ियों की बोली लगी। विदित हो पुरुष प्रीमियर लीग के सफल आयोजन के उपरांत महिला लीग का पहला आयोजन की जा रही है ताकि झारखंड एवं अन्य राज्य के महिला खिलाड़ियों को एक अच्छे मंच पर प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर सके।

पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को मात दी

सिंह इज किंग... बैटिंग में प्रभसिमरन तो बॉलिंग में अर्शदीप चमके

एजेंसी

धर्मशाला। आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया है। पंजाब किंग्स ने पहले बैटिंग करते हुए 236 रन बनाये। जवाब में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम 200 रन ही बना सकी। प्रभसिमरन सिंह ने 91 रनों की शानदार पारी खेली। श्रेयस अय्यर ने भी 45 रन का योगदान दिया। पंजाब किंग्स ने 16 छक्के लगाये। इकाना स्टेडियम में हुए मुकाबले को अपने नाम करने वाली पंजाब ने हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर 37 रनों से जीत हासिल की। पहले बैटिंग करते हुए श्रेयस अय्यर की टीम ने 5 विकेट पर 236 रन बनाये। जवाब में लखनऊ सुपर जायंट्स ने पावरप्ले में टॉप-3 बल्लेबाजों को विकेट खो दिए। अंत में टीम 199 रन ही बना सकी। पंजाब की यह 11 मैच में 7वीं जीत है और 15 पॉइंट के साथ टीम टेबल में दूसरे स्थान पर आ गई है। वहीं लखनऊ की 11 मैच में छठी हार है।

प्रभसिमरन सिंह शतक से चूके- पंजाब किंग्स के युवा सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 91 रनों की पारी खेली। इस छोटे कद के बल्लेबाज ने शानदार शॉट्स लगाते हुए 48 गेंद की पारी में छह चौके और सात छक्के जड़े। उनके अलावा कप्तान श्रेयस अय्यर ने 45 रन और जोश इंग्लिस ने 30 रन का योगदान दिया। पंजाब के विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन आईपीएल में अपना दूसरा शतक बनाने से नौ रन से चूक गए जब दिग्वेश राठी की गेंद पर स्विच हिट ने उन्हें पवेलियन लौटा दिया। अंत में शशांक सिंह ने 15 गेंद में नाबाद 33 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया।

पंजाब किंग्स की पारी में 16 छक्के जड़े थे जिसमें से 13 तेज गेंदबाजों पर लगे। मयंक यादव पर आधा दर्जन छक्के जड़े जिन्होंने अपने चार ओवर में 60 रन लुटाए। एलएसजी के लिए आकाश सिंह और दिग्वेश राठी ने दो दो विकेट हासिल किए। प्रिंस यादव को एक विकेट मिला।

एलएसजी ने अच्छी शुरूआत करते हुए प्रियांश आर्य (01) को पवेलियन भेज दिया जो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकाश सिंह की आउटस्विंगर पर डीप बैकवर्ड प्वाइंट पर मयंक यादव को आसान कैच दे बैठे। प्रभसिमरन शुरू में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जोस इंग्लिस का अच्छा साथ निभा रहे थे जिन्होंने मयंक यादव की गेंदों पर छक्कों की हैट्रिक लगाई। इंग्लिस के आउट होने के बाद प्रभसिमरन ने कप्तान अय्यर के साथ मिलकर 7.5 ओवर में 78 रन की साझेदारी निभाई।

भारतीय महिला टीम ने आस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया, नवनीत ने दागा मैच का एकमात्र गोल

एजेंसी

पर्थ। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को आस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया। इसी के साथ ही भारत ने इस दौरे पर एकमात्र जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। पर्थ हॉकी स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में भारत के लिए स्ट्राइकर नवनीत कौर ने 21वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल दागा जो अंत में निर्णायक साबित हुआ और इसी के दम पर टीम जीत हासिल करने में सफल रही। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3-5 और 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद टीम को एक मई और तीन मई को आस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ क्रमशः 0-2 और 2-3 से शिकस्त मिली थी। मेहमानी टीम ने आस्ट्रेलियाई दौरे पर पांचवें और अंतिम मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेला और करीबी मुकाबले में जीत दर्ज की। पहले क्वार्टर में आस्ट्रेलिया ने दबदबा बनाया और दो पेनल्टी कॉर्नर प्राप्त किए, लेकिन भारत के मजबूत डिफेंस ने उन्हें पहला गोल करने से रोक दिया। दूसरे क्वार्टर में छह मिनट बाद भारत ने उपकप्तान नवनीत कौर के मैदानी गोल की बदौलत बढ़त हासिल कर ली। नवनीत ने शनिवार को भारत की 2-3 की हार में भी गोल किया था। दूसरे हाफ में दोनों टीमें गोल करने के लिए बेताब थीं, लेकिन भारत ने संयम बनाए रखा और बढ़त का सफलतापूर्वक बचाव किया। अंतिम क्वार्टर में आस्ट्रेलिया ने एक महत्वपूर्ण पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन उन्होंने यह मौका गंवा दिया।

ऑल इंडिया ओपन कराटे प्रतियोगिता संपन्न 19 स्वर्ण पदक के साथ झारखंड ओवरऑल चैंपियन

रांची। झारखंड की राजधानी रांची में खेल गांव स्थित ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में सिकोकई कराटे इंटरनेशनल झारखंड के तत्वाधान में आयोजित दूसरी सिकोकई ऑल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप में झारखंड के कराटे खिलाड़ियों ने अपना उम्दा प्रदर्शन करते हुए 19 स्वर्ण पदक जीत कर ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। जबकि दूसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की टीम 14 स्वर्ण पदक के साथ रही वहीं बंगाल के टीम 9 स्वर्ण पदक के साथ तीसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग में चैंपियन का खिताब छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी रियांश परमार को मिला। वहीं महिला वर्ग में चैंपियन का खिताब झारखंड की खिलाड़ी रितिका तिग्गा ने पाया। अनुशासित टीम का खिताब ओड़िशा के टीम को मिला। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ देवनीस खेस ने सभी खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने यह कहा कि प्रतिभा की कमी नहीं है। राज्य में बस जरूरत है उसे निखारने की। कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राईबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेरमैन शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि रांची का खेल गांव पूरे विश्व में प्रचलित है। इस खेल गांव में अंतरराष्ट्रीय स्तर का प्रतियोगिता भी कराया जा सकता है। जल्द ही राज्य सरकार के साथ समन्वय बना कर यहां पर अंतरराष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा।

स्पीड न्यूज

मेरे पसीने से ईमान की खुशबू आती है, मैं मजबूर नहीं मजदूर हूँ :गंगेश

बोकारो। सभी मजदूरों एवं कामगारों ने एकमत से बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन की आलोचना करते हुए कहा कि बोकारो इस्पात जनता मजदूर संघ के द्वारा दिये गये 20 सूत्री मांगों पर अगर प्रबंधन ने अविलंब गंभीरतापूर्वक विचार नहीं किया तो संघ आने वाले दिनो में धरना प्रदर्शन या हड़ताल करने पर मजबूर हो जायेंगे। संघ कार्यालय में संपन्न कार्यशाला कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए तारकेश्वर महतो तारा बाबू ने मजदूरों के अधिकार व भूमिका की चर्चा की। संघ के महामंत्री सुमन सिंह ने कार्यशाला में श्रमिकों के हित एवं अधिकार की विस्तार से चर्चा की। संघ की संयुक्त महामंत्री आशा देवी ने बोकारो प्लांट प्रबंधन के द्वारा अपने ही कामगारों एवं मजदूरों के शोषण को रेखांकित किया। संघ के मीडिया प्रभारी गंगेश कुमार पाठक ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि- मेरे पसीने से ईमान की खुशबू आती है, कौन कहता है कि मैं मजबूर हूँ? मैं मजदूर हूँ। कार्यक्रम में मजदूरों पर कविता एवं गायन का भी आनंद श्रोताओं ने लिया।

कसमार सीओ को विवादित भूमि का 07 मई को मापी कराने का निर्देश

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार जिला भू-अर्जन पदाधिकारी बोकारो ने कसमार अंचलाधिकारी को बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ का चौड़ीकरण हेतु विवादित भूमि मौजा बगदा के पंचाट सं 74 के खाता सं 66 व प्लॉट सं० 1616 रकवा 1.493 एकड़ भूमि का मापी सुनिश्चित करने को कहा है। इस बाबत जारी पत्र में जिला भू अर्जन पदाधिकारी ने लिखा है कि बरलंगा से कसमार भाया नेमरा पथ का चौड़ीकरण हेतु विवादित भूमि मौजा बगदा के उक्त भूमि पर खतियानी रैयत एवं केवालाधारी (पंचाटी) के बीच अधिग्रहित रकबा में आपसी विवाद होने के कारण भुगतान नहीं हो पा रहा है।

रक्तदान शिविर का आयोजन

बोकारो। बोकारो रक्तवीर परिवार ने चास स्थित केएम मेमोरियल ब्लड सेंटर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमें 13 रक्तवीरों ने रक्त दान किया। इस मौके पर संस्था के सचिव बिनय कुमार ने अपना 12 वाँ रक्तदान किया। विनय कुमार ने कहा कि गर्मियों के दिन में ब्लड सेंटरो की हालत नाजुक हो जाती है। रक्त की कमी हो जाती है जिससे जरूरतमंदों को समय पर ब्लड उपलब्ध नहीं हो पाता है। हमारी संस्था समय समय पर रक्तदान शिविर लगाती रहती है एवं जरूरतमंदों की सहायता करती रहती है।

भाजपा नेता विक्रम ने चास थाना प्रभारी से की मुलाकात

बोकारो। बोकारो जिलान्तर्गत चास थाना में पहली महिला थाना प्रभारी सुषमा कुमारी की पदस्थापना हुई है। भाजपा नेता विक्रम कुमार महतो शिव शंकर राय भरत भूषण आदि ने उनसे औपचारिक मुलाकात कर उनका अभिनंदन किया। भाजपा नेता व सांसद प्रतिनिधि विक्रम कुमार महतो शिव शंकर राय भरत भूषण आदि ने चास थाना में महिला थाना प्रभारी की नियुक्ति से महिलाओं में विशेष रूप से न्याय एवं निर्भयता का वातावरण विकसित होने की आशा व्यक्त की।

आधार पंजीकरण/अपडेट हेतु 17 मई 2025 तक आयोजित होंगे विशेष शिविर

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव ने सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं शिविर के माध्यम से शत प्रतिशत आधार पंजीकरण अथवा अपडेट कराना सुनिश्चित करने को कहा है। जिले के विभिन्न बैंकों व बीडीओ ऑफिस एवं पोस्ट ऑफिस में (रविवार एवं अवकाश के दिनों को छोड़कर) विशेष शिविर आयोजित होगा। सरकार द्वारा संचालित अबुआ आवास पीएम आवास मनरेगा इत्यादि महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ लेने के लिए लाभुकों के पास आधार का होना अनिवार्य है।

बीएसएल का अतिक्रमण विरोधी अभियान जारी

शंका है - झुग्गियों में बांग्लादेशी तो नहीं?

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र के नगर सेवा विभाग के अतिक्रमण उन्मूलन अभियान के तहत बोकारो निवास के समीप नव निर्मित शौचालय आदि को ढाह दिया गया। नगर सेवा के डीजीएम श्री कर्नल शेखावत की अगुवाई में सुरक्षाकर्मियों की टीम ने नए बनाये जा रहे निर्माण की दीवार व छत को गिरते हुए आगे ऐसा न करने की हिदायत भी दी।

श्री शेखावत ने उन झुग्गियों के निवासियों से आधार कार्ड मांगा तो किसी ने दिखाया तो कोई भाग चला और किसी ने अनुपलब्धता को स्वीकार किया। उन झुग्गियों में रहनेवालों के बांग्लादेशी होने की आशंकाओं की चर्चा पूरे शहर में है। प्रशासन द्वारा जांच के बाद बांग्लादेशी होने की स्थिति स्पष्ट होगी। परंतु अवैध रूप से बीएसएल की जमीन का अतिक्रमण कर अवैध रूप से बिजली एवं पानी का उपयोग करने के विषय पर तो कोई संदेह नहीं है। बोकारो शहर के लगभग सभी सेक्टरों के समीप ऐसी झुग्गी झोपड़ीनुमा कॉलोनी मौजूद हैं। फिर प्रबंधन व प्रशासन क्यों मौन है?

बीएसएल प्रबंधन व जिला पुलिस एवं जिला प्रशासन को परस्पर समन्वय स्थापित कर अवैध झुग्गियों अवैध बिजली और अवैध पानी के उपयोग पर सख्ती बरतते हुए लगातार संज्ञान लेना चाहिए। सभी झुग्गीवासी एक जैसे नहीं- कहीं बेबशी है- तो कहीं शौक- तो कहीं अपराध- तो कहीं संरक्षण- तो कहीं है सहजता से मुफ्तखोरी की मानसिकता।

प्रबंधन व प्रशासन द्वारा मात्र खानापूर्ति करने की नीति व्यवहारतः व आंशिक रूप से एवं फाइलों में पूर्णतः दर्ज करना एक तरह से इसे बढ़ावा देना साबित होता है। इन अवैध निवासियों को वोट बैंक के राजनीतिबाज तथा किसी भ्रष्ट पदाधिकारी का संरक्षण मिलने की पुष्टि होने पर उनके खिलाफ भी समुचित दंडात्मक निर्णय व्यवहारतः लिया जाना चाहिए। अतिक्रमण उन्मूलन की कड़ी में सेक्टर-3 ई में आवास संख्या 97 के आगे बने अवैध निर्माण को सुरक्षा कर्मियों की टीम ने गिरा दिया।

एक नजर में

नौ दिवसीय श्रीश्री 1008 शिव महारूद्र यज्ञ को लेकर भव्य कलश व शोभा यात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

ठाकुरगंगटी (गोड्डा)। प्रखंड क्षेत्र के चांदपुर ग्राम स्थित काली मंदिर के निकट प्रारंभ होने वाले नौ दिवसीय श्री श्री 1008 महारूद्र यज्ञ और शिव महापुराण कथा को लेकर कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान रथ, झंडा, बैनर, ढोल, बाजे, 1001 कलश यात्रियों के साथ भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। यज्ञ स्थल परिसर से कलश शोभा यात्रा प्रारंभ हुई जो चांदपुर, बगात खुटहरी, तरवरवा, मानगढ़ होते हुए मैनाचक पहुंची और फिर वहां के स्थानीय तालाब में कलश में जल भरा गया। जल भरने के बाद मैनाचक गांव के बीच रास्ते से चांदपुर मार्ग होते हुए वापस कलश यात्रा यज्ञमंडप स्थल पहुंची जहां धार्मिक आस्था, विश्वास, विधि, विधान, वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश की स्थापना की गई और फिर पूजा पाठ प्रारंभ किया गया। कलश शोभा यात्रा में यज्ञाचार्य राम भरोसे त्रिपाठी जी महाराज, कथावाचक लखन जी महाराज, यज्ञ समिति के सभी पदाधिकारी सदस्य चांदपुर, बगात खुटहरी, तर रवरवा के सभी नवयुवक, बुजुर्ग, गणमान्य, शिक्षाविद, किसान, मजदूर, युवती, महिलाएं, बच्चे साथ-साथ चल रहे थे।विभिन्न प्रकार की धार्मिक गीतों पर आनंदमय पूर्वक कलश यात्री के साथ-साथ सभी श्रद्धालु हर्षोल्लास के साथ झूमते ताली बजाते कलश यात्रा में चल रहे थे। बीच-बीच में नवयुवक लोग बैंड बाजा की धुन पर नृत्य भी करते थे। कलश यात्रा के दौरान विभिन्न गांव के श्रद्धालुओं द्वारा पांच जगह पर शुद्ध मीठा पेयजल, नींबू पानी, शरबत आदि की व्यवस्था कलश यात्रियों और श्रद्धालुओं के लिए की गई थी। जिसका की कुछ श्रद्धालुओं ने लाभ भी उठाया। यज्ञ परिसर में मेला भी लग चुकी है। मेले में तारामाछी, झूला, काठघोड़ा, रेल इंजन आ चुका है। बच्चों के मनोरंजन का सामान, खिलौना, श्रृंगार, जलपान, मिष्ठान, धार्मिक पुस्तक, तस्वीर आदि की दुकान भी सजी है। मेले, यज्ञ पंडाल और कथा पंडाल परिसर में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पेयजल आदि की व्यवस्था की गई है। नवयुवक और सभी ग्रामीण सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ अन्य व्यवस्था के प्रति भी जागरूक चाकचौबंद है। इस चांदपुर गांव में यज्ञ होने से ठाकुर गंगटी और मेहरमा प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों गांवों का माहौल भक्तिमय हो गया है। चांदपुर गांव दिग्घी पंचायत के साथ-साथ निकटवर्ती ठाकुर गंगटी और मेहरमा प्रखंड क्षेत्र के कई पंचायत के दर्जनों गांव के हजारों श्रद्धालु इस यज्ञ में सहयोग कर रहे हैं। कलश यात्रा यज्ञ मंडप परिसर में पहुंचते ही इंद्र भगवान की दया भी बरस चुकी हल्की-फुल्की से माध्यम वर्षा भी दिन के 12 बजे के बाद इलाके में होने लगी। जिससे कि श्रद्धालुओं में यह उत्साह भर गया कि उनके द्वारा किया गया कलश यात्रा और यज्ञ शुभ संकेत और सफलता की ओर जा रहा है।

तेनुघाट डैम सुदृढ़ीकरण योजना का शिलान्यास

खबर मन्त्र संवाददाता

तेनुघाट कोर्ट। जल संसाधन विभाग द्वारा तेनुघाट बांध की सुरक्षा और सौंदर्यीकरण के लिए डीएसआरपी 2021 की अनुशंसा पर आधारित कार्यों की शुरूआत हो गई है। रविवार को झाड़ी कटिंग, बोल्डर पिचिंग, नाली सफाई, ग्रास पिचिंग और सौंदर्यकरण कार्यों का विधिवत शिलान्यास राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने किया। तेनुघाट बांध के सुरक्षा मापदंडों को पूरा करने के लिए विभिन्न कार्यों का शुभ शिलान्यास किया। मौके पर माननीय मंत्री जी का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डैम के सम्पूर्ण विकास के हमारे लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में सुरक्षा मापदंडों को स्थापित करने के लिए किया गया यह शिलान्यास ऐतिहासिक है।

सेक्रेड हर्ट स्कूल ने जीता क्रिकेट लीग टूर्नामेंट का खिताब

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित स्व प्रशांत मुखर्जी मेमोरियल क्रिकेट लीग टूर्नामेंट संपन्न हुआ। टूर्नामेंट का फाइनल मैच स्थानीय एटीम क्रिकेट स्टेडियम में रविवार को सेक्रेड हार्ट स्कूल बनाम प्लस टू सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस जिला स्कूल के बीच खेला गया।

टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी प्लस टू सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस जिला स्कूल की टीम ने निर्धारित ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 166 रनों का लक्ष्य विरोधी टीम को दिया। कप्तान नीरज कुमार ने 5 चौकों एवं 4 छक्कों की मदद से 31 गेंदों में 56 रन बनाए। सेक्रेड हार्ट स्कूल की

विजेता टीम को पुरस्कृत करते संघ सचिव

ओर से गेंदबाजी करते हुए कप्तान प्रत्यूष आर्नोल्ड टुडू ने 3 विकेट हासिल किया। जवाबी पारी में खेलने उतरी सेक्रेड हर्ट स्कूल की टीम ने 19.5 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर 168 बना लक्ष्य हासिल कर लिया। यह श्रृंखला पांच विकेट से सेक्रेड हर्ट स्कूल की टीम ने जीत कर खिताब अपने नाम किया। सेक्रेड हार्ट स्कूल की ओर से खेलते हुए कप्तान प्रत्यूष अरनोल टुडू ने 10 चौकों एवं 2 छक्कों की मदद से 43 गेंदों में नाबाद 75 रन बनाए।

कार व हाईवा की टक्कर, दंपति समेत तीन घायल, एक नाजुक

शिकारीपाड़ा। दुमका जिला के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के नागलभांगा मोड़ के पास रविवार दोपहर को भीषण सड़क हासदा हुई। हादसा हाइवा और कार के भिड़ंत होने से हुई। हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। जिसमें से एक की स्थिति नाजुक बनी हुई है। मौके पर पहुंची शिकारीपाड़ा पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सीएचसी शिकारीपाड़ा लाया। जहां प्राथमिक इलाज कर चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए दुमका रेफर कर दिया है। घायलों का नाम प्रभाकर चौधरी, ललन कुमार, सोनी देवी बताया गया। एक अन्य व्यक्ति जिसे आंशिक चोट आई है। आंशिक रूप से घायल राजेश कुमार साह है। यहां बताते चले कि पिछले कुछ दिनों में सड़क दुर्घटना में इजाफा हुआ है।

आंदोलनकारियों का धरना प्रदर्शन जारी

लगातार 29 हफ्ते से स्थानीय लोग कर रहे आंदोलन, प्रशासन मौन

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग कर रहे आंदोलनकारियो ने अब प्रशासन को उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। आंदोलनकारी लगातार 29 हफ्ते से आंदोलन कर रहे रसिकपुर और आसपास के ग्रामीणों ने पुनः रविवार को धरना प्रदर्शन कर बीजीआर कंपनी और सरकार को घेरा। आंदोलनकारियों ने कहा कि दुमका रेलवे स्टेशन से हर हाल में कोयला डंपिंग यार्ड को हटाना पड़ेगा। लोगों ने कहा कि कोयला के डस्ट से होने वाले प्रदूषण का असर अब आम लोगों के स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव डाल रहा है। जिसके कारण लोग बीमार पड़ रहे हैं। साथ ही पर्यावरण पर भी इसका बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

कोयला डंपिंग यार्ड हटाने की मांग को लेकर धरना पर बैठे स्थानीय लोग

गौरतलब है कि पिछले तीन साल से रसिकपुर और आस-पास के ग्रामीण स्थानीय प्रशासन को कोयला डंपिंग यार्ड हटाने का मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बावजूद शासन-प्रशासन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। आंदोलनकारियों ने कहा कि अब पानी सिर से ऊपर चढ़ चुका है। कोयला डंपिंग यार्ड यहां से हर हाल में अन्यत्र शिफ्ट होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस मामले में गोड्डा के सांसद और संसद भवन में राष्ट्रीय अंर्तराष्ट्रीय मुद्दों पर बेबाक बोलने वाले डॉ निशिकांत दुबे ने भी स्थानीय लोगों को यह भरोसा दिलाया था कि हर हाल में 2024 के अंत तक दुमका रेलवे स्टेशन से कोयला डंपिंग यार्ड को हटावाया जायेगा। लेकिन उनका वादा भी वादा ही रह गई। जिसको लेकर स्थानीय लोगों में काफी रोष है। यही नहीं स्थानीय लोगों ने डीआरएम, आसनसोल को लिखित आवेदन देकर यहां से कोयला डंपिंग यार्ड को बंद करने की मांग की।

नॉक आउट नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट उद्घाटन

शिकारीपाड़ा। दुमका जिला के शिकारीपाड़ा प्रखण्ड अंतर्गत गंद्रकपुर पंचायत के गमरा गांव में गमरा क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित एक दिवसीय नॉक आउट नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन शनिवार रात को हुआ। टूनार्मेंट का उद्घाटन शिकारीपाड़ा के विधायक आलोक कुमार सोरेन ने फीता काट और बल्लेबाजी कर किया। साथ ही मौके पर खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त कर उनकी हौसला अफजाई करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, खेल नियोजन नीति एवं राज्य सरकार की विभिन्न उपलब्धियों की जानकारी साझा करते हुए कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना की ओर अग्रसर करता है। इस प्रकार के आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को मंच मिलता है और वे भविष्य में राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करता है।

फुसरो मे केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। फुसरो बाजार में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने जो भारत के लोगों के साथ और हमारे जवान के साथ किया उसके खिलाफ हमारे फुसरो बाजार के युवको और व्यवसायियो ने मिलकर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही केंद्र सरकार से आतंकियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की, ताकि इस तरह की घटना की पुनरावृति ना हो। जहां दो मिनट का मौन धारण कर मारे गये पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी। उपस्थित लोगों ने केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। कहा कि पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को समूल नष्ट कर दिया जाए।

पेज एक का शेष

भारत ने चिनाब...

लेकिन बागलीहार और किशनगंगा बांध लंबे समय से दोनों देशों के बीच विवाद का कारण रहे हैं। पाकिस्तान ने बागलीहार बांध को लेकर विश्व बैंक में मध्यस्थता की मांग की थी, जबकि किशनगंगा बांध के कारण नीलम नदी पर असर पड़ने की वजह से कानूनी और कूटनीतिक विवाद हुआ। दोनों बांध भारत को पानी के बहाव को नियंत्रित करने की ताकत देते हैं, जिसे भारत अब अपने हित में इस्तेमाल कर रहा है। वहीं कश्मीर में किशनगंगा बांध के जरिए झेलम नदी का पानी रोकने की प्लानिंग चल रही है। इससे पड़ोसी मुल्क की हालत खराब हो गयी है।

कड़ी सुरक्षा के...

इसमें फिजिक्स और केमिस्ट्री में 45-45 और बायोलॉजी से 90 सवाल पूछे गये। इस साल से ऑप्शनल सवालों को हटा दिया गया था। परीक्षा में तीन घंटे का समय दिया गया, जो दोपहर दो बजे से शाम 05 बजे तक चला, पिछले साल परीक्षा के लिए तीन घंटे बीस मिनट का समय दिया गया था। इस बार हजारीबाग जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये थे। प्रश्न पत्र निर्धारित लॉकर से कड़ी सुरक्षा के बीच विभिन्न परीक्षा केंद्र तक पहुंचाया गया। सावधानी बरतते हुए छात्रों को प्रश्न पत्र उपलब्ध कराया गया। हजारीबाग की डीसी नैंसी सहाय ने विभिन्न परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण इस दौरान किया। उन्होंने बताया कि सभी नियमों का पालन करते हुए परीक्षा संपन्न कराया गया। हजारीबाग में कुल आठ परीक्षा केंद्र थे, सभी पर सीसीटीवी कैमरे की नजर थी। **जमशेदपुर में शांतिपूर्ण रही परीक्षा :** लौहनगरी जमशेदपुर में नीट यूजी परीक्षा के लिए कुल आठ सेंटर थे, जहां 3 हजार से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया। सभी परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 लागू कर दी गयी थी। उपायुक्त ने बताया कि सभी केंद्रों पर व्यापक व्यवस्था की गयी थी। छात्र रविवार सुबह 11:00 बजे एग्जाम सेंटर में पहुंचे और 2:00 बजे से एग्जाम शुरू हुआ, जो शाम 5:00 बजे एग्जाम खत्म हुआ।

इसीआइ की बड़ी पहल...

इसीआईएनइटी वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर टर्नआउट ऐप, सीविजिल , सुविधा 2.0, ईएसएमएस, सक्षम और केवाईसी ऐप जैसे मौजूदा ऐप को शामिल करेगा। ईसीएनईटी से लगभग 100 करोड़ मतदाताओं और पूरे चुनावी तंत्र को लाभ मिलने की उम्मीद है। इससे 10.5 लाख से अधिक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त लगभग 15 लाख बूथ लेवल एजेंट (बीएलए), लगभग 45 लाख मतदान अधिकारी, 15,597 सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ), 4,123 ईआरओ और देश भर के 767 जिला चुनाव अधिकारी (डीईओ) शामिल हैं। इसे सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 36 सीईओ, 767 डीईओ और उनके राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 4,123 ईआरओ को शामिल करने वाले एक विस्तृत परामर्श अभ्यास और ईसीआई द्वारा समय-समय पर जारी किए गए चुनावी ढांचे, निदेर्शों और पुस्तिकाओं के 9,000 पृष्ठों वाले 76 प्रकाशनों की समीक्षा के बाद विकसित किया जा रहा है।

पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक को किया गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। महगामा बीती रात्रि में पुलिस अधीक्षक गोड्डा अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली की एक व्यक्ति अवैध हथियार के साथ एक मोटरसाईकिल पर भगैया से धमड़ी की तरफ आ रहा है। पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार भगैया धमड़ी मार्ग में एंटी क्राईम चेकिंग लगाया गया। एंटी क्राईम चेकिग प्रारंभ की गई।

तत्पश्चात संदिग्ध व्यक्ति आता दिखा पुलिस टीम को देखकर मोटरसाईकिल छोड़कर रात्रि का लाभ उठाकर भागने का प्रयास किया जिसे पुलिस बल द्वारा दौड़ाकर पकड़ा गया। जांच के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिन्दा गोली बरामद किया गया जिसे विधिवत जप्त करते हुये पकड़े गये व्यक्ति अक्षय कुमार मंडल को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में मेहरमा थाना कांड संख्या 67/25 सुसगत धाराओं में दर्ज की गयी। वहीं गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अक्षय कुमार मंडल उर्फ अक्षय कुमार, उम्र 20 वर्ष, पिता टुकेश्वर महतो उर्ष टुकन मंडल, सा० धमड़ी, थाना मेहरमा, जिला गोड्डा के रूप में हुई। जांच अभियान के दौरान एक देसी कट्टा एवं एक जिन्दा गोली, एक टी०भी०एस० कंपनी का अपाची मोटरसाईकिल रजिस्ट्रेशन न०- जेएच17 एए8689, एक वन प्लस मोबाईल फोन को जब्त किया गया। वहीं छापामारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक सौरभ कुमार ठाकुर, थाना प्रभारी मेहरमा थाना, पुलिस अवर निरीक्षक सत्यदीप मेहरमा थाना, पुलिस अवर निरीक्षक ब्रह्मा सिंह, मेहरमा थाना, सहायक अवर निरीक्षक सहदेव प्रसाद, मेहरमा थाना, आरक्षी/239 गोबिन्द चौधरी मेहरमा थाना के रिजर्व गार्ड, आरक्षी/506 अफसर हुसैन मेहरमा थाना के रिजर्व गार्ड शामिल थे।

शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षकों को प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें पूर्णतया तैयार किए जाने के निमित्त डीपीएस बोकारो में मूलभूत चरण की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या विषय पर सीबीएसई पटना उत्कृष्टता केन्द्र की ओर से शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित की गई। एकदिवसीय इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम में विद्यालय के दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए। रिसोर्स पर्सन के रूप में डीएवी सेक्टर-6 की प्राचार्या अनुराधा सिंह और होली क्रॉस स्कूल बोकारो की वरिष्ठ शिक्षिका पूजा सिंह मौजूद रहीं। मुख्य प्रशिक्षिका अनुराधा सिंह ने विद्यार्थियों की मूलभूत अवस्था में उनकी देखरेख और उनकी दबावरहित शिक्षा आदि के बारे में विस्तार से बताया। कहा कि आज अत्याधुनिकता और दिखावे की अंधी होड़ में माता-पिता अपने बच्चों पर उनकी उम्र और जरूरत से कहीं अधिक बोझ थोप दे रहे हैं जो उनके बचपन को छीन रहा है। ऐसे में शुरूआती कक्षाओं के शिक्षकों की भूमिका उनके खोते हुए बचपन को बचाने से लेकर भविष्य का नेतृत्वकर्ता तक तैयार करने में काफी महत्वपूर्ण है। श्रीमती सिंह ने व्यावहारिक उदाहरणों के साथ प्रशिक्षण सत्र को

काफी रोचक बना दिया। उन्होंने शिक्षकों का अभिभावकों के साथ बेहतर समन्वयन सीखने वालों के प्रकार उम्र के हिसाब से विद्यार्थियों के कौशल-विकास विद्यालय में सुरक्षा व स्वच्छता बच्चों को स्वस्थ भोजन उन्हें अच्छी नींद उनके दिमागी विकास के विभिन्न पहलुओं आदि के साथ-साथ शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय मिशन निपुण भारत बच्चों के पंचकोशीय विकास आदि पर भी बिन्दुवार जानकारी दी। दूसरी रिसोर्स पर्सन पूजा सिंह ने भी बच्चों को सिखाने पढ़ाने और उनके खेलकूद के पैटर्न में बदलाव की जरूरत बताई। दोनों रिसोर्स पर्सन का स्वागत पौधा भेंटकर किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ एएस गंगवार ने अपने संबोधन में कार्यशाला के विषय को भारतीय शिक्षण-व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव व 21वीं सदी के अनुरूप कौशल-विकास तथा विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में काफी महत्वपूर्ण बताया। कार्यशाला के दौरान संबंधित विषय पर शिक्षकों ने विभिन्न गतिविधियों में भी भाग लिया और अंत में मूल्यांकन सत्र से इसका समापन हुआ।

स्पीड न्यूज

रूस के विजय दिवस में शामिल होंगे जिनपिंग

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग मॉस्को में विजय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए सात से 10 मई तक रूस की राजकीय यात्रा पर जाएंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि चीनी राष्ट्रपति की यात्रा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर हो रही है। जिनपिंग और पुतिन ने नए युग में चीन-रूस संबंधों को जटिल बाहरी वातावरण के बावजूद हमेशा आगे बढ़ने के लिए निर्देशित किया है। प्रवक्ता ने कहा कि शी राजकीय यात्रा के दौरान चीन-रूस संबंधों पर राष्ट्रपति पुतिन के साथ रणनीतिक वार्ता करेंगे।

नेतन्याहू ने रद्द की अजरबैजान की यात्रा

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अजरबैजान की अपनी यात्रा स्थगित कर दी है। इजरायल के प्रधानमंत्री के कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। पीएमओ की ओर से जारी बयान में बताया गया कि नेतन्याहू की पांच दिवसीय यात्रा बुधवार को शुरू होने वाली थी। बयान में कहा गया, गाजा पट्टी और सीरिया में घटनाक्रमों और व्यस्त राजनीतिक तथा सुरक्षा कार्यक्रम के कारण प्रधानमंत्री ने अजरबैजान की अपनी यात्रा को अगली तारीख तक स्थगित करने का फैसला किया है।

कोटा में नीट अभ्यर्थी ने की आत्महत्या

कोटा। मध्य प्रदेश की एक नीट अभ्यर्थी ने कोटा में अपनी परीक्षा से एक दिन पहले आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी रविवार को दी। कोटा पुलिस के अनुसार, मेडिकल की छात्रा शनिवार रात कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र के पार्श्वनाथ विहार इलाके में अपने कमरे में पंखे से लटकी मिली। छात्रा मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले की रहने वाली थी और पिछले कुछ सालों से कोटा के पार्श्वनाथ विहार में परिवार के साथ रह रही थी।

सीतारमण एडीबी की बैठक में शामिल होंगी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 58 वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के अधिकारियों के भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ इटली के मिलान गयी हैं। यह बैठक चार से सात मई 2025 तक चलेगी। इन बैठकों में एडीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल, एडीबी सदस्यों के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थान भाग लेंगे। केंद्रीय वित्त मंत्री वार्षिक बैठक के मुख्य कार्यक्रमों जैसे गवर्नर्स के बिजनेस सेशन, गवर्नर्स प्लेनरी सेशन में भाग लेंगी।

यूपी : पुलिस मुठभेड़ में इनामी बदमाश घायल

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले के चौक कोतवाली थाना क्षेत्र में तीन भाइयों को गोली मारने वाले शातिर बदमाश से हुई पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश शेरु को दोनों पैरों में गोली लगने से घायल हो गया। मुठभेड़ में पुलिस का सिपाही भी घायल है। पुलिस ने दोनों घायलों को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया है।

राजद के मंसूबे पर कांग्रेस ने फेरा पानी : डॉ. सुमन

पटना। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने कहा है कि कांग्रेस ने राजद के मंसूबों पर पानी फेर दिया है। सुमन ने रविवार को कहा कि राजद की छटपटाहट के बावजूद कांग्रेस तेजस्वी यादव को बिहार में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। पिछले माह बिहार में इंडिया गठबंधन समन्वय समिति का संयोजक का तेजस्वी को संयोजक बना कर कांग्रेस ने राजद के मंसूबे पर पानी फेर दिया है।

योगगुरु बाबा शिवानंद का 128 वर्ष की उम्र में निधन

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा शिवानंद के निधन पर जताया शोक

वाराणसी। प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु और पद्मश्री सम्मानित बाबा शिवानंद का शनिवार रात स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते निधन हो गया। वे वाराणसी के बीएचयू अस्पताल में भर्ती थे। बाबा के शिष्यों का दावा है कि उनकी उम्र 128 वर्ष थी। बाबा शिवानंद को 30 अप्रैल को कुछ स्वास्थ्य परेशानियों के चलते बीएचयू अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्होंने शनिवार देर रात अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा शिवानंद के निधन पर शोक जताया। अपने एक्स अकाउंट पर पीएम मोदी ने लिखा कि योग साधक और काशी निवासी शिवानंद बाबा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। योग और साधना को समर्पित उनका जीवन देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। योग के जरिए समाज की सेवा के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित भी किया गया था। शिवानंद बाबा का शिवलोक प्रयाण हम सब काशीवासियों और उनसे प्रेरणा लेने वाले करोड़ों लोगों के लिए अपूरणीय क्षति है। मैं इस दुःख की घड़ी में उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं।

बाबा शिवानंद से बात करते पीएम मोदी। (फाइल फोटो)

2022 में मिला था पद्मश्री

21 मार्च 2022 को बाबा शिवानंद को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया था।

जब सफेद धोती-कुर्ता पहने हुए, 125 वर्ष के बाबा शिवानंद मंच पर पहुंचे, तो उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को प्रणाम किया। यह दृश्य भावुक कर देने वाला था, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपनी कुर्सी से उठकर हाथ जोड़कर उन्हें झुककर प्रणाम किया। राष्ट्रपति कोविंद ने भी उन्हें सम्मानपूर्वक अपने हाथों से उठाया था।

बचपन में ही माता-पिता का हुआ था निधन : बाबा शिवानंद का जन्म 8 अगस्त 1896 को तत्कालीन पूर्वी बंगाल (अब बांग्लादेश) के सिलहट जिले में हुआ था। जब वे सिर्फ 6 वर्ष के थे, तभी भुखमरी के कारण उनके माता-पिता का निधन हो गया था। इसके बाद ओंकारानंद नामक संत ने उन्हें अपनी देखरेख में लिया और उन्हें आध्यात्मिक शिक्षा और अनुशासन की राह पर चलाया।

संयमित जीवनशैली ही लंबी उम्र का रहस्यः शिवानंद ने अपना जीवन त्याग, संयम और योग साधना में समर्पित कर दिया था। वे हर दिन सुबह 3 बजे उठते थे, योगाभ्यास करते और अपने सारे कार्य स्वयं करते थे। उनका भोजन बहुत साधारण था–सिर्फ उबला हुआ खाना, और वह भी आधा पेट। वे गर्मियों में एसी और सर्दियों में हीटर का प्रयोग नहीं करते थे, बल्कि जमीन पर चटाई बिछाकर लकड़ी के तकिए पर सोते थे।

कभी नहीं पड़े बीमार : शिष्यों के अनुसार बाबा शिवानंद ने कभी कोई बीमारी नहीं झेली। वर्ष 2019 में कोलकाता और चेन्नई स्थित अपोलो अस्पतालों में जब उनका मेडिकल परीक्षण कराया गया, तो उन्हें पूरी तरह स्वस्थ पाया गया था।

योगी ने दी श्रद्धांजलि : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने बाबा शिवानंद के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि काशी के प्रसिद्ध योगगुरु पद्मश्री स्वामी शिवानंद जी का निधन अत्यंत दुःखद है। योग क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय है। आपकी साधना और योगमय जीवन संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणा है। बाबा विश्वनाथ से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को मोक्ष प्रदान करें।

इमरान व बिलावल का अकाउंट ब्लॉक

नयी दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ लगातार सख्त रुख अपनाती हुई नजर आ रही है। इसके अलावा, सरकार देश के खिलाफ जहर उगलने वाले पाकिस्तानी नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट्स को भारत में बैन कर रही है। इसी कड़ी में रविवार को पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के 'एक्स' अकाउंट को ब्लॉक कर दिया गया है। भारत में इमरान खान और बिलावल भुट्टो के एक्स को सर्च करने पर अकाउंट की प्रोफाइल पिक्चर और कवर इमेज ब्लैंक नजर आ रही है। इससे पहले, पाकिस्तान के सूचना और प्रसारण मंत्री अताउल्लाह तरार के एक्स अकाउंट को भी भारत में बैन कर दिया गया है।

देश जैसा चाहता है, वैसा ही दिया जायेगा जवाब

एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी में जोखिम उठाने की क्षमता है : राजनाथ

नयी दिल्ली। भारत मंडपम में आयोजित संस्कृति जागरण महोत्सव में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह पाकिस्तान की कायराना हरकत है और देश इस हमले को कभी नहीं भूलेगा।

उन्होंने कहा कि जैसा देश चाहता है, वैसा ही जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में जोखिम उठाने की क्षमता है और वे जानते हैं कि कब और कैसे निर्णय लेना है। उन्होंने कहा कि एक रक्षा मंत्री के रूप में मेरा कर्तव्य है कि मैं हमारे जवानों के साथ मिलकर देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूं। रक्षा मंत्री ने कहा कि देश की ओर आंख उठाने वालों को माकूल जवाब दिया जाएगा। हमारी सरकार और नेतृत्व इसके लिए पूरी तरह तैयार है। इससे पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के वीर जवानों पर हमले का बदला लेने की बात कही थी। अब रक्षा मंत्री की यह टिप्पणी इस बात की पुष्टि करती है कि भारत जल्द ही बड़ा कदम उठाने जा रहा है। रक्षा मंत्री ने देश की सांस्कृतिक विरासत और सनातन धर्म की महत्ता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि संत सुधांशु जी महाराज जैसे तपस्वी संत इस देश की संस्कृति को संरक्षित करने का महान कार्य कर रहे हैं। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि आज की युवा पीढ़ी तकनीकी युग में भी सत्संग और पूजा-पाठ की ओर आकर्षित हो रही है, जो अत्यंत सकारात्मक संकेत है। उन्होंने साधु-संतों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि जिस प्रकार सैनिक राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा करते हैं, उसी प्रकार साधु-संत संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत की रक्षा करते हैं। उन्होंने भारत को वीरों की भूमि बताते हुए कहा कि यह देश तपस्या करना भी जानता है और आवश्यकता पड़ने पर तलवार चलाना भी।

पाकिस्तान की कायराना हरकत है और पहलगाम आतंकी हमले को कभी नहीं भूलेगा भारत

अमृतसर में दो जासूस गिरफ्तार, लीक कर रहे थे सेना की जानकारी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने अमृतसर में सैन्य छावनी क्षेत्रों और वायुसेना अड्डों की संवेदनशील जानकारी और तस्वीरें लीक करने में कथित भूमिका को लेकर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। डीजीपी गौरव यादव ने रविवार को बताया कि अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने जासूसी के खिलाफ एक अभियान के दौरान पलक शेर मसीह और सूरज मसीह को शनिवार को गिरफ्तार किया। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में उनके अमृतसर केंद्रीय कारागार में बंद हरप्रीत सिंह उर्फ पिट्ठू के जरिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों से संबंध होने का पता चला। डीजीपी ने कहा कि जांच आगे बढ़ने के साथ ही और भी अहम खुलासे होने की संभावना है।

सिंगापुर के पीएम होंगे लॉरेंस वोंग

एजेंसी

कोरोना काल में बने थे देश के हीरो, उस समय थे वित्त मंत्री

सिंगापुर। सिंगापुर में शनिवार को हुए आम चुनाव में पीएपी की बड़ी जीत के बाद लॉरेंस वोंग प्रधानमंत्री चुन लिए गए हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर वोंग ने ली सियन लूंग की जगह ली है, जो दो दशक तक देश के पीएम रहे हैं। वोंग राजनीति में आने से पहले सिविल सेवक और अर्थशास्त्री रहे हैं। 52 साल के वोंग को कोविड-19 महामारी के दौरान काफी तारीफ मिली थी। उस समय वित्त मंत्री के रूप में उनके काम को सराहना मिली थी। सिंगापुर को कोविड के मुश्किल समय से निकालने में वोंग अहम चेहरा और हीरो थे। सिंगापुर चुनाव में जीत के हीरो बने लॉरेंस वोंग ने अमेरिका से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की है। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन-मैडिसन और यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन से डिग्री हासिल की है। हार्वर्ड कैनेडी स्कूल से पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में भी उन्होंने मास्टर डिग्री ली है। वोंग ने 2011 में राजनीति में कदम रखा था और 14 साल में वह शीर्ष पर पहुंचे हैं। वह संस्कृति, राष्ट्रीय विकास और वित्त मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं।

मानसून से पहले हो सकता है पाक के खिलाफ एक्शन

एजेंसी

- सैन्य कार्रवाई के समय को लेकर अटकलें शुरू
- 1965 का युद्ध मानसून के बीच शुरू हुआ था
- काम बहुत बड़ा है और समय कम : पीएम मोदी

नयी दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आतंकियों और उनके आकाओं को खत्म करने के लिए सरकार की ओर से उच्च स्तर पर संकल्प दिखाने के बाद सैन्य कार्रवाई के समय को लेकर अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। इस सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान काम बहुत बड़ा है और समय कम है के भी निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। पुराने युद्धों के अनुभवों के आधार पर सैन्य ऑपरेशन मानसून के दौरान होने की उम्मीद नहीं की जा रही है। यानी इसे मानसून से पहले जून तक ही पूरा करना होगा। आजादी के 78 सालों में भारत ने अपनी ओर से एक सैन्य कार्रवाई शुरू की थी, जिसमें पाकिस्तान को हराकर बांग्लादेश को आजाद कराया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मार्च में सेना को सैन्य अभियान शुरू करने को कहा था, लेकिन तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल मानिक शॉ ने साफ कर दिया था कि सैन्य तैयारी की जरूरत और मानसून को देखते हुए यह नौ महीने के बाद ही शुरू हो पाएगा। प्रधानमंत्री समय कम वाले बयान को इससे जोड़कर देखने पर मानसून के पहले सैन्य ऑपरेशन को पूरा करने की संभावना ज्यादा दिख रही है। पुरानी लड़ाई में देखें तो सिर्फ 1965 का युद्ध मानसून के बीच शुरू हुआ था। यह अगस्त में शुरू हुआ था और मानसून के बीच ही सितंबर में खत्म हो गया। इसमें पाकिस्तान की बुरी हार हुई थी।

हरकी पैड़ी में अनंत अंबानी, राधिका संग किया गंगा पूजन

हरिद्वार। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी रविवार को पत्नी राधिका अंबानी के साथ हरिद्वार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हरकी पैड़ी पर विधिविधान से गंगा पूजन कर मां गंगा का आशीर्वाद लिया। हरकी पैड़ी पहुंचने पर गंगा सभा की ओर से अध्यक्ष नितिन गौतम व महामंत्री तन्मय वशिष्ठ के नेतृत्व में तीर्थपुरोहितों ने अनंत अंबानी का स्वागत किया। उन्हें गंगाजली, चुनरी व प्रसाद भेंट किया गया। अनंत अंबानी को देखने और उनके साथ फोटो व वीडियो बनाने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान हरकी पैड़ी पर उनके सुरक्षा कर्मी उन्हें घेरे रहे।

बद्रीनाथ मंदिर के कपाट खुले

एजेंसी

चारधाम यात्रा पूर्ण रूप से हुआ शुरू

बद्रीनाथ। गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्वप्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम के कपाट रविवार सुबह छह बजे विधिवत रूप से श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। छह माह के शीतकालीन अवकाश के बाद कपाट खुलने की इस पावन घड़ी में देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भारी उत्साह और आस्था के साथ भाग लिया। बद्रीनाथ के कपाट खुलने के साथ ही चार धाम बद्रीनाथ केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा विधिवत रूप से शुरू हो गई है। चमोली जिले में स्थित बद्रीनाथ धाम के कपाट वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना, और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच खोले गए। इस दौरान भगवान बद्रीनाथ की उत्सव मूर्ति को विशेष श्रृंगार के साथ मंदिर गर्भगृह में विराजमान किया गया। पुजारियों और तीर्थ पुरोहितों की उपस्थिति में यह अनुष्ठान संपन्न हुआ।

कपाट खुलते ही मंदिर परिसर जय बद्री विशाल के नारों से गूंज उठा और श्रद्धालुओं ने दर्शन के लिए लंबी कतारों में खड़े होकर भगवान विष्णु के इस दिव्य स्वरूप का प्रथम दर्शन प्राप्त किया। इस मौके पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष महेंद्र भट्ट तथा टिहरी के विधायक किशोर उपाध्याय भी मौजूद थे। कपाट खुलने के दौरान पूरा वातावरण ढोल-नगाड़ों व सेना के बैंड की मधुर धुन और हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं के जय बदरी विशाल के जयकारों से भक्तिरस से सराबोर हो उठा।

अमेरिका का नया शहर होगा स्टारबेस

मैकएलेन। अमेरिका के टेक्सास में उस जगह को एक शहर घोषित किया गया है जहां उद्योगपति एलन मस्क की रॉकेट कंपनी स्पेसएक्स स्थित है और इसे स्टारबेस नाम दिया गया है। स्टारबेस को औपचारिक रूप से शहर घोषित करने के लिए वहां रहने वाले लोगों के एक छोटे समूह के बीच मतदान कराया गया जिसमें इस प्रस्ताव को एकतरफा मंजूरी मिल गई। यहां रहने वालों में ज्यादातर लोग मस्क की कंपनी के कर्मचारी हैं। कैमरून काउंटी निर्वाचन विभाग द्वारा ऑनलाइन जारी परिणामों के अनुसार, इस प्रस्ताव के पक्ष में 212 वोट पड़े जबकि इसके खिलाफ छह वोट पड़े। मस्क ने अपने सोशल मंच एक्स पर खुशी जाहिर करते हुए एक पोस्ट में कहा कि यह अब वास्तव में एक शहर बन गया है। स्टारबेस स्पेसएक्स रॉकेट कार्यक्रम का प्रक्षेपण स्थल है।

सात कंपनियों का मार्केट कैप 2.31 लाख करोड़ बढ़ा

शेयर बाजार समीक्षा

रिलायंस, एचडीएफसी बैंक, एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआइ, इन्फोसिस और आईटीसी की मार्केट वैल्यू बढ़ी

एजेंसी

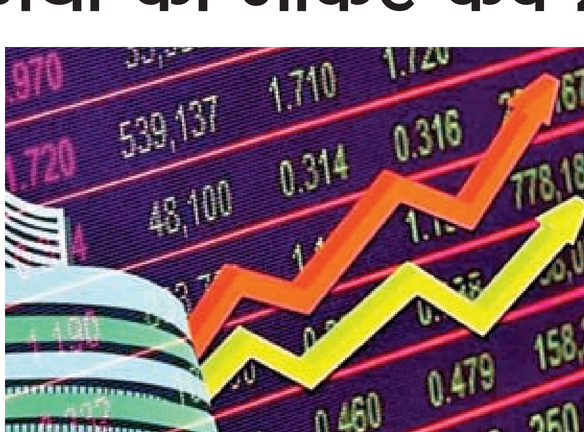

नयी दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में सामूहिक रूप से 2,31,177.3 करोड़ रुपये (2,31,177.3 करोड़ रुपये) की बढ़ोतरी हुई। स्थानीय शेयर बाजार में सुधार के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे ज्यादा लाभ में रही। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई, वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,289.46 अंक या 1.62 प्रतिशत के लाभ में रहा। गुरुवार को महाराष्ट्र दिवस के मौके पर शेयर बाजार बंद रहे थे। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 1,64,959.62 करोड़ रुपये बढ़कर 19,24,235.76 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 20,755.67 करोड़ रुपये बढ़कर 10,56,029.91 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 19,381.9 करोड़ रुपये बढ़कर 10,20,200.69 करोड़ रुपये रही। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 11,514.78 करोड़ रुपये बढ़कर 14,73,356.95 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का 10,902.31 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 6,25,668.37 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईटीसी की बाजार हैसियत 2,502.82 करोड़ रुपये बढ़कर 5,38,294.86 करोड़ रुपये हो गई। एसबीआई का बाजार मूल्यांकन 1,160.2 करोड़ रुपये बढ़कर 7,14,014.23 करोड़ रुपये रहा। इस रुख के उलट बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 15,470.5 करोड़ रुपये घटकर 5,50,726.80 करोड़ रुपये रह गई। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार पूंजीकरण 1,284.42 करोड़ रुपये घटकर 12,45,996.98 करोड़ रुपये रह गया।

सेंसेक्स पिछले हफ्ते 1289 अंक उछला

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनावपूर्ण स्थिति के बीच विदेशी निवेशकों की लिवाली के बल पर शेयर बाजार बीते सप्ताह में तेजी में रहा। अगले सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों से बाजार की चाल तय होने का अनुमान है। सेंसेक्स शुक्रवार को समाप्त सप्ताह के दौरान 1289.46 अंकों या 1.63 प्रतिशत की तेजी के साथ 80,501.99 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 307 अंकों की बढ़त के साथ 24,346.70 पर बंद हुआ।